शर्मा हार्डওয়ার
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील
वर्ष : 11 | अंक : 188 | गुवाहाटी | शनिवार, 8 फरवरी, 2025 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

देश में एक साथ चुनाव होने से दिखेगा बदलाव, होगा विकास : कोविंद पेज 2
जॉब फेयर में 55 से अधिक कंपनियों ने 1,000 पूर्व रक्षा कर्मियों को ... पेज 3
सूरजकुंड मेला देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक : अरविंद कुमार शर्मा पेज 5
आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक गीत किया लांच... पेज 7

भारतीयों से दुर्व्यवहार पर ट्रंप से होगी बात

अमेरिकी दौरे पर पीएम मोदी उठाएंगे मुद्दा

नई दिल्ली। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के न्योते पर प्रधानमंत्री मोदी 12-13 फरवरी को अमेरिका के दौरे पर होंगे। इस दौरान प्रधानमंत्री भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार का मुद्दा उठाएंगे। राष्ट्रपति ट्रंप के साथ होने वाली बातचीत में इस मुद्दे को उठाया जाएगा। ये जानकारी पीएम के अमेरिकी दौरे से जुड़े लोगों से मिली है। एक सवाल, अमेरिका के साथ बेहद मजबूत संबंध होने के बावजूद अमेरिकी सरकार ने जिस तरह भारतीयों के साथ दुर्व्यवहार किया इस पर विदेश मंत्रालय का क्या रुख है? कुछ राजनीतिक दलों की मांग है कि पीएम को विरोध स्वरूप अमेरिका नहीं जाना चाहिए... इस पर विदेश सचिव ने कहा कि 2012 से डिपोर्टेशन को लेकर प्रक्रिया चल रही है। पहले कभी किसी ने विरोध नहीं किया है। भारतीयों के साथ किसी भी तरह के दुर्व्यवहार को लेकर विदेश मंत्रालय अमेरिकी सरकार के साथ संपर्क में है। प्लेन को लेकर भी पहले की प्रक्रिया में कोई बदलाव नहीं हुआ है। कुल मिलाकर एमईए कह रहा है कि मिलिट्री प्लेन का आना और बेड़ियों में भेजना 2012 से अमेरिकी डिपोर्टेशन की प्रक्रिया का हिस्सा रहा है। विदेश सचिव ने कहा कि अवैध प्रवासियों को अमेरिका से भेजे जाने को लेकर कुछ संख्या हमारे पास है कि उन्हें भेजा जाना है। डिपोर्टेशन की प्रक्रिया -शेष पृष्ठ दो पर

अमेरिका से अब 487 अवैध भारतीय प्रवासी निकाले जाएंगे

नई दिल्ली। अमेरिका ने पिछले दिनों 104 भारतीय प्रवासियों को वापस भारत भेजा। इस बीच केंद्र सरकार ने बताया कि उन्हें अमेरिकी अधिकारियों ने बताया है कि 487 संभावित भारतीय नागरिक हैं जिनके पास अंतिम निष्कासन आदेश हैं। इस बात की जानकारी विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने दी। दरअसल, विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि हमें बताया गया है कि 487 संभावित भारतीय नागरिक हैं, जिनके निष्कासन के अंतिम आदेश हैं। -शेष पृष्ठ दो पर

500 से अधिक सरकारी स्कूलों को अपग्रेड किया जाएगा : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने शुक्रवार को कहा कि राज्य में सार्वजनिक शिक्षा में बड़ा परिवर्तन हो रहा है और 500 से अधिक उच्च एवं उच्चतर माध्यमिक विद्यालयों का उन्नयन किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने शुक्रवार को एक माइक्रोब्लॉगिंग वेबसाइट पर बताया कि प्रत्येक स्कूल को 7-10 करोड़ रुपए की लागत से अपग्रेड किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने पीएम श्री योजना के तहत पलाशबाड़ी आंचलिक हाई स्कूल को राष्ट्रीय मॉडल उत्कृष्ट स्कूल में अपग्रेड करने के लिए अगचिया, माजेरगांव, पलाशबाड़ी में एक नए ब्लॉक की आधारशिला भी रखी। शिलान्यास समारोह के बाद शुक्रवार को प्रेस को संबोधित करते हुए शर्मा ने कहा कि पीएम श्री योजना के तहत पलासबारी आंचलिक हायर सेकेंडरी स्कूल के नए ब्लॉक का निर्माण आज शुरू होगा। इसके अलावा, अब तक कई स्कूलों का निर्माण पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि यह असम में सरकारी स्कूलों को मजबूत करने के लिए उठाया गया कदम है। मुख्यमंत्री ने कहा कि यह असम के सरकारी स्कूलों में नई जान फूंकने के लिए उठाया गया हमारा कदम है। मैं इस अवसर पर सभी शिक्षकों और -शेष पृष्ठ दो पर

सीएम डॉ. शर्मा ने भारत-जापान बौद्धिक सम्मेलन का उद्घाटन किया

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने भारत-जापान बौद्धिक सम्मेलन के पांचवें संस्करण का उद्घाटन किया। दो दिवसीय सम्मेलन का आयोजन एशियाई संगम द्वारा जापान दूतावास और विदेश मंत्रालय के सहयोग से किया गया है, जिसमें भारत और जापान के विशेषज्ञ, नीति निर्माता और हितधारक शामिल हुए हैं। अपने भाषण में मुख्यमंत्री ने भारत और जापान के बीच लंबे समय से चले आ रहे सांस्कृतिक और ऐतिहासिक संबंधों पर प्रकाश डाला, जिसका इतिहास 552 ई. से जुड़ा है, जब जापान ने पहली बार बौद्ध धर्म के माध्यम से भारत के आध्यात्मिक प्रभाव को अपनाया था। उन्होंने इस बात पर भी जोर दिया कि यह साझा इतिहास द्विपक्षीय -शेष पृष्ठ दो पर

राष्ट्रीय खेलों में मुक्केबाजी : लवलीना ने जीता स्वर्ण

देहरादून। तोक्यो ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता लवलीना बरगोहाईं ने 38वें राष्ट्रीय खेलों में महिलाओं की 75 किग्रा स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता जबकि छह बार के एशियाई चैंपियन शिव थापा ने पुरुषों के 63.5 किग्रा वर्ग में रजत पदक हासिल किया। पेरिस ओलंपिक के बाद अपना पहला टूर्नामेंट खेल रही असम की लवलीना ने तीनों दौर में चंडीगढ़ की युवा प्रतिद्वंद्वी प्रांशु राठौड़ पर एकतरफा 5-0 की जीत दर्ज की। थापा को पुरुषों के लाइट वेल्टरवेट (63.5 किग्रा) वर्ग के फाइनल में निराशा का सामना करना पड़ा। उन्हें सेना खेल संवर्धन बोर्ड के मुक्केबाज वंशज से करीबी -शेष पृष्ठ दो पर

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अगर कोई पाप हैं.., तो वो सिर्फ और सिर्फ अपने आपको या दूसरों को कमजोर मानना हैं।
– **स्वामी विवेकानंद**

अवैध कोयला खनन को लेकर गौहाटी एचसी ने राज्य सरकार को चेतावनी दी

गुवाहाटी। अवैध कोयला खनन को रोकने के लिए उठाए गए कदमों पर हलफनामा दायर करने में राज्य सरकार की विफलता से नाराज गुवाहाटी उच्च न्यायालय ने कहा है कि यदि 13 फरवरी तक हलफनामा दायर नहीं किया जाता है तो गृह विभाग के प्रधान सचिव और डीजीपी को सभी प्रासंगिक दस्तावेजों के साथ व्यक्तिगत रूप से अदालत में उपस्थित होना होगा। अदालत, टिकोक ओपन कास्ट परियोजना के लिए सलेकी पीआरएफ (प्रस्तावित आरक्षित वन) में 98.59 हेक्टेयर वन भूमि के परिवर्तन के प्रस्ताव को चुनौती देने और कोल इंडिया लिमिटेड को -शेष पृष्ठ दो पर

आईआईटी गुवाहाटी और ब्रिक्स युवा परिषद ने *उद्यमिता पूर्व-परामर्श कार्यक्रम* की मेजबानी की

गुवाहाटी। भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान गुवाहाटी ने युवा मामले एवं खेल मंत्रालय और वैश्विक आतंकवाद निरोधक परिषद के तत्वावधान में ब्रिक्स युवा परिषद के सहयोग से शुक्रवार को उद्यमिता पूर्व-परामर्श कार्यक्रम की मेजबानी की। *पूर्वोत्तर भारत को सशक्त बनाना-सतत विकास और राष्ट्रीय संपर्क के लिए युवा नवाचार* विषय पर आधारित इस कार्यक्रम में 500 से अधिक प्रतिभागियों और 80 से अधिक स्टार्टअप ने भाग लिया। इस पहल ने युवा उद्यमियों और शोधकर्ताओं को अपने नवीन विचारों को प्रदर्शित करने तथा पूर्वोत्तर भारत में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए एक मंच प्रदान किया। खेल एवं युवा कल्याण विभाग की सचिव कौसर जमील हिलाली ने मुख्य अतिथि के रूप में कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई। कार्यक्रम के दौरान बोलते हुए कौसर जमील हिलाली ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के युवा नवाचार, स्थिरता और उद्यमिता के मामले में सबसे आगे हैं। दक्षिण-पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में असम के रणनीतिक स्थान के साथ, इस क्षेत्र के पास भविष्य का उद्यमशीलता केंद्र बनने का एक अनूठा अवसर है। पिछली पीढ़ियों के विपरीत, आज के युवाओं के पास अपने उद्यमशीलता के दृष्टिकोण को वास्तविकता में बदलने के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

कनाडा के नागरिक को असम से किया गया निर्वासित

सिलचर। पर्यटक वीजा पर असम में रह रहे एक कनाडाई नागरिक को कथित तौर पर धर्मांतरण कराने के आरोप में शुक्रवार को उसके देश वापस भेज दिया गया। पुलिस ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। ब्रैंडन जोएल डेवेल्ट को गुरुवार को असम के -शेष पृष्ठ दो पर

एग्जिट पोल के बाद हलचल, केजरीवाल बोले-

पारदर्शी काम नहीं कर रहा है ईसी

नई दिल्ली। दिल्ली विधानसभा चुनाव के नतीजे आने से एक दिन पहले आप ने 17सी और प्रत्येक विधानसभा में प्रति बूथ डाले गए वोटों की संख्या अपलोड कर दिया है। इसको लेकर आप प्रमुख अरविंद केजरीवाल ने एक्स पोस्ट किया है। उन्होंने एक्स पर लिखा कि कई अनुरोधों के बावजूद चुनाव आयोग ने फॉर्म 17सी और प्रत्येक विधानसभा में प्रति बूथ डाले गए वोटों की संख्या अपलोड करने से इनकार कर दिया है। आम आदमी पार्टी ने एक वेबसाइट बनाई है - http://transpar-ent-elections.in जहां हमने हर विधानसभा के सभी फॉर्म 17-सी अपलोड किए हैं। इस फॉर्म में हर बूथ पर पड़े वोटों का पूरा ब्यौरा है। केजरीवाल ने एक्स पर आगे लिखा कि दिन भर हम हर विधानसभा और हर बूथ का डेटा सारणीबद्ध प्रारूप में भी प्रस्तुत करेंगे ताकि हर मतदाता तक यह जानकारी पहुंच सके। यह कुछ ऐसा है जो चुनाव आयोग को पारदर्शिता के हित में करना चाहिए था लेकिन यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि वे ऐसा करने से इनकार कर रहे हैं। इससे पहले आम -शेष पृष्ठ दो पर

युद्ध के बाद इजराइल गाजा पट्टी को हमें सौंप देगा : ट्रंप

वाशिंगटन (हि.स.)। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने कहा है कि गाजा युद्ध समाप्त होने के बाद इजराइल इस क्षेत्र को अमेरिका को सौंप देगा। उन्होंने यह भी दावा किया कि गाजा में किसी अमेरिकी सैनिक की तैनाती की जरूरत नहीं होगी। ट्रंप ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *ट्रुथ सोशल* पर कहा कि लड़ाई खत्म होने के बाद गाजा पट्टी को अमेरिका को सौंप दिया जाएगा। फिलिस्तीनियों को पहले ही सुरक्षित और आधुनिक घरों में -शेष पृष्ठ दो पर

बारिश के अलावा किसी मौसम में पाकिस्तान को नहीं मिलेगा सतलुज, ब्यास नदियों का पानी

नई दिल्ली। सिंधु जल संधि के तहत भारत और पाकिस्तान के बीच जल बंटवारा दशकों से पुराना विवाद रहा है। इस बीच भारत ने एक बड़ी जानकारी गुरुवार को संसद में दी। केंद्रीय जल शक्ति राज्य मंत्री राज भूषण चौधरी ने लोकसभा में एक प्रश्न के लिखित उत्तर में बताया कि भारत मानसून के दौरान दुर्लभ मामलों को छोड़कर सतलुज और ब्यास नदियों से पाकिस्तान को पानी नहीं छोड़ता है। उन्होंने कहा कि सतलुज और ब्यास नदियों का पानी केवल असाधारण परिस्थितियों में ही पाकिस्तान पहुंचता है, खासकर मानसून के मौसम में जब भारी बारिश के कारण जलाशयों में जल स्तर बढ़ जाता है। दरअसल, 1960 की सिंधु जल संधि के अनुसार सतलुज, ब्यास -शेष पृष्ठ दो पर

आईएसआई के इशारे पर बंगबंधु के घर पर हुआ तोड़फोड़ : रिपोर्ट

ढाका। बांग्लादेश के संस्थापक बंगबंधु शेख मुजीबुर रहमान के घर को बुलडोजर से ध्वस्त कर दिया गया है। उनके घर में अभी भी लूटपाट जारी है। शेख मुजीबुर रहमान के घर को ध्वस्त करने के पीछे बांग्लादेश का मुस्लिम कट्टरपंथी और आतंकवादी संगठन है। अलकायदा, हिज्ब-उत-तहरीर और अंसार इस्लाम जैसे आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में अशांति के पीछे हैं। इन आतंकवादी संगठनों को पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई मदद कर रहा है। एक खुफिया रिपोर्ट में इसका खुलासा हुआ है। शेख मुजीबुर रहमान के घर को तोड़ने पर बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना ने भारत में बैठकर -शेष पृष्ठ दो पर

एक एफआईआर से जुड़ी सभी जमानत याचिकाएं एक ही पीठ सुने : सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि एक ही एफआईआर से जुड़े सभी जमानत आवेदनों को उच्च न्यायालय में एक ही न्यायाधीश या पीठ के समक्ष रखा जाना चाहिए। इससे जमानत मामलों में विचारों में एकरूपता सुनिश्चित होगी। मामले में सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति बी आर गवई और के विनोद चंद्रन की पीठ ने जुलाई 2023 में शीर्ष अदालत के तीन न्यायाधीशों की पीठ के आदेश का हवाला दिया, जिसमें कहा गया था कि एक ही एफआईआर से उत्पन्न सभी मामलों को एक ही न्यायाधीश के पास भेजना उचित है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा है कि एक ही एफआईआर से संबंधित सभी जमानत आवेदनों को एक ही न्यायाधीश के पास भेजा जाना चाहिए ताकि फैसलों में समानता बनी रहे। कोर्ट ने यह भी कहा कि अगर एक ही एफआईआर से जुड़े मामलों में अलग-अलग न्यायाधीशों के पास जमानत आवेदन होते हैं, तो बाद में मामले की सुनवाई करने वाला न्यायाधीश पहले के फैसलों को उचित महत्व दे सकता है। बता दें कि यह आदेश झारखंड -शेष पृष्ठ दो पर

दुनिया में ईसाइ धर्म के लोग होते हैं सबसे ज्यादा अमीर : रिपोर्ट

वाशिंगटन। दुनिया भर में सबसे अमीर लोग किस धर्म से हैं? एक नई रिपोर्ट के मुताबिक, दुनिया में सबसे ज्यादा संपत्ति ईसाइयों के पास है। इसके बाद मुसलमानों और फिर हिंदुओं का नंबर आता है। रिपोर्ट में यह भी कहा गया कि दुनिया की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा उन लोगों के पास है, जो किसी भी धर्म को नहीं मानते। न्यू वर्ल्ड वेल्थ की रिपोर्ट के अनुसार, धर्म के आधार पर जिन लोगों के पास सबसे ज्यादा संपत्ति है, वे ईसाई हैं। ईसाई धर्म के लोगों के पास 107,280 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है, जो दुनिया की कुल संपत्ति का 55 प्रतिशत है। ईसाइयों के बाद मुसलमानों का नंबर आता है। दुनिया भर के मुस्लिम समुदाय -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

देश में एक साथ चुनाव होने से दिखेगा बदलाव, होगा विकास : कोविंद

कानपुर (हि.स.)। देश के पूर्व राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद अपनी कर्मभूमि कानपुर के दौरे पर शुक्रवार को एक कार्यक्रम में वन नेशन वन इलेक्शन पर अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि सरकार का समय तो पांच साल का होता है लेकिन जनता के लिए असली काम करने का समय साढ़े तीन साल ही निकाल पाती है। यह जनता के हित में न्यायोचित नहीं है। बार-बार चुनाव होने से शिक्षा तो प्रभावित होती ही है, प्रशासनिक अमला भी जनता के हितों को सही तरीके से ख्याल नहीं रख पाता। इसको देखते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देश में एक साथ चुनाव की पहल की और हाई लेवल कमेटी ने भी सहमति दे दी है। देश में एक साथ चुनाव होने से काफी बदलाव देश में देखने को मिलेंगे और विकास की गति भी तेजी से बढ़ेगी। पूर्व राष्ट्रपति स्वरूप नगर स्थित आरके देवी मेमोरियल ट्रस्ट आई हॉस्पिटल के नए भवन का उद्घाटन करने के लिए बतौर मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। उन्होंने अपने संबोधन में कहा कि देश में मरीजों की संख्या को देखते हुए स्वास्थ्य सेवाओं की कमी है। इसलिए सरकारी और प्राइवेट स्वास्थ्य सेवाओं के बीच पीपीटी मॉडल को बढ़ावा देने की जरूरत है। पूर्व राष्ट्रपति कोविंद ने कहा कि 1967 तक लोकसभा विधानसभा के चुनाव साथ-साथ हुआ करते थे। कांग्रेस ने अपने हित के लिए राष्ट्रपति शासन लागू किया। इसके बाद 2024 में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक बार फिर से इस पर चर्चा की और एक हाई लेवल कमेटी बनाई गई। उस कमेटी ने भी सहमति जताई कि एक देश एक चुनाव होने से काफी बदलाव देश में देखने को मिलेंगे और विकास गति में भी तेजी से बढ़ोतरी होगी। यही नहीं चुनाव आयोग और नीति आयोग ने भी अपनी-अपनी रिपोर्ट सौंपी है। सभी ने एक देश एक चुनाव का पक्ष रखा है। उन्होंने कहा कि अलग-अलग चुनाव होने से देश को आर्थिक नुकसान तो होता ही है, साथ ही पूरी सरकारी मशीनरी का भी नुकसान होता है। इससे जनता के हितों में सरकारी मशीनरी समय से निर्णय नहीं ले पाती जो विकास में बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि संयुक्त संसदीय समिति को रिपोर्ट सौंप दी गई है और देश में एक साथ चुनाव कब होंगे, इस पर अभी कुछ नहीं कहा जा सकता है।

अमेरिका से लौटे लोगों की जांच के लिए बनी कमेटी एजेंट का दफ्तर सील

चंडीगढ़ (हि.स.)। पंजाब पुलिस ने अमेरिका से डिपोर्ट किए गए लोगों की रिपोर्ट तैयार करने के लिए चार अधिकारियों की कमेटी का गठन किया गया है। पंजाब पुलिस महानिदेश गौरव यादव ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। उन्होंने बताया कि कमेटी की अध्यक्षता एडीजीपी एनआरआई प्रवीन सिन्हा करेंगे, जबकि एडीजीपी इंटरनल सिक्योरिटी शिव वर्मा, आईजीपी/प्रोविजनिंग भूपिंदर सिंह व डीआईजी बॉर्डर रेंज सतिंदर सिंह कमेटी के सदस्य बनाए गए हैं। कमेटी की जांच रिपोर्ट के आधार पर अवैध मानव तस्करी में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। डीजीपी ने इस कमेटी को अधिकार दिया है कि वह इस मामले की जांच के लिए किसी भी अन्य अधिकारी को शामिल कर सकती है।

महाराष्ट्र में चुनावी अनियमितता के आरोप का ईसी तथ्यों के साथ लिखित जवाब देगा

नई दिल्ली (हि.स.)। महाराष्ट्र में चुनावी अनियमितताओं के विपक्षी दलों के आरोप पर चुनाव आयोग ने शुक्रवार को कहा कि पूरे तथ्यों के साथ लिखित जवाब दिया जाएगा। आयोग की यह प्रतिक्रिया कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी द्वारा नई दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में महाराष्ट्र में फर्जी मतदाता जोड़ने के आरोप के तुरंत बाद आई है। राहुल गांधी का जिक्र किए बिना भारत के चुनाव आयोग (ईसीआई) ने एक्स पर पोस्ट में कहा कि ईसीआई राजनीतिक दलों को प्राथमिकता वाले हितधारक मानता है, बेशक, मतदाता सबसे प्रमुख हैं और राजनीतिक दलों से आने वाले विचारों, सुझावों, सवालों को गहराई से महत्व देता है। आयोग पूरे देश में समान रूप से अपनाए गए पूर्ण तथ्यात्मक और प्रक्रियात्मक मैट्रिक्स के साथ लिखित में जवाब देगा। उल्लेखनीय है कि कांग्रेस सांसद और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने शिवसेना (यूबीटी) सांसद संजय राउत और एनसीपी-एससीपी सांसद सुप्रिया सुले के साथ संयुक्त रूप से शुक्रवार को विधानसभा चुनाव से पहले महाराष्ट्र की मतदाता सूची में बड़े पैमाने पर फर्जी मतदाता जोड़े जाने का आरोप लगाया। कांग्रेस नेता ने दावा किया कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार महाराष्ट्र की वयस्क आबादी 9.54 करोड़ है, जबकि राज्य में 9.7 करोड़ मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि महाराष्ट्र में राज्य की कुल आबादी से ज्यादा मतदाता हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि लोकसभा चुनाव के बाद पांच महीनों में महाराष्ट्र में 39 लाख मतदाता जुड़े, जबकि पिछले पांच साल में 32 लाख मतदाता जुड़े थे।

कोकराझार में टीबी मुक्त भारत अभियान के तहत निक्षय शिविर का आयोजन

कोकराझार (हिंस)। भारत में क्षय रोग (टीबी) उन्मूलन की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम के तहत, कोकराझाड़ जिले में आज टीबी मुक्त भारत अभियान के अंतर्गत निक्षय शिविर का आयोजन किया गया। भारत सरकार के 2025 तक टीबी उन्मूलन के लक्ष्य के अनुरूप, इस पहल का उद्देश्य जागरूकता बढ़ाना, सामुदायिक भागीदारी को सशक्त बनाना और इस बीमारी से लड़ने के लिए समन्वित प्रयासों को मजबूत करना था। इस कार्यक्रम के तहत, व्यक्तियों और संगठनों को निक्षय मित्र के रूप में पंजीकृत किया गया, जिन्होंने टीबी रोगियों को पोषण संबंधी सहायता प्रदान करने की जिम्मेदारी ली। कोकराझाड़ की उपायुक्त मासंदा एम. पार्टिन इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहीं और टीबी रोगियों की सहायता के लिए प्रतिबद्ध निक्षय मित्रों को प्रमाण पत्र वितरित किए।

असम पुलिस ने की टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट की मेजबानी

गुवाहाटी (हिंस)। असम पुलिस ने 4 से 7 फरवरी तक गुवाहाटी के एसीए स्टेडियम बरसापारा में पहली बार पूर्वी क्षेत्र अखिल भारतीय पुलिस पायलट टी-20 क्रिकेट टूर्नामेंट के मैचों की मेजबानी की। इस टूर्नामेंट में पश्चिम बंगाल, उड़ीसा, मणिपुर, मेघालय, एसएसबी और असम की छह टीमें शामिल हुईं। रोमांचक मुकाबलों के बाद पश्चिम बंगाल पुलिस और असम पुलिस टूर्नामेंट के पूर्वी क्षेत्र से क्वार्टर फाइनल के लिए क्वालीफाई करने वाली दो टीमें बनीं। क्वार्टर फाइनल मुकाबले 18 से 21 फरवरी तक 36वीं बटालियन बीएसएफ की मेजबानी में खेले जाएंगे।

सड़क हादसे में एक व्यक्ति की मौत, तीन घायल

गुवाहाटी (हिंस)। राजधानी गुवाहाटी के खेत्री इलाके में राष्ट्रीय राजमार्ग पर हुए भयावह हादसे में एक व्यक्ति की मौत हो गई। जबकि, तीन अन्य लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना तब हुई जब गुवाहाटी से नगांव की ओर जा रही तेज रफ्तार स्विफ्ट कार (एएस-12वाई-6465) बीती रात अनियंत्रित होकर पुल की खड़ी रेलिंग से टकरा गयी। दुर्घटना में वाहन पूरी तरह से क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर जाम लग गया। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने सभी घायलों को जिला अस्पताल ले गई, जहां एक व्यक्ति को मृत घोषित कर दिया गया। जबकि, अन्य तीन घायलों को गंभीर हालत में सोनापुर जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। बाद में स्थिति गंभीर देख तीनों को उन्नत इलाज के लिए गुवाहाटी मेडिकल कालेज एंड अस्पताल (जीएमसीएच) में रेफर कर दिया गया। जानकारी के मुताबिक कार में महिला समेत चार लोग सवार थे। मृतक की पहचान 70 वर्षीय बिमल चंद्र पाल के रूप में हुई है। गंभीर रूप से घायल लोगों की पहचान तेजपुर निवासी चालक बिमल बैश्य (54) और एक परिवार के मां सुब्रत पाल और पुत्र नयन पाल के रूप में हुई है।

पृष्ठ एक का शेष

भारतीयों से दुर्व्यवहार ...

कोई नई नहीं है। अलग-अलग कैटेगरी के लोगों को डिपोर्ट किया जा रहा है। विदेश सचिव विक्रम मिस्री ने कहा कि दुर्व्यवहार के मुद्दे पर हम अमेरिकी अधिकारियों पर जोर देते रहेंगे कि वहां से निकाले जा रहे लोगों के साथ किसी तरह का कोई दुर्व्यवहार नहीं होना चाहिए। हम दुर्व्यवहार के किसी भी मामले को उठाते रहेंगे, जो हमारे ध्यान में आएगा। अवैध इमिग्रेशन को बढ़ावा देने वाले पूरे सिस्टम के खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिए। हमें बताया गया है कि 487 भारतीय नागरिकों को वहां से निकालने का आदेश मिला है। हमने 298 लोगों के संबंध में जानकारी मांगी है, जो कि उन्होंने मुहैया करा दी है। पीएम मोदी के विदेश दौरे को लेकर विदेश सचिव ने बताया कि फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के न्योते पर प्रधानमंत्री मोदी 10 से 12 फरवरी 2025 तक फ्रांस की यात्रा पर रहेंगे। यह दौरा फ्रांस द्वारा आयोजित आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस शिखर सम्मेलन के आयोजन के मौके पर हो रहा है। प्रधानमंत्री फ्रांस के राष्ट्रपति मैक्रों के साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे। उन्होंने बताया कि पीएम मोदी 10 फरवरी की शाम को पेरिस पहुंचेंगे। शाम को मैक्रों द्वारा सरकार के प्रमुखों और राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में आयोजित डिनर में शामिल होंगे। इसमें टेक डोमेन से बड़ी संख्या में सीईओ और शिखर सम्मेलन में आए कई अन्य विशिष्ट लोगों के भी शामिल होने की संभावना है। अगले दिन 11 फरवरी को प्रधानमंत्री मैक्रों के साथ एआई एक्शन शिखर सम्मेलन की सह-अध्यक्षता करेंगे।

अमेरिका से अब ...

बता दें कि बुधवार को सी-17 अमेरिकी सैन्य विमान में जंजीरों और बेड़ियों से बंधे 104 भारतीय प्रवासियों को वापस भारत भेजा गया। विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने एक बयान में कहा कि अमेरिकी न्याय प्रणाली के अनुसार उनकी कानूनी स्थिति और स्थिति के बारे में, हमारे पास संबंधित अप्रवासियों की संख्या के बारे में कुछ जानकारी है। हम उपलब्ध कराई गई ऐसी संख्याओं के साथ काम कर रहे हैं। इसके साथ ही भारतीयों को निर्वासित करने के लिए अमेरिका द्वारा सैन्य विमानों के इस्तेमाल पर विदेश सचिव ने कहा कि यह विशेष निर्वासन पहले की उड़ानों की तुलना में कुछ अलग है। अमेरिकी प्रणाली में ही इसे राष्ट्रीय सुरक्षा अभियान बताया गया था। जानकारी दें कि प्रवासियों को लेकर एक अमेरिकी सैन्य विमान बुधवार को अमृतसर में उतरा। ये राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प के प्रशासन के तहत पहला सामूहिक निर्वासन था। इस विमान में 104 भारतीय सवार थे। इन भारतीयों ने अवैध चैनलों के माध्यम से संयुक्त राज्य अमेरिका में प्रवेश करने का प्रयास किया था। कथित तौर पर इन भारतीयों को उड़ान के दौरान उन्हें बेड़ियों और बंधनों जकड़ा गया था। अमेरिका द्वारा भारतीयों के निर्वासन को जिस तरीके से अंजाम दिया गया, इसको लेकर भारत में राजनीति चरम पर है। विपक्ष ने पूछा कि केंद्र ने अपनी शर्तों पर उन्हें वापस लाने के लिए हस्तक्षेप क्यों नहीं किया। वहीं, इस मामले पर केंद्र सरकार ने अंतर्राष्ट्रीय दायित्वों का हवाला देते हुए अपना बचाव किया। गुरुवार को संसद में विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि हर देश का यह दायित्व है कि अगर उसके नागरिक विदेश में अवैध रूप से रह रहे पाए जाते हैं तो उन्हें वापस बुलाए। उन्होंने यह भी कहा कि निर्वासन की कार्रवाई 2012 से लागू मानक प्रक्रियाओं के तहत अमेरिकी आव्रजन और सीमा शुल्क प्रवर्तन (आईसीई) द्वारा की गई थी। एस जयशंकर ने कहा कि अमेरिका द्वारा निर्वासन का आयोजन और क्रियान्वयन आईसीई अधिकारियों द्वारा किया जाता है। उनकी मानक संचालन प्रक्रिया में प्रतिबंधों के इस्तेमाल का प्रावधान है, लेकिन हमें बताया गया है कि महिलाओं और बच्चों पर प्रतिबंध नहीं है। भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने यह भी बताया कि सरकार यह सुनिश्चित करने के लिए अमेरिकी अधिकारियों के साथ बातचीत कर रही है कि निर्वासित लोगों के साथ दुर्व्यवहार न हो। उन्होंने यह भी कहा कि कानूनी गतिशीलता को प्रोत्साहित करना और अवैध आवाजाही को हतोत्साहित करना हमारे सामूहिक हित में है।

500 से अधिक ...

छात्रों को बधाई और शुभकामनाएं देता हूं। प्रधानमंत्री स्कूल्स फॉर राइजिंग इंडिया (पीएम श्री) एक केंद्र प्रायोजित योजना है जिसका उद्देश्य देश भर के स्कूलों का विकास और उन्नयन करना है। यह पहल विभिन्न सरकारी निकायों द्वारा प्रबंधित मौजूदा स्कूलों को राष्ट्रीय शिक्षा नीति, 2020 (एनईपी 2020) के अनुरूप अनुकरणीय संस्थानों में बदलने पर केंद्रित है। उल्लेखनीय है कि सरकारी आंकड़ों के अनुसार, पीएम श्री योजना के चरण 1 में असम के जिलों में 266 स्कूलों को शामिल किया गया था; जबकि चरण 2 में 116 स्कूलों को शामिल किया गया था। इस बीच, रिंग रोड परियोजना के बारे में पत्रकारों द्वारा पूछे जाने पर मुख्यमंत्री ने बताया कि यह परियोजना दो साल के भीतर पूरी हो जाएगी। मुख्यमंत्री ने कहा कि रिंग रोड परियोजना बहुत बड़ा बदलाव लाएगी। मेरा मानना है कि गुवाहाटी को दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में एक नई छवि मिलेगी। शर्मा ने इस बात पर प्रकाश डाला कि बाद की परियोजनाओं में नगांव-मोरीगांव-दारांग पुल और माजुली-कमलाबाड़ी पुल शामिल हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि जल्द ही असम के हर जिले में ब्रह्मपुत्र पर एक पुल होगा।

सीएम डॉ. शर्मा ने ...

संबंधों को मजबूत करता रहता है, खासकर व्यापार, शिक्षा और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में। शर्मा ने बढ़ती आर्थिक साझेदारी का भी उल्लेख किया, जिसमें 2023 में द्विपक्षीय व्यापार 22.9 बिलियन डॉलर तक पहुंच जाएगा और भारत में 1,500 से अधिक जापानी कंपनियां काम कर रही हैं। उन्होंने आगे के सहयोग की संभावनाओं पर चर्चा की, खासकर हरित ऊर्जा, सेमीकंडक्टर विकास, सटीक इंजीनियरिंग और टिकाऊ नवाचार जैसे क्षेत्रों में। मुख्यमंत्री शर्मा ने अपनी हाल की जापान यात्रा के बारे में भी जानकारी साझा की, जहां उन्होंने जापानी कंपनियों और विश्वविद्यालयों के साथ चर्चा सहित असम के लिए निवेश के अवसरों की खोज की। उन्होंने जापानी निवेशकों को आगामी एडवांटेज असम 2.0 निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए आमंत्रित किया, जिसका उद्घाटन प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी करेंगे। इस कार्यक्रम में विदेश मंत्रालय के पूर्वी सचिव जॉयदीप मजूमदार, भारत में जापान के राजदूत ओएनओ केइची और एशियाई संगम के अध्यक्ष एमपी बेजबरुआ सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए। सम्मेलन की शुरुआत से पहले एक जापानी प्रतिनिधिमंडल ने मोरीगांव जिले के जगीरोड में सेमीकंडक्टर परियोजना स्थल का भी दौरा किया।

अवैध कोयला खनन...

दी गई मंजूरी को रद्द करने तथा अन्य संबंधित मामलों से संबंधित याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। इससे पहले, न्यायालय ने कोल इंडिया लिमिटेड द्वारा कथित अवैध कोयला खनन कार्यों का संज्ञान लिया था। कोल इंडिया लिमिटेड ने दावा किया था कि उसने आरक्षित वन क्षेत्र में अपनी खनन गतिविधियां बंद कर दी हैं और अब खनन गतिविधियां कुछ अन्य संस्थाओं द्वारा संचालित की जा रही हैं। अदालत ने केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारियों को निर्देश जारी किए थे कि वे सुनिश्चित करें कि अवैध खनन कार्य न किया जाए। अदालत ने कहा कि यदि पूर्व में दिए गए निर्देश के अनुसार हलफनामा 13 फरवरी को दाखिल कर दिया जाता है तो व्यक्तिगत उपस्थिति की आवश्यकता नहीं होगी, अन्यथा पूर्व में दिए गए निर्देश के अनुसार व्यक्तिगत उपस्थिति का अनुपालन करना आवश्यक है। न्यायमूर्ति कल्याण राय सुराणा और न्यायमूर्ति मालाश्री नंदी की पीठ ने आज एक आदेश में कहा कि दायर किए जाने वाले हलफनामे में इस जनहित याचिका के अंतर्गत आने वाले क्षेत्र में सभी अवैध खनन गतिविधियों को बंद करने के लिए उठाए गए कदमों का उल्लेख होना चाहिए। न्यायाधीशों ने कहा कि वे इस तथ्य से अवगत हैं कि, सामान्यत:, शीर्ष पदों पर बैठे सरकारी अधिकारियों को न्यायालय में नहीं बुलाया जाना चाहिए। उन्होंने कहा कि हालांकि, यदि व्यक्तिगत उपस्थिति का आदेश नहीं दिया जाता है, तो ऐसा प्रतीत होता है कि कोई हलफनामा दाखिल नहीं किया जा रहा है। इसलिए, एकमात्र विकल्प यह होगा कि दोषी अधिकारियों के खिलाफ उनके असहयोग के माध्यम से न्याय प्रशासन को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करने के लिए अवमानना कार्यवाही शुरू की जाए, जिसके दूरगामी परिणाम होंगे। याचिकाओं में उठाए गए मुद्दों में देहिंग पटकाई हाथी वन रिजर्व और उक्त अभयारण्य के आसपास के गलियारे और अन्य पारिस्थितिकी-संवेदनशील क्षेत्रों को पारिस्थितिक रूप से नाजुक क्षेत्र घोषित करना; और डिब्रूगढ़ और डिगबोई वन प्रभाग के अंतर्गत जयपुर वन रिजर्व, टिराप पीआरएफ, दलाई पीआरएफ, मकुमपानी पीआरएफ को वन्यजीव अभयारण्य घोषित करना और वन विभाग के दोषी अधिकारी के साथ-साथ कोल इंडिया लिमिटेड के अधिकारियों के खिलाफ आपराधिक और नागरिक दायित्व तय करने के लिए सीबीआई या सीवीसी द्वारा उच्च स्तरीय जांच की मांग करना शामिल है। याचिकाकर्ताओं की ओर से अधिवक्ता डीके दास और आरएस चौधरी उपस्थित हुए।

आईआईटी गुवाहाटी और ...

आवश्यक संसाधनों, ज्ञान और उपकरणों तक पहुंच है। उन्होंने कहा कि मैं भावी उद्यमियों को बिना किसी निर्णय के डर के अपने विचारों को अपनाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। असम सरकार स्टार्टअप्स और युवा व्यापार जगत के नेताओं को उनके लक्ष्य हासिल करने में मदद करने के लिए विभिन्न पहलों के माध्यम से समर्थन देने के लिए प्रतिबद्ध है। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण आईआईटी गुवाहाटी-बायोनेस्ट इनक्यूबेटर द्वारा आयोजित एक मेगा स्टार्टअप प्रदर्शनी थी, जिसका उद्घाटन मुख्य अतिथि कौसर जमील हिलाली ने किया। इस विशाल प्रदर्शनी में पूर्वोत्तर क्षेत्र के 80 से अधिक स्टार्टअप्स ने भाग लिया, जिन्होंने डीप टेक, हेल्थकेयर, एग्रीटेक और नवीकरणीय ऊर्जा सहित अन्य क्षेत्रों में अपने नवाचारों और उत्पादों का प्रदर्शन किया। अपने स्वागत भाषण के दौरान आईआईटी गुवाहाटी के निदेशक प्रो. देवेंद्र जलिहाल ने कहा कि भारत का युवा रचनात्मकता से भरा हुआ है और नवाचार करने की ऊर्जा और उद्यमिता इस क्षमता को अनलॉक करने की कुंजी है। आईआईटी गुवाहाटी में, हम इस ऊर्जा को राष्ट्र निर्माण की दिशा में लगाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने कहा कि कौशल विकास को बढ़ावा देकर और पूर्वोत्तर के युवा और महत्वाकांक्षी उद्यमियों के लिए एक मंच प्रदान करके, हमारा लक्ष्य उन्हें आवश्यक मार्गदर्शन और सहायता प्रदान करना है। मैं सभी प्रतिभागियों को सहयोग करने और क्षेत्र के उद्यमशीलता परिवर्तन का नेतृत्व करने के लिए इस अवसर का लाभ उठाने के लिए प्रोत्साहित करता हूं। राष्ट्र निर्माण में युवाओं की भागीदारी के महत्व पर प्रकाश डालते हुए, जीसीटीसी इंडिया के रियर एडमिरल डॉ. एस कुलश्रेष्ठ ने कहा कि पूर्वोत्तर भारत के युवाओं को सही कौशल सेट के साथ सशक्त बनाना और उन्हें अपनी रचनात्मकता का उपयोग करने के लिए प्रेरित करना, सतत विकास सुनिश्चित करने का रास्ता है। कुलश्रेष्ठ ने कहा कि युवा उद्यमियों में साहसिक चुनौतियों से निपटने और अभिनव समाधान पेश करने की क्षमता है। उनकी क्षमता को उजागर करके, हम क्षेत्रीय प्रगति को आगे बढ़ा सकते हैं और उन संबंधों को मजबूत कर सकते हैं जो आर्थिक एकीकरण और सामाजिक विकास को बढ़ावा देने में मदद करेंगे। देबा कुमार मिश्रा, डीसी कामरूप ने कहा कि उद्यमिता पूर्व-परामर्श कार्यक्रम भारत सरकार के युवा सशक्तिकरण के दृष्टिकोण के साथ पूरी तरह से मेल खाता है। चूंकि असम एक प्रौद्योगिकी और उद्यमिता केंद्र में बदल रहा है, इसलिए हम स्टार्टअप का समर्थन करने और सहयोग और नवाचार के माध्यम से सतत विकास को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध हैं। इसके अतिरिक्त, कार्यक्रम में उद्योग और उद्यमशीलता पारिस्थितिकी तंत्र के विशेषज्ञों के साथ कि वित्त पोषण परिदृश्य को समझना : स्टार्टअप सफलता और सतत विकास के लिए रणनीतियां विषय पर एक पैनल चर्चा भी आयोजित की गई। पैनलिस्टों ने देश में तेजी से विकसित हो रहे स्टार्टअप परिदृश्य पर चर्चा की तथा बताया कि किस प्रकार विभिन्न वित्तपोषण रणनीतियां स्टार्टअप के सतत विकास में सहायक हो सकती हैं। कार्यक्रम का समापन एक आइडिया चैलेंज पिचिंग सत्र के साथ हुआ, जिसमें महत्वाकांक्षी उद्यमियों और स्टार्टअप्स ने संभावित निवेशकों के समक्ष अपने विचार रखे। चूंकि भारत एक नवाचार और उद्यमशीलता-संचालित भविष्य की ओर अग्रसर है, इस कार्यक्रम ने पूर्वोत्तर भारत के महत्वाकांक्षी उद्यमियों को इस लक्ष्य को प्राप्त करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने के लिए सशक्त बनाने हेतु एक प्रेरक शक्ति के रूप में कार्य किया।

राष्ट्रीय खेलों में ...

मुकाबले में 4-3 से हराया। राष्ट्रमंडल खेलों की कांस्य पदक विजेता सेना की जैस्मिन लम्बोरिया ने महिलाओं की 60 किग्रा स्पर्धा में विश्व चैंपियनशिप की कांस्य विजेता हरियाणा की मनीषा मौन पर 5-0 से जीत के साथ अपना दबदबा कायम किया। सेना के लिए एक और स्वर्ण पदक साक्षी ने जीता। उन्होंने हिमाचल प्रदेश की विनाक्षी को 5-0 से हराया। दिन के अन्य मुकाबलों में सेना के मंडेंगबाम सिंह ने पुरुषों के फ्लाईवेट (51 किग्रा) वर्ग में चंडीगढ़ के अंशुल पूनिया को 4-1 खंडित फैसले से हराया। महिलाओं के बैंटमवेट वर्ग में मध्य प्रदेश की दिव्या पंवार ने उत्तर प्रदेश की सोनिया लाठेर को 4-1 से शिकस्त दी। स्थानीय मुक्केबाज निवेदिता कार्की ने हरियाणा की कल्पना को हराकर महिलाओं की फ्लाईवेट (50 किग्रा) स्पर्धा में शीर्ष स्थान हासिल किया। पूर्व युवा विश्व चैंपियन असम की अंकुशिता बोड़ो ने महिलाओं की वेल्टरवेट (66 किग्रा) स्पर्धा में उत्तराखंड की काजल को सर्वसम्मत फैसले से शिकस्त देकर स्वर्ण पदक अपने नाम किया।

पारदर्शी काम नहीं ...

आदमी पार्टी (आप) के सभी 70 उम्मीदवार और वरिष्ठ नेता राष्ट्रीय राजधानी में पार्टी प्रमुख अरविंद केजरीवाल के आवास पर एकत्र हुए। यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई जब लगभग साने एक्जिट पोल भाजपा के पक्ष में चुनावी परिणाम की भविष्यवाणी कर रहे हैं। आप नेता गोपाल राय ने बताया कि अरविंद केजरीवाल के नेतृत्व में आज आप के सभी विधायकों की बैठक हुई जिसमें सभी उम्मीदवारों ने अपनी रिपोर्ट दी। उनकी रिपोर्ट के मुताबिक, आप करीब 50 सीटें जीतेगी और 6-7 सीटों पर कांटे की टक्कर होगी। दिल्ली की जनता ने आम आदमी पार्टी को सरकार बनाने का जनादेश दिया है। गोपाल राय ने कहा कि जिस तरह से *गली गालोच पार्टी* एग्जिट पोल के जरिए माहौल बनाने की कोशिश कर रही है कि वे सरकार बनाएंगे, लेकिन उनकी हताशा हकीकत बयां कर रही है। जिस तरह से हमारे उम्मीदवारों को भाजपा में शामिल होने के लिए फोन आ रहे हैं और उन्हें मंत्री पद का प्रलोभन दिया जा रहा है।

बारिश के अलावा...

और रावी नदियों पर भारत का नियंत्रण होता है। इसके साथ ही सिंधु और चेनाब नदियों के पानी पर पाकिस्तान का नियंत्रण होता है। भारत द्वारा नियंत्रित की जाने वाली सतलुज और ब्यास नदियों का पानी पाकिस्तान को केवल किसी विशेष परिस्थितियों में ही मिलता है। खास तौर पर ऐसा मानसून के समय में होता है, जब नदियों में पानी स्तर बढ़ जाता है। इस स्थिति में पानी पाकिस्तान जाता है जानकारी दें कि सिंधु जल संधि, भारत और पाकिस्तान के बीच पानी के बंटवारे को लेकर एक कानूनी रूप है। इस संधि के तहत 6 नदियों को दो हिस्सों में बांटा गया है। इस कड़ी में तीन नदियों पर भारत का नियंत्रण है और अन्य तीन नदियों के पानी पर पाकिस्तान का नियंत्रण है। इस बंटवारे का उद्देश्य दोनों देशों के बीच पानी के बंटवारे को लेकर विवादों को सुलझाना था। लेकिन कई बार इस संधि को लेकर पड़ोसी देश के साथ तनाव भी देखने को मिलता है। गौरतलब है कि सिंधु जल संधि पर पाकिस्तान के कराची में 19 सितंबर 1960 हस्ताक्षर हुए थे। बताया जाता है कि दोनों देशों के बीच हुए इस समझौते से पहले करीब नौ साल तक बातचीत चली थी। विश्व बैंक की पहल पर ये बातचीत शुरू हुई थी। इस समझौते पर भारत के तत्कालीन पीएम जवाहरलाल नेहरू और पाकिस्तान के तत्कालीन सैन्य मुख्य और राष्ट्रपति अयूब खान ने हस्ताक्षर किए थे। इस संधि के तहत सिंधु बेसिन में बहने वाली 6 नदियों को पूर्वी और पश्चिमी हिस्सों के आधार पर डिवाइड किया गया था। संधि के अनुसार पूर्व की तीन नदियों का अधिकार भारत को मिला था, जिसमें सतलुज, ब्यास और रावी नदी शामिल हैं। ठीक ऐसे ही पश्चिमी हिस्से की तीन नदियां पाकिस्तान के हिस्से आई थीं, जिसमें सिंधु, झेलम और चेनाब नदियां शामिल हैं।

आईएसआई के इशारे ...

अपना गुस्सा जाहिर किया है। दूसरी ओर, मोहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली बांग्लादेश की अंतरिम सरकार का कहना है कि यह सब इसलिए हो रहा है, क्योंकि शेख हसीना भारत से भड़काऊ बयान दे रही हैं। बांग्लादेश ने यह भी कहा है कि बंगबंधु के घर को गिराना अनजाने में किया गया था, लेकिन क्या यह वास्तव में सच है? या फिर धानमंडी की घटना के पीछे कोई और खेल चल रहा है? विभिन्न खुफिया एजेंसियों की रिपोर्टों में एक के बाद एक आतंकवादी समूहों के नाम सामने आ रहे हैं। खुफिया अधिकारियों का कहना है कि अलकायदा, हिज्ब-उत-तहरीर और अंसार इस्लाम जैसे आतंकवादी संगठन बांग्लादेश में अशांति के पीछे हैं। बांग्लादेश में घटित घटनाएं इस बात का प्रमाण हैं कि ये संगठन खुलेआम अपना काम कर रहे हैं, भले ही कागजों पर उन पर प्रतिबंध लगा हुआ है। धानमंडी में 72 घंटे से हिंसा जारी है। न केवल बंगबंधु के घर, बल्कि बांग्लादेश के पूर्व राष्ट्रपति और पूर्व सेना प्रमुख के घरों में भी तोड़फोड़ की जा रही है। उस देश की पुलिस मूकदर्शक बनी खड़ी रहती है। आरोप लगाए गए हैं कि इस बर्बरता के पीछे सरकार का हाथ है और इस तस्वीर को देखने के बाद खुफिया अधिकारियों का कहना है कि दरअसल, कट्टरपंथियों के उभार के कारण आतंकवादी संगठन तबाही मचा रहे हैं। खबर है कि न केवल बांग्लादेश, बल्कि पाकिस्तान में भी सीमा पर कट्टरपंथी गतिविधियां बढ़ रही हैं। पूर्व एनएसजी अधिकारी दीपांजन चक्रवर्ती का दावा है कि बांग्लादेश में सक्रिय सभी संगठन वास्तव में मुख्य संगठन की शाखाएं हैं। उनके शब्दों में कि वास्तव में आईएसआई इन सभी गतिविधियों में शामिल है। सब कुछ पाकिस्तान की छत्रछाया में हो रहा है। भेदभाव विरोधी आंदोलन बकवास है। सेवानिवृत्त वायुसेना अधिकारी आरके दास के अनुसार, बांग्लादेश इन सभी कार्रवाइयों से वास्तव में अपने ही पैर पर कुल्हाड़ी मार रहा है। उन्होंने कहा कि क्या आप एक घर को ध्वस्त करके सारा इतिहास मिटा सकते हैं?

एक एफआईआर से ...

उच्च न्यायालय में लंबित एक जमानत याचिका पर पारित किया गया। याचिकाकर्ता ने बताया कि उनकी जमानत याचिका को उच्च न्यायालय के एक न्यायाधीश के पास रखा गया था, जबकि सह-आरोपी के मामले पर दूसरे न्यायाधीश ने फैसला दिया था। सुप्रीम कोर्ट ने इसे असामान्य स्थिति मानते हुए कहा कि इससे अलग-अलग दृष्टिकोण आ सकते हैं। साथ ही कोर्ट ने उम्मीद जताई कि उच्च न्यायालय के न्यायाधीश पहले के फैसलों को ध्यान में रखेंगे, खासकर जब जमानत मामलों में रोस्टर प्रणाली का पालन किया जाता है और न्यायाधीशों की नियुक्ति बदलती रहती है। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी कहा कि बाद में दायर जमानत याचिकाओं पर सुनवाई करने वाले न्यायाधीशों को पहले के न्यायाधीशों द्वारा लिए गए विचारों को ध्यान में रखना चाहिए। साथ ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इस मामले में आदेश पारित करते हुए शीर्ष अदालत के रजिस्ट्रार को आदेश की एक प्रति सभी उच्च न्यायालयों के रजिस्ट्रार जनरल को भेजने का निर्देश दिया।

दुनिया में ईसाइ ...

के पास 11,335 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है, जो कुल संपत्ति का 5.9 प्रतिशत है। हिंदू धर्म के लोग तीसरे नंबर पर हैं, जिनके पास 6,505 बिलियन अमेरिकी डॉलर (3.3 प्रतिशत) की संपत्ति है। इसके अलावा, यहूदी धर्म के लोगों के पास 2,079 बिलियन अमेरिकी डॉलर की संपत्ति है, जो कुल संपत्ति का 1.1 प्रतिशत है। रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि दुनिया के 10 सबसे अमीर देशों में से सात ईसाई बहुल हैं। इसके अलावा, दुनिया की कुल संपत्ति का एक बड़ा हिस्सा (67,832 बिलियन अमेरिकी डॉलर) उन लोगों के पास है, जो किसी भी धर्म को नहीं मानते, और यह कुल संपत्ति का 34.8 प्रतिशत है।

कनाडा के नागरिक ...

जोरहाट जिले में हिरासत में लिया गया था। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि उसका वीजा 17 जनवरी को समाप्त हो गया था। जोरहाट के पुलिस अधीक्षक (एसपी) श्वेतांक मिश्रा ने कहा कि ब्रैंडन ने वीजा नवीनीकरण के लिए आवेदन किया था, लेकिन पुलिस को अवैध धर्मांतरण गतिविधियों में उसकी कथित संलिप्तता के बारे में शिकायत मिली। कथित तौर पर धर्म परिवर्तन के लिए मजबूर किए गए कुछ स्थानीय लोगों ने पुलिस से उसकी गतिविधियों के बारे में शिकायत की थी। नई दिल्ली स्थित कनाडा के उच्चायोग से प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा है तथा प्रतिक्रिया प्राप्त होने पर इस लेख को अद्यतन कर दिया जाएगा। मिसरा ने कहा कि ब्रैंडन धर्मांतरण गतिविधियों में शामिल था और जोरहाट के मिशन कैंपस में ग्रेस चर्च से काम कर रहा था। वह स्थानीय लोगों को अपने धर्म में परिवर्तित करने के लिए एक यूट्यूब चैनल चला रहा था। हालांकि यूट्यूब चैनल को निष्क्रिय कर दिया गया है, लेकिन हमें उसके खिलाफ पर्याप्त सबूत मिले हैं, और उसके अनुसार कार्रवाई की गई है। वीजा उल्लंघन के बारे में सतर्क हुए कोलकाता स्थित विदेशी क्षेत्रीय पंजीकरण कार्यालय ने ब्रैंडन को नोटिस जारी कर तुरंत भारत छोड़ने का आदेश दिया। एसपी ने शुक्रवार को एचटी को बताया कि उन्हें जोरहाट पुलिस के एक अधिकारी द्वारा कोलकाता हवाई अड्डे और फिर 6 फरवरी को दिल्ली ले जाया गया। शुक्रवार की सुबह, उन्हें आखिरकार टोरंटो की उड़ान में बिठाया गया। 2022 में, सात जर्मन नागरिकों और तीन स्वीडिश नागरिकों को इसी तरह की गतिविधियों के लिए असम से हिरासत में लिया गया और निर्वासित किया गया। पुलिस ने कहा कि वे पर्यटक वीजा पर असम में थे, लेकिन धर्मांतरण करते पाए गए, जो भारत में अवैध है।

युद्ध के बाद ...

बसाया जा चुका होगा। इजराइल के रक्षा मंत्री इजराइल काट्ज ने ट्रम्प के इस विचार का समर्थन किया है। उन्होंने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म *एक्स* पर लिखा कि मैं राष्ट्रपति ट्रम्प की साहसिक योजना का स्वागत करता हूं। यह योजना गाजा की आबादी के एक बड़े हिस्से को दुनिया भर के विभिन्न स्थानों पर स्थानांतरित करने में मदद कर सकती है। इजराइली प्रस्ताव के अनुसार, गाजा के निवासियों को भूमि, समुद्र और हवाई मार्ग से उन देशों में जाने की अनुमति दी जाएगी, जो उन्हें स्वीकार करने को तैयार हैं।

धुबड़ी में *एडवांटेज असम 2.0* सम्मेलन पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन

गुवाहाटी। असम सरकार ने 7 फरवरी को धुबड़ी क चापर स्थित एससीएस कृषि महाविद्यालय में *एडवांटेज असम 2.0 – निवेश और बुनियादी ढांचा शिखर सम्मेलन 2025* पर जिला स्तरीय कार्यशाला का आयोजन किया। धुबड़ी और दक्षिण सालमारा मनकाचर जिला प्रशासन द्वारा संयुक्त रूप से आयोजित इस कार्यक्रम में उद्योग जगत के नेताओं, सरकारी अधिकारियों, उद्यमियों और विभिन्न क्षेत्रों के प्रतिनिधियों ने भाग लिया। कार्यशाला में मुख्य अतिथि के रूप में धुबड़ी के संरक्षक मंत्री रंजीत कुमार दास उपस्थित थे। इस अवसर पर दिबाकर नाथ, जिला आयुक्त (धुबरी), राहुल कुमार गुप्ता, जिला आयुक्त (दक्षिण सलमारा मनकाचर), अशोक कुमार सिंघी, अध्यक्ष (कृषि विपणन बोर्ड, बिलासीपारा) और सृष्टि सिंह, सीडीसी (बिलासीपारा) के साथ-साथ प्रमुख सरकारी विभागों, उद्योग निकायों, स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) और स्थानीय उद्यमियों के प्रतिनिधि उपस्थित थे। कार्यशाला में उद्यमियों को आधिकारिक वेबसाइट के माध्यम से आगामी शिखर सम्मेलन में पंजीकरण करने और भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। जी2बी (सरकार-से-व्यवसाय) और बी2बी (व्यवसाय-से-व्यवसाय) सहयोग पर विशेष ध्यान देते हुए, यह शिखर सम्मेलन नेटवर्किंग, नीतिगत चर्चाओं और निवेश अवसरों के लिए एक मंच प्रदान करेगा। फोकस के अंतर्गत प्रमुख क्षेत्र: बुनियादी ढांचा और कनेक्टिविटी, ऊर्जा और डिजिटल अर्थव्यवस्था, आईटी और रक्षा, एयरोस्पेस और ऑटोमोबाइल विनिर्माण, खेल, फार्मा और स्वास्थ्य सेवा, कृषि और पर्यटन, वित्तीय सेवाएं। कार्यशाला में बोलते हुए दास ने इस आयोजन के आदर्श वाक्य पर जोर दिया तथा असम में आर्थिक विकास, रोजगार सृजन और औद्योगिक विस्तार में इसकी भूमिका पर प्रकाश डाला। घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय निवेश की उच्च उम्मीदों के साथ, एडवांटेज असम 2.0 राज्य की आर्थिक परिवर्तन यात्रा में एक ऐतिहासिक घटना बनने के लिए तैयार है।

जॉब फेयर में 55 से अधिक कंपनियों ने 1,000 पूर्व रक्षा कर्मियों को नौकरी के अवसर दिए

गुवाहाटी। सरकारी एजेंसियों और निजी कंपनियों ने शुक्रवार को गुवाहाटी में एक विशेष नौकरी मेले में पूर्व रक्षा कर्मियों को 1,500 से अधिक नौकरियों और 250 उद्यमिता के अवसरों की पेशकश की। एक रक्षा प्रवक्ता ने बताया कि यहां नारंगी छावनी में पूर्व सैनिकों के लिए आयोजित रोजगार मेले में असम और आसपास के क्षेत्रों से सेना, नौसेना और वायुसेना के 1,000 से अधिक सेवानिवृत्त कर्मियों ने रोजगार के अवसर तलाशने के लिए भाग लिया। उन्होंने कहा कि नौकरी मेले में 55 से अधिक कंपनियों ने भाग लिया और 1,500 से अधिक नौकरियां और 250 उद्यमिता के अवसर प्रदान किए। उन्होंने कहा कि चयनित पूर्व सैनिकों का साक्षात्कार लिया जाएगा और उनकी स्क्रीनिंग की जाएगी, तथा तत्पश्चात उन्हें वरिष्ठ पर्यवेक्षक, मध्य या वरिष्ठ स्तर के प्रबंधक, रणनीतिक योजनाकार और परियोजना निदेशक जैसे पदों पर नियुक्त किया जाएगा। प्रवक्ता ने बताया कि नौकरी मेले में भाग लेने वाली एजेंसियों में सेंचुरी प्लाईबोर्ड्स, बजाज आलियांज, केनरा एचएसबीसी लाइफ इंश्योरेंस, एसआईएस सिक्योरिटी, स्टार सीमेंट, एम्स गुवाहाटी, असम कौशल विकास मिशन, पूरबी डेयरी (वामुल) और नीपको शामिल थीं। प्रवक्ता ने बताया कि रक्षा मंत्रालय के भूतपूर्व सैनिक कल्याण विभाग के पुनर्वास महानिदेशालय द्वारा आयोजित एफओबी मेले के दौरान विभिन्न कंपनियों द्वारा उद्यमिता मॉडल भी प्रस्तुत किए गए। इस जॉब फेयर का उद्घाटन असम के कौशल, रोजगार और उद्यमिता मंत्री प्रशांत फुकन ने कई गणमान्य लोगों की मौजूदगी में किया।

रंगिया रेलवे स्टेशन से लाखों की ड्रग्स सहित एक गिरफ्तार

रंगिया (निसं)। रंगिया स्टेशन पर रेलवे पुलिस की बड़ी सफलता प्राप्त हुई। अभियान में एक व्यक्ति को भारी मात्रा में ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार व्यक्ति बिहार के वैशाली जिले का तुलसी साहनी बताया गया है। यह व्यक्ति बदरपुर से ट्रेन द्वारा बिहार जा रहा था। रेलवे पुलिस ने गिरफ्तार व्यक्ति से दस साबुन के डिब्बों में 112 ग्राम संदिग्ध ड्रग्स जब्त किया है। जब्त किए गए ड्रग्स की बाजार मूल्य लगभग 22 लाख रुपए बताए गए है। ड्रग तस्कर को रंगिया रेलवे पुलिस जीआरपी के ओसी गुनजित पाठक के नेतृत्व में गिरीश शर्मा, दीपक राभा, इमरान हुसैन, मुनाफ अली और नजरूल हक की छापेमारी में गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने ड्रग्स के साथ तस्कर को किया गिरफ्तार

बोको। कामरूप जिले के बोको स्थित एक मंदिर में पुलिस ने ड्रग्स के साथ तस्कर को गिरफ्तार किया। पकड़े गए तस्कर की पहचान ग्वालपाड़ा जिले के धनबाड़ी निवासी 28 वर्षीय हाफिजुर रहमान के रूप में हुई है। गिरफ्तार किए गए तस्कर से पुलिस हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है। पुलिस ने तस्कर के पास से 1.276 ग्राम हेरोइन जब्त की है।

राज्यपाल ने *भारत बोध* सम्मेलन का किया उद्घाटन

गुवाहाटी (हिंस)। असम के राज्यपाल लक्ष्मण प्रसाद आचार्य ने शुक्रवार को यहां माधवदेव अंतर्राष्ट्रीय सभागार में आयोजित तीन दिवसीय भारत बोध सम्मेलन के गुवाहाटी संस्करण का उद्घाटन किया। जेएनयू जैसे शैक्षणिक संस्थानों की ओर से आयोजित यह सम्मेलन भारत की समृद्ध सभ्यतागत विरासत और वैश्विक ज्ञान में इसके योगदान को समझने पर केंद्रित है। इस अवसर पर राज्यपाल आचार्य ने ज्ञान की भूमि के रूप में भारत की कालातीत विरासत पर प्रकाश डाला। उन्होंने कहा कि भारत की ज्ञान परंपरा ने पूरे विश्व का पोषण किया है। जब बाकी दुनिया अज्ञानता में भटक रही थी, तब भारत के ऋषियों और संतों ने ज्ञान के उच्चतम रूप का प्रसार किया और परिष्कृत मूल्यों के साथ मानवता को आकार दिया। उन्होंने भारत बोध नामक अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन पर अपनी प्रसन्नता व्यक्त की, जो भारत के सार की खोज पर केंद्रित थी। राज्यपाल आचार्य ने कहा कि भारत बोध एक विचार मात्र नहीं है, यह एक गहन अनुभव है तथा भारत की विरासत के विविध आयामों को समाहित करने वाला एक मूल्यवान विचार-विमर्श है। उन्होंने कहा कि भारत बोध के विचार-मंथन सत्र में भारत की सभ्यता, संस्कृति, शिक्षा, अर्थव्यवस्था, इतिहास, विज्ञान तथा अन्य विषयों पर चर्चा को बढ़ावा मिलेगा, जिससे राष्ट्र की बौद्धिक तथा सांस्कृतिक विरासत का समग्र दृष्टिकोण प्राप्त होगा। राज्यपाल ने प्रतिनिधियों तथा प्रतिभागियों से भारत को स्वदेशी दृष्टिकोण से देखने तथा बौद्धिक चर्चाओं, सांस्कृतिक प्रदर्शनों तथा प्रदर्शनियों के आकर्षक मिश्रण के माध्यम से भारत की सांस्कृतिक विरासत की जटिल रूपरेखा का सम्मान करने तथा उसका अन्वेषण करने का आग्रह किया। राज्यपाल ने कहा कि भारत को पश्चिमी दृष्टिकोण से देखकर हमारे समाज को उसकी जड़ों से दूर करने के प्रयास किए गए हैं, जिसके कारण हमारी पहचान में भ्रम की स्थिति पैदा हुई है। हालांकि, भारत का सार अडिग है तथा परिणामस्वरूप इतिहास में विभिन्न सांस्कृतिक तथा राजनीतिक आक्रमणों के बावजूद राष्ट्र के लचीलेपन को दर्शाता है। राज्यपाल ने इस अवसर पर प्राचीन विश्व में भारत की असाधारण उपलब्धियों पर भी प्रकाश डाला। भारत दुनिया की सबसे पुरानी सभ्यता है, जो कई अन्य सभ्यताओं से बहुत पहले सांस्कृतिक और बौद्धिक उन्नति का प्रतीक रही है। उन्होंने कहा कि तक्षशिला और नालंदा जैसे हमारे प्राचीन विश्वविद्यालय ज्ञान के उद्गम स्थल थे, जो दुनिया के सभी कोनों से विद्वानों को आकर्षित करते थे। भारत के प्राचीन ज्ञान पर और जोर देते हुए राज्यपाल आचार्य ने उन अभूतपूर्व खोजों पर टिप्पणी की, जो भारत ने हजारों साल पहले की थीं, जिन्हें अब आधुनिक विज्ञान के माध्यम से फिर खोजा जा रहा है। उद्घाटन समारोह में ईशान बोध ट्रस्ट के अध्यक्ष प्रो. रजनीश कुमार मिश्रा और निश्रियास के अध्यक्ष गीताचार्य पुरंदर बरुवा सहित कई गणमान्य व्यक्ति शामिल हुए।

सेमिकंडक्टर उद्योग को लेकर कांग्रेस चिंतित : भाजपा

गुवाहाटी (हिंस)। असम में सेमिकंडक्टर उद्योग की स्थापना कांग्रेस के लिए चिंता का विषय बन गई है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने शुरू से ही इस उद्योग का विरोध किया है। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन बोरा के निराशाजनक बयान से यह स्पष्ट हो गया कि कांग्रेस इस पहल को लेकर चिंतित है। हाल ही में, प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष द्वारा सेमिकंडक्टर उद्योग पर की गई नकारात्मक टिप्पणी की असम प्रदेश भाजपा की प्रवक्ता डॉ. जूरी शर्मा बरदलै ने कड़ी निंदा की है। शुक्रवार को एक बयान में भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि कांग्रेस हमेशा औद्योगीकरण के खिलाफ रही है। जब कांग्रेस सत्ता में थी, तब उसने असम में कभी भी उद्योग स्थापना को प्राथमिकता नहीं दी। जो कुछ उद्योग राज्य में थे, वे भी कांग्रेस शासन में बंद होने के कगार पर पहुंच गए थे। नए उद्योग लाने का कोई प्रयास नहीं किया गया। असम में बड़े उद्योगों की स्थापना कांग्रेस के लिए हमेशा असंभव सपना रहा। इसलिए कांग्रेस अध्यक्ष का सेमिकंडक्टर उद्योग को लेकर चिंतित होना स्वाभाविक है। डॉ. शर्मा ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के नेतृत्व में राज्य सरकार ने औद्योगीकरण के लिए एक अनुकूल माहौल तैयार किया है। उद्योग स्थापना की दिशा में मुख्यमंत्री ने कई बुनियादी कदम उठाए हैं, ताकि निवेशकों को किसी कठिनाई का सामना न करना पड़े। असम में औद्योगिक निवेश को प्रोत्साहित करने के लिए 25-26 फरवरी को *एडवांटेज असम 2.0* का आयोजन किया जाएगा, जिसमें प्रधानमंत्री सहित कई राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय निवेशक भाग लेंगे। भाजपा प्रवक्ता ने कहा कि मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा के इन ठोस प्रयासों के कारण कांग्रेस आज दिशाहीन हो गई है। इसी कारण अब वह सेमिकंडक्टर उद्योग के विरोध के बहाने राज्य के विकास का विरोध कर रही है। उन्होंने कांग्रेस नेतृत्व से अपील की कि वह असम विरोधी मानसिकता छोड़कर राज्य के विकास के लिए सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाए।

उदालगुड़ी : ओरंगाजुली में एसएसबी ने किया नागरिक कल्याण कार्यक्रम

उदालगुड़ी। सशस्त्र सीमा बल की 37वीं वाहिनी, मंगलदै के सौजन्य से औरंगाजुली बागान में 3 फरवरी से आयोजित नागरिक कल्याण कार्यक्रम का शुक्रवार को सफल समापन किया गया। इसके समापन के दिन शहीद प्रमोद कुमार सिंह स्मारक फुटबॉल का फाइनल मैच के अलावा मानव एवं जीव जंतुओं के लिए नि:शुल्क चिकित्सा सेवा प्रदान की गई। इसके अलावा इस मौके पर सिलाई, मधुमक्खी पालन, इलेक्ट्रॉनिक आदि के प्रशिक्षार्थियों को प्रमाण पत्र प्रदान किया गया। औरंगाजुली चाय बगीचे स्थित खेल मैदान में आयोजित शहीद प्रमोद कुमार सिंह स्मारक फुटबॉल प्रतियोगिता का उद्घाटन सशस्त्र सीमा बल के डीआईजी के सी सिंग ने किक ऑफ कर किया। बादलापाड़ा और कोरामुर के बीच आयोजित प्रतियोगिता के फाइनल खेल में कोरामुर चाय बागान टीम ने 2- 1 गोल के व्यवधान से अंतिम खिताब अर्जित किया। वहीं दूसरी ओर कार्यक्रम के तहत उड़िया, नेपाली आदि का भी प्रदर्शन किया गया। उल्लेखनीय है कि डॉक्टर सविता दाबास और डॉक्टर एल कुमारजीत सिंह ने नि:शुल्क मानव चिकित्सा सेवा प्रदान की। वहीं पशु चिकित्सा सेवा डॉक्टर एल के सिंह द्वारा प्रदान की गई। इसके अलावा पुरस्कार तथा खेल सामग्रियां मुख्य अतिथि तथा एस एस बी तेजपुर के आईजी के सी विक्रम, डीआईजी राकेश कुमार, बीटीसी के ईएम संजीत तांती, कमांडिंग अधिकारी राम अवतार भलाथीया द्वारा प्रदान की गई।

मायुमं, कामाख्या शाखा का विराट रक्त दान शिविर आयोजित

गुवाहाटी। आगामी 6 फरवरी को शाखाध्यक्ष स्नेहल बिदासरिया की अध्यक्षता में रोयल ग्लोबल यूनिवर्सिटीज में अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच के संस्थापक अध्यक्ष स्व प्रमोद जी सराफ की स्मृति में कामाख्या महिला शाखा ने रक्त दान शिविर का भव्य आयोजन किया जिसका उद्घाटन प्रागजोतिष पब्लिकेशन के सचिव एवं पत्रकार दीपक शर्मा ने किया। कार्यक्रम में कुल 130 छात्रों फार्म जमा हुए जिसमें 70 फार्म वैध पाए गए कुल 70 यूनिट रक्त संग्रह किया। बच्चों ने बड़े उत्साह के साथ बड़-चढ़कर हिस्सा लिया। इस शिविर ने रोयल ग्लोबल के विज्ञान विभाग की प्रोफेसर अंकिता अग्रवाला का बिशेष सहयोग रहा और उन्होने छात्रों को रक्त दान के प्रेरित भी किया। जीएमसी की रक्त वाहन और निरामय के चिकित्सक की देखरेख में सारे शिविर का आयोजन किया गया। शिविर कि संयोजिका ममता सेठी और चांदनी बैद ने पुरे शिविर को सुचारु रुप से संचालन किया। इस शुभ अवसर पर शाखा सचिव अनुसूया शर्मा, कोषाध्यक्ष खुशबू मोर, उप सचिव मीना जैन, कृतिका अग्रवाल उपस्थित थी। यह जानकारी जनसंपर्क सचिव अरुणा अग्रवाल ने दी ।

राज्य में *संघर्ष से सह-अस्तित्व तक* विषय पर एक मीडिया राउंडटेबल का आयोजन

गुवाहाटी। भारत में मानव-वन्यजीव संबंधों (एचडब्ल्यूआई) को लेकर बढ़ती चिंताओं के जवाब में, क्लाइमेटराइज एलायंस के साझेदार, कोएग्जस्टेंस कंसोर्टियम, द कॉर्बेट फाउंडेशन, अरण्यक और दसरा (क्लाइमेटराइज सेक्रेटेरियट) ने 7 फरवरी को गेटवे ग्रैंड्योर, असम में *संघर्ष से सह-अस्तित्व तक* विषय पर एक मीडिया राउंडटेबल का आयोजन किया गया। जैसे-जैसे शहरीकरण, जलवायु परिवर्तन और वनों की कटाई भारत के परिदृश्य को बदल रहे हैं, मानव और वन्यजीवों के बीच मुठभेड़ लगातार बढ़ रही हैं, जिनका अक्सर दुखद परिणाम होता है। असम में मानव-वन्यजीव संबंध, खासकर हाथियों से जुड़ी घटनाएं, बदलते पर्यावरण में सह-अस्तित्व की चुनौतियों को उजागर करती हैं। ये मुठभेड़ अक्सर हाथियों के गलियारों में मानव बस्तियों के अतिक्रमण या जलवायु परिवर्तन के कारण वन्यजीवों के लिए भोजन और पानी जैसे प्राकृतिक संसाधनों की कमी से उत्पन्न होती हैं। भारत में मानव-वन्यजीव संघर्ष का समाधान एक बहुमुखी दृष्टिकोण की मांग करता है। मानव अतिक्रमण के अलावा, असम में मानव-हाथी संघर्ष के अन्य कारकों में प्राकृतिक आवास का विखंडन, सीजनल माइग्रेशन पैटर्न और हाथियों के भोजन स्रोतों में बदलाव शामिल हैं। सूखा या बाढ़ जैसे हालात हाथियों को संसाधनों की तलाश में मानव-प्रभावित क्षेत्रों में प्रवेश करने के लिए मजबूर कर सकते हैं। इसके अलावा, शिकार और अवैध वन्यजीव व्यापार भी हाथी की आबादी के लिए गंभीर खतरा बन सक्ता है, जिससे वे असुरक्षित क्षेत्रों में भटकने को मजबूर हो जाते हैं और समाज के साथ तनाव बढ़ जाता है। इस राउंडटेबल का उद्देश्य इन घटनाओं पर जिम्मेदार और सूचित मीडिया रिपोर्टिंग को प्रोत्साहित करना है, ताकि सनसनीखेज प्रस्तुतियों के बजाए रचनात्मक और समाधान-केंद्रित संवाद को बढ़ावा दिया जा सके। प्रमुख संरक्षण विशेषज्ञों और पत्रकारों ने एक साथ मिलकर इस पर चर्चा की कि मीडिया मानव-वन्यजीव संबंधों (एचडब्ल्यूआई) के प्रति जनधारणा को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका कैसे निभा सकते हैं। विशिष्ट वक्ताओं में वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड, इंडिया से डॉ. अनुपम शर्मा, अरण्यक से विभूति लाहकर और डॉ. अलोलिका सिन्हा, कोएग्जस्टेंस कंसोर्टियम से सीमा लोखंडवाला, और आमिर छेत्री तथा द कॉर्बेट फाउंडेशन से आशीष ठाके शामिल थे और मीडिया पेशेवरों ने भी इस चर्चा में भाग लेकर महत्वपूर्ण विचार साझा किया और अपनी चिंताओं को व्यक्त किया। असम तेज़ी से शहरीकरण और पर्यावरणीय दबावों का सामना कर रहा है, ऐसे में सही और गहन दृष्टिकोण प्रस्तुत करने की मीडिया की जिम्मेदारी और भी महत्वपूर्ण हो जाती है। इस राउंडटेबल में यह उजागर किया गया कि जलवायु परिवर्तन मानव-वन्यजीव संबंधों (एचडब्ल्यूआई) को और बढ़ा रहा है, जिससे वन्यजीव मानव बस्तियों के करीब आ रहे हैं और संघर्ष की संभावनाएं बढ़ रही हैं। डॉ. बिभूति प्रसाद लाहकर, कार्यक्रम सचिव, आरोण्यक ने कहा कि पिछले पांच वर्षों में, हमने 300 से अधिक हाथियों की हत्या होते देखी है, जो इस समस्या की गंभीरता को उजागर करता है। जैसे-जैसे अधिक हाथी स्वतंत्र रूप से नहीं चल पा रहे हैं, समस्या और गहरी होती जा रही है। निर्माणाधीन इंफ्रास्ट्रक्चर के साथ, हाथियों के लिए स्थिति और भी खराब हो रही है, और वनों की अंधाधुंध कटाई इसके लिए एक और चुनौती है। जलाशयों का सूखना और भूमि संघर्ष के कारण हाथियों का शिकार इस संघर्ष के मुख्य कारण हैं। मीडिया रिपोर्टिंग आमतौर पर केवल मौत पर ध्यान केंद्रित करती है, लेकिन घावों और उनके दीर्घकालिक प्रभावों पर भी ध्यान देना जरूरी है। इन पहलुओं को भी कवर किया जाना चाहिए, और हमें न्यायपालिका से भी अपेक्षाएं हैं कि वे इन मुद्दों को सुलझाने में अधिक सक्रिय हों। हाथियों को अक्सर उनके आचरण के आधार पर नामित किया जाता है, जैसे *लादेन*, जो उनके विनाशकारी व्यवहार को उजागर करने के लिए होता है, जबकि कुछ हाथियों को *महाराज* जैसे आदर्श नाम दिए जाते हैं। इस तरह के जल्दी नामकरण से धारणाएं अनुचित रूप से आकार ले सकती हैं। मीडिया के पास ऐसे मामलों को संबोधित करते समय तटस्थ भाषा का उपयोग करने का अवसर है, जो एक अधिक संतुलित और विचारशील दृष्टिकोण प्रस्तुत कर सके, कहा कि सीमा लोखंडवाला, कोएग्जस्टेंस कंसोर्टियम 7 डॉ. अनुपम सरमा, असम में ब्रह्मपुत्र परिदृश्य टीम के प्रमुख, वर्ल्ड वाइल्डलाइफ फंड-इंडिया ने कहा कि जबकि पहलें की जा रही हैं और कार्यक्रम चल रहे हैं, स्थिति के पैमाने को देखते हुए आवश्यकता विशाल बनी हुई है और पहुंच सीमित है। तुरंत परिवर्तन नहीं हो सकता, लेकिन सकारात्मक प्रगति धीरे-धीरे हो रही है। सोशल मीडिया महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है - यह नकली खबरों को फैलाकर या रायों को आकार देकर प्रगति में मदद कर सकता है या रोक सकता है। मीडिया को यह सुनिश्चित करने के लिए संगठनों के साथ करीबी सहयोग करना चाहिए कि सही जानकारी साझा की जाए। चूंकि ध्यान केंद्रित करने की अवधि घट रही है, लोग लंबे लेखों की बजाए जल्दी में सामग्री जैसे रील्स के साथ जुड़ने की संभावना रखते हैं। यह सभी हितधारकों के लिए यह आवश्यक है कि वे नकली खबरों और इसके प्रभाव के बारे में जागरूकता फैलाने के प्रयासों को तेज करें। सामूहिक रिपोर्टिंग की आवश्यकता : उपस्थित पत्रकारों ने एचडब्ल्यूआई घटनाओं के दौरान विश्वसनीय स्रोतों तक सीमित पहुंच का मुद्दा उठाया, जिससे जिम्मेदार रिपोर्टिंग जटिल हो जाती है। कार्यक्रम में इस बात पर जोर दिया गया कि घटनाओं के समय सटीक और समय पर जानकारी उपलब्ध कराने के लिए मीडिया और संरक्षण विशेषज्ञों के बीच मजबूत सहयोग आवश्यक है। जैसे-जैसे आवास विनाश और जलवायु परिवर्तन के कारण मानव-वन्यजीव संबंध बढ़ रहे हैं, मीडिया को संघर्ष के बजाए सह-अस्तित्व को बढ़ावा देने वाली कहानियों को प्रस्तुत करने में जिम्मेदार भूमिका निभानी चाहिए। स्थिरता और संरक्षण प्रयासों पर ध्यान केंद्रित करके मीडिया एक ऐसे भविष्य के निर्माण में सहायता कर सकता है जहां समुदाय और वन्यजीव सामंजस्यपूर्ण रूप से सह-अस्तित्व में रहें, पर्यावरण संरक्षण और मानव आवश्यकताओं के बीच की खाई को कम कर सकें।

संपादकीय

दिल्ली चुनावों की संभावनाएं

दिल्ली ने मतदान कर दिया। अब 8 फरवरी को जनादेश घोषित किया जाएगा कि दिल्ली किस पार्टी के पक्ष में है। बुधवार, 5 फरवरी की देर रात तक 60.4 फीसदी मतदान दर्ज किया गया, यह चुनाव आयोग का अधिकृत आंकड़ा है। कुल करीब 1.56 करोड़ मतदाताओं में से 65 लाख से अधिक मतदाताओं ने मतदान ही नहीं किया। दिल्ली जैसे राजधानी महानगर में यह उदासीनता महत्वपूर्ण है। दिल्ली का समूचा विचार और राजनीतिक सोच स्पष्ट नहीं हो पाती। जनादेश भी अधूरा ही रहेगा। दिल्ली सबसे शिक्षित और जागरूक महानगर है। उसके बावजूद चुनाव-प्रक्रिया के प्रति यह उदासीनता भी निराश करती है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी नागरिक अधिकार मताधिकार ही है, जिसके जरिए नागरिक अपने जन-प्रतिनिधि और अपनी सरकार चुनते हैं। हालांकि इस बार का मतदान लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा, लेकिन 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों से पिछड़ा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की सीट नई दिल्ली पर 54.7 फीसदी ही मतदान हुआ। हालांकि इस सीट पर करीब 88 फीसदी हिंदू मतदाता हैं, लेकिन 'आप' और भाजपा के समर्थक हिंदू मतदाता घरों से कम निकले। मुख्यमंत्री आतिशी की सीट कालकाजी भी हिंदू-बहुल है, लेकिन सिर्फ 52 फीसदी ही मतदान किया गया, लेकिन इन सीटों के उलट मुस्लिम-बहुल मुस्तफाबाद, सीलमपुर, शाहीन बाग सरीखी सीटों पर बंपर मतदान किया गया, लेकिन वह भी 70 फीसदी से कम रहा। जहां 2020 में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, वहां मुसलमानों ने सबसे ज्यादा मतदान किया। हालांकि दिल्ली एक अद्र्धराज्य है, संघशासित क्षेत्र भी है, लेकिन 'मिनी इंडिया' भी है, क्योंकि देश भर से लोग यहां पढने, काम करने और एक बेहतर भविष्य के लिए आते हैं। दिल्ली के जनादेश की प्रतिध्वनि देश भर में गूंज सकती है। राजधानी शहर में बीते 12 साल से 'आप' की सत्ता है, उससे पहले 15 साल कांग्रेस ने शासन किया, लिहाजा भाजपा 27 साल से 'वनवास' झेल रही है। इस बार 'आप' और भाजपा की राजनीति दांव पर है। मतदान के बाद 10 एग्जिट पोल के अनुमान सामने आए हैं, जिनमें से 8 भाजपा और सिर्फ 2 'आप' की सत्ता के पक्ष में हैं। एग्जिट पोल एक वैज्ञानिक, प्रयोगिक सर्वेक्षण-पद्धति है, लेकिन बीते एक अंतराल से भारत में सभी पोल गलत रहे हैं। हाल ही में हरियाणा, महाराष्ट्र, झारखंड राज्यों के विधानसभा चुनावों के अनुमान भी गलत साबित हुए हैं। लोकसभा चुनाव के अनुमान भी धराशायी हो गए, लिहाजा कहा नहीं जा सकता कि जनादेश 'आप' या भाजपा के पक्ष में रहेगा। लेकिन जो भी जनादेश मिलेगा, वह ऐतिहासिक ही होगा। केजरीवाल और 'आप' का राजनीतिक उदय भ्रष्टाचार-विरोधी आंदोलन से हुआ था, लेकिन आज उन्हीं के चेहरों पर खरोंचे हैं। पार्टी के शीर्ष नेता-केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, संजय सिंह-जेल जा चुके हैं और फिलहाल जमानत पर बाहर हैं, लेकिन अदालत में उनका अपराध अभी साबित होना है। जनता कुछ संदेह कर रही है और कुछ सवाल भी हैं, शायद इसीलिए केजरीवाल, आतिशी, सिसोदिया की सीटें फंसी हुई हैं। वे चुनाव हार भी सकते हैं। दिल्ली का प्रदूषण, गंदा पानी, प्रदूषित हवा, टूटी-फूटी सडक़ें, शराब घोटाला, प्रदूषित यमुना आदि चुनावी मुद्दे बनते चले गए, जिनका नुकसान 'आप' को होता लगता है। यदि केजरीवाल और 'आप' चुनाव हार जाते हैं, तो पार्टी में बिखराव हो सकता है, क्योंकि 'आप' काडर आधारित पार्टी नहीं है। यदि केजरीवाल चुनाव जीत जाते हैं, तो उनका राजनीतिक ब्रांड मजबूत होगा।

दिल्ली सबसे शिक्षित और जागरूक महानगर है। उसके बावजूद चुनाव-प्रक्रिया के प्रति यह उदासीनता भी निराश करती है। लोकतंत्र का सबसे महत्वपूर्ण और बुनियादी नागरिक अधिकार मताधिकार ही है, जिसके जरिए नागरिक अपने जन-प्रतिनिधि और अपनी सरकार चुनते हैं। हालांकि इस बार का मतदान लोकसभा चुनाव से बेहतर रहा, लेकिन 2015 और 2020 के विधानसभा चुनावों से पिछड़ा रहा है। पूर्व मुख्यमंत्री एवं आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल की सीट नई दिल्ली पर 54.7 फीसदी ही मतदान हुआ। हालांकि इस सीट पर करीब 88 फीसदी हिंदू मतदाता हैं, लेकिन 'आप' और भाजपा के समर्थक हिंदू मतदाता घरों से कम निकले। मुख्यमंत्री आतिशी की सीट कालकाजी भी हिंदू-बहुल है, लेकिन सिर्फ 52 फीसदी ही मतदान किया गया, लेकिन इन सीटों के उलट मुस्लिम-बहुल मुस्तफाबाद, सीलमपुर, शाहीन बाग सरीखी सीटों पर बंपर मतदान किया गया, लेकिन वह भी 70 फीसदी से कम रहा। जहां 2020 में सांप्रदायिक दंगे हुए थे, वहां मुसलमानों ने सबसे ज्यादा मतदान किया।

पाकिस्तान से निकलने के लिए टीटीपी यानी तहरीके तालिबान पाकिस्तान का गठन किया हुआ है

पाकिस्तान के अस्तित्व का प्रश्न

कुलदीप चंद अग्निहोत्री

सरकार का कहना है कि पाकिस्तान के लोगों को कश्मीर के साथ एकजुटता का प्रदर्शन करना है जो शहबाज शरीफ के अनुसार पाकिस्तान में शामिल होने के लिए तड़प रहे हैं, लेकिन भारत सरकार उन्हें जबरदस्ती भारत में रखे हुए है। जब पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रही थी कि कश्मीरी पाकिस्तान में मिलने के लिए छटपटा रहे हैं, उन्हीं दिनों पाकिस्तान में रहने वाले बलोच और पश्तून पाकिस्तान से अलग होने की कोशिश में मशगूल थे।

तीन-चार दिन पहले पाकिस्तान सरकार ने सार्वजनिक छुट्टी की थी। सरकार का कहना है कि पाकिस्तान के लोगों को कश्मीर के साथ एकजुटता का प्रदर्शन करना है जो शहबाज शरीफ के अनुसार पाकिस्तान में शामिल होने के लिए तड़प रहे हैं, लेकिन भारत सरकार उन्हें जबरदस्ती भारत में रखे हुए है। जब पाकिस्तान सरकार पाकिस्तान के लोगों को यह विश्वास दिलाने की कोशिश कर रही थी कि कश्मीरी पाकिस्तान में मिलने के लिए छटपटा रहे हैं, उन्हीं दिनों पाकिस्तान में रहने वाले बलोच और पश्तून पाकिस्तान से अलग होने की कोशिश में मशगूल थे। बलोचिस्तान के लोगों ने इस काम के लिए बीएलए यानी बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी बना रखी है। इसी प्रकार पश्तूनों ने पाकिस्तान से निकलने के लिए टीटीपी यानी तहरीके तालिबान पाकिस्तान का गठन किया हुआ है। ये दोनों संगठन अपने स्वभाव और प्रकृति के अनुरूप ही अपना मुकाम हासिल करने के लिए हथियारों का इस्तेमाल करते हैं। बलोचों को यह अंदेशा हो गया है कि पाकिस्तान सरकार बलोचिस्तान को परोक्ष रूप से चीन के हवाले करने जा रही है। दरअसल इस्लामाबाद ने बलूचिस्तान में गवादर बंदरगाह एक प्रकार से चीन के हवाले की हुई है। इसलिए उस इलाके में बलोच कम और चीनी ज्यादा दिखाई देने लगे हैं। ये चीनी सैनिक और चीनी इंजीनियर इत्यादि बलोचों से तिरस्कार से बात करते हैं। बलोच लिबरेशन आर्मी समय-स्थान देखकर पाकिस्तानी सेना पर हमला करती रहती है। लेकिन जिन दिनों पाकिस्तान कश्मीरियों को पाकिस्तान में शामिल होने के लिए प्रेरित कर रहा था, उन्हीं दिनों बलोच नौजवान कलात में घात लगा कर पाकिस्तानी सेना के लोगों का इंतजार कर रहे थे। घात लगा कर किए इस हमले में पाक सेना के 18 सैनिक तो मौके पर ही मारे गए, यह सूचना है। बहुत से सैनिक घायल भी हुए। इसके दूसरे दिन ही पश्तूनों के सूबे खैबर पख्तूनखवा में बलूचिस्तान के चार सरकारी कर्मचारियों की डेरा ईसमाईल खान में हत्या कर दी गई। यह माना जा रहा है कि यह

टीटीपी का कारनामा है। पश्तून और बलोचों का गुस्सा पंजाबियों के खिलाफ है। पाकिस्तान में बलोच, सिंधी और पश्तून यह मान कर चलते हैं कि पाकिस्तान का अर्थ असल मायने में पंजाबी जाटों, राजपूतों और सैयदों का देश है। इनके देश में बाकी बिरादरियां मसलन सिंधी, बलोच और पश्तून दोयम दर्जे के नागरिक ही हैं। सिंध, बलूचिस्तान और खैबर पख्तूनखवा के प्राकृतिक संसाधनों का उपयोग पंजाब के लोग करते हैं और बाकी बिरादरियों का पंजाबियों द्वारा शोषण किया जाता है। सिंधियों का 'जिए सिंध' अहिंसक है, लेकिन बलोचों और पश्तूनों का आंदोलन उनकी परंपरा के अनुसार 'बंदूक का आंदोलन' है। पहले पहल बीएलए और टीटीपी अलग-अलग आंदोलन चलाते थे। पाकिस्तान सरकार को शक है कि पिछले कुछ समय से ये दोनों आपसी तालमेल बढ़ा रहे हैं और आपसी सहयोग से ही निशाना चुनते हैं और उसे अंजाम देते हैं। पाकिस्तान की चिंता का एक दूसरा कारण भी है। खैबर पख्तूनखवा (केपी) के पश्तून लड़ाकों को अफगानिस्तान में तीन साल पहले बनी पश्तूनों की सरकार भी मदद कर रही है। पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में सर्जिकल स्ट्राइक करके काबुल को डराने और धमकाने की कोशिश की। लेकिन लम्बे अरसे तक रूस और अमेरिका की फौजों से लड़ते लड़ते पश्तून इस स्ट्राइक से और भी उग्र हो गए और उन्होंने पाकिस्तान के भीतर घुस कर पाक सरकार को चुनौती दी। अकेले बलोचिस्तान में ही पिछले एक महीने में बलोच नौजवानों ने 24 बार अलग अलग स्थानों पर पाकिस्तानी सेना की टुकडिय़ों पर हमले किए जिनमें ग्यारह पाकिस्तानी सैनिक मारे गए। जहां तक हथियारों का प्रश्न है, कहा जाता है कि काबुल छोड़ते समय अमेरिकी सेना हथियारों के जो जखीरे छोड़ गई थी, उसका कुछ हिस्सा टीटीपी के हाथ भी लग गया है। अब प्रश्न उठता है कि जिस पाकिस्तान में पंजाबी जाटों, सैयदों को छोड़ कर शेष बचे सिंधी, बलोच और पश्तून भी रहना नहीं चाहते, वहां भला कश्मीरी क्या करने जाएगा? इतना ही नहीं, वहां से निकलने के लिए बलोच और पश्तून तो बंदूक लेकर पाकिस्तानी सेना से लगातार लड़ रहे हैं। वहां कश्मीरी की क्या हैसियत होगी? लेकिन पाकिस्तान की सरकार, जिसको बलोच और पश्तून आम तौर पर पाकिस्तान की सरकार नहीं कहते बल्कि पंजाबियों और सैयदों की सरकार ही कहते हैं, कश्मीरियों को पाकिस्तान में आने के लिए निमंत्रण दे रही है। अब इसकी चर्चा कश्मीर के उस हिस्से में भी होने लगी है, जो 1947 से ही पाकिस्तान के कब्जे में बना हुआ है। इनमें सबसे महत्वपूर्ण गिलगित और बलतीस्तान ही हैं। बलतीस्तान का एक हिस्सा कारगिल को 1947 में ही भारतीय सेना ने छुड़ा लिया था, लेकिन उसका शेष विशाल हिस्सा पाकिस्तान सरकार के कब्जे में ही रहा। पाकिस्तानी सेना ने 1999 में कारगिल पर एक बार फिर कब्जा करने की कोशिश की, लेकिन उसे सफलता नहीं मिली। गिलगित में से चीन सरकार सडक़ बना रही है, इसलिए वहां चीनी सैनिकों एवं अन्य चीनी कर्मियों का जमावड़ा बना रहता है। गिलगित के दरद और बलतीस्तान के बलती पाकिस्तान सरकार द्वारा किए जा रहे सौतेले व्यवहार से त्रस्त होकर पिछले कुछ वर्षों से संगठित होने लगे हैं, ऐसी सूचना है। वे भी पाकिस्तान सरकार के खिलाफ किसी न किसी रूप में लामबंद होने लगे हैं। पाकिस्तान सरकार इन इलाकों की किसी न किसी तरह पहचान समाप्त करने की कोशिश में लगी रहती है। उसने हजारा और चित्राल को तो केपी में ही मिला दिया है।

दृष्टि कोण

प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों को वजीफा तो दो

सरकारें प्रतिभाशाली खिलाडिय़ों को सीधा वजीफा क्यों नहीं दे सकती हैं? हिमाचल प्रदेश के कुछ एथलीट हैं जो 2026 की एशियाई खेलों में देश के लिए खेल कर पदक दे सकते हैं। उनमें सावन और दिनेश सेना व सीमा भी राष्ट्रीय कैंप में रह कर राष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। सीमा ने इस खत्म हुए प्रतियोगिता कलैंडर में एशियाई क्रास कंट्री का व्यक्तिगत स्वर्ण पदक भारत की झोली में डाला है। दूसरी तरफ कुछ उभरते हुए जूनियर एथलीट हैं जो विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं में अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। पिछले सत्र गोहाटी में आयोजित खेलो इंडिया अंतर विश्वविद्यालय एथलेटिक्स में राजकीय महाविद्यालय मंडी की धाविका कुसुम ठाकुर ने सौ मीटर की फर्राटा दौड़ में रजत व दो सौ मीटर में स्वर्ण पदक जीत कर हिमाचल का नाम रोशन किया है। हमीरपुर के सरकारी महाविद्यालय की धाविका प्रिय ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ में कांस्य पदक जीता है। हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय की चार गुणा चार सौ मीटर दौड़ में भी लड़कियों ने कांस्य पदक जीता है। इस वर्ष पंजाब विश्वविद्यालय की एथलेटिक्स चैंपियनशिप में हमीरपुर की मनीषा ठाकुर ने चार सौ मीटर की दौड़ को 53.1 सैकंड में दौड़ कर स्वर्ण पदक जीता है, मगर अंतर विश्वविद्यालय प्रतियोगिता में वह फाइनल तक ही पहुंच पाई है। इस सत्र में भी धर्मशाला कालेज की स्मृति जमवाल ने तेज गति की दौड़ों में हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय को पदक जीते हैं। इन सब उभरती धाविकाओं को नौकरी व वजीफे की सख्त जरूरत है। तेज गति की दौड़ों में हिमाचल के खिलाडिय़ों का प्रदर्शन पहले कमजोर ही रहा है। यह अलग बात है कि पुष्पा ठाकुर ने जरूर इस मिथक को तोडक़र भविष्य के एथलीटों को राह दिखाई है। इसके बाद फिर हमीरपुर कालेज की प्रोमिला व ज्योति ने अंतर विश्वविद्यालय स्तर पर पदक जीते हैं। मानव शरीर ईश्वर द्वारा बनाई गई बहुत ही अद्भुत मशीन है। इसे चलाने के लिए भी ईंधन की जरूरत होती है। मानव शरीर के ऊर्जा चक्र को समझने के लिए हमें एटीपी से लेकर सीपीए लैक्टिक एसिड, शरीर से ऑक्सीजन की उधारी व सांस द्वारा ऑक्सीजन का फेफड़ों में पहुंच कर खून के साथ मिलकर फिर सैल तक पहुंच कर शरीर को गतिशील बनाए रखने का गहन अध्ययन जरूरी है। सौ से लेकर चार सौ मीटर की दौड़ों को तेज गति में गिना जाता है। गति ही सभी स्पर्धाओं व खेलों की जीत का मूल मंत्र है। यह खिलाड़ी में जन्मजात होती है। प्रशिक्षण द्वारा भी इसमें बहुत ही कम, एक उम्र तक विकास होता है। ओलंपिक खेलों में विभिन्न खेलों की कई स्पर्धाएं आयोजित होती हैं, मगर एथलेटिक्स का आकर्षण सबसे अधिक होता है। ओलंपिक में जो धावक सौ मीटर की दौड़ में विजेता बनता है, वह पृथ्वी का तीव्रतम इनसान बनता है। सौ मीटर की दौड़ का अद्भुत रोमांच होता है। हिमाचल प्रदेश में तेज गति के बहुत कम धावक व धाविकाएं आज तक सामने आए हैं। सौ मीटर से लेकर चार सौ मीटर की स्पर्धाओं को स्परिंट यानी तेज गति की दौड़ों में रखा है। इन स्पर्धाओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए जहां जन्मजात स्पीड चाहिए होती है, वहीं पर बहुत अधिक स्पीड, इंडोरैंस व स्ट्रैंथ ट्रेनिंग की जरूरत होती है। जहां उच्च कोटि का प्रोटीन आम आदमी को आसानी से उपलब्ध होता है, वहीं के लोगों में अच्छी स्पीड जन्म से ही होती है। स्पीड को बहुत छोटी उम्र से ही विकसित करना पड़ता है। इसलिए स्पीड पर प्रशिक्षण दस वर्ष से भी कम आयु में शुरू करना पड़ता है। अगले पांच सालों में स्पीड अपने उच्च स्तर तक विकसित हो जाती है। यह भी कहा जाता है कि स्परिंटर पैदा होते हैं, बनाए नहीं जाते। भारत के अधिकतर स्परिंटर समुद्र तट से संबंध रखते हैं। मछली इन लोगों का मुख्य आहार है। मछली में अच्छी गुणवत्ता का प्रोटीन मिलता है। उत्तर भारत में शाकाहारी अधिक हैं, मगर गेहूं, दूध व उससे बने पदार्थों में भी अच्छी क्वालिटी का प्रोटीन मिलता है। यह भी कारण है कि पंजाब, हरियाणा व पश्चिमी उत्तर प्रदेश से भी समय-समय पर अच्छे स्परिंटर मिलते रहते हैं। हिमाचल प्रदेश से वरिष्ठ राष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पुष्पा ठाकुर ही एक मात्र धाविका है जो हिमाचल प्रदेश के लिए राष्ट्रीय स्तर पर 400 मीटर में पदक विजेता है। एशिया व ओलंपिक खेलों के राष्ट्रीय प्रशिक्षण शिविरों तक पहुंचने वाली इस धाविका के बाद अभी तक कोई भी पुरुष या महिला हिमाचल प्रदेश के लिए वरिष्ठ राष्ट्रीय स्तर पर पदक जीत नहीं पाया है। भविष्य में उभरते हुए कुसुम, प्रिया, स्मृति व मनीषा आदि तेज गति के एथलीट हैं। लंबी दूरी की दौड़ों में सीमा व सावन आज राष्ट्रीय व अंतराष्ट्रीय स्तर पर अच्छा प्रदर्शन कर रहे हैं। इन सब एथलीटों को, जो हिमाचल से पलायन कर गए हैं और जो हिमाचल में रह कर ट्रेनिंग कर रहे हैं, हिमाचल सरकार सम्मानजनक नौकरी दे तथा इन सभी एथलीटों को 2026 खेलों तक वजीफा भी दे। इस स्तर पर अपना अभ्यास जारी रखने के लिए महीने में पचास हजार रुपए चाहिए होते हैं। जो नौकरी में हैं वो तो बहुत कठिनाई से अपने वेतन से कुछ न कुछ जुगाड़ कर लेते हैं, मगर जो विद्यार्थी व बेरोजगार हैं, वे कैसे अपना अभ्यास जारी रखें, यह हिमाचल सरकार को सोचना होगा। क्या प्रदेश सरकार कुछ उपकार इन प्रतिभाशाली एथलीटों पर करेगी ताकि वे फ्री माईंड होकर अपना प्रशिक्षण जारी रख सकें। खिलाड़ी बनाए नहीं जाते हैं, वे जन्म से ही अलग होते हैं। लाखों बच्चों में कोई एक प्रतिभाशाली एथलीट मिलता है।

कुछ अलग

कथा हमारे समाजवाद की

पिछले दिनों जंगल की एक सुनसान पगडंडी से गुजर रहा था। यकायक किसी के कराहने की आवाज सुनाई दी। चौंक कर इधर उधर देखा, परंतु कोई दिखाई नहीं दिया। फिर जिस ओर से आवाज आ रही थी, उस दिशा में चला तो आवाज एक गहरे अंधे कुएं में से आ रही थी। मैंने कुएं में झांका तो न पानी था न कुछ दिखाई देता था। गहरा और अंधेरा छाया हुआ था। मैंने कहा.. 'कौन है?' वह जोर से कराहने लगा, मैंने फिर पूछा-'क्या हुआ है तुम्हें?' अबकी बार वह बोला-'मुझे बाहर निकाल दो इस अंधे कुएं से। तुम्हारा एहसास जीवन भर नहीं भूलूंगा। वे लोग मुझे यहां डाल गए हैं।' 'कौन लोग?' 'वे चार लोग थे। धोती-कुर्ता और टोपी लगाए थे। मुझे पता नहीं वे थे तो कौन, पर लोग उन्हें नेताजी कहा करते थे। सरकारी कागजों में उल्लेख होने लगा और अब मेरी महत्ता की मांग हुई थी तो वे लोग मुझे यहां डाल गए। बीस वर्षों से मैं यहां भूखा-प्यासा पड़ा बिलख रहा हूं।' वह बोला। 'लेकिन तुम हो कौन?' मैंने पूछा। 'मैं समाजवाद हूं।' उसने उत्तर दिया। 'समाजवाद, तुम यहां पड़े हो। लोग तुम्हें ढूंढ-ढूंढ कर थक गए हैं। अभी-अभी सरकार ने फिर तुम्हारा नारा दिया है कि वह देश में समाजवाद लाकर रहेगी। परंतु तुम तो यहां पड़े सड़ रहे हो।' 'मैं फिर कहता हूं भले आदमी। तुम मुझे बाहर निकालो, वरना सरकार तो जनता को पहले की तरह बेवकूफ बनाती रहेगी। केवल मेरी बातें की जाती रहेंगी। मेरी स्थापना के लिए कुछ नहीं किया जाएगा। चुनाव जीतने के तथा मन जीतने के स्टंट भर हैं ये बातें। तुम्हें पता है गरीबी हटाओ के नारे का क्या हश्र हुआ? वह नारा सरकारी कागजों के आंकड़ों में तथा नेताओं के भाषण में अवश्य रह गया है। परंतु वास्तविकता यह है कि वह भी पास ही के एक दूसरे कुएं में पड़ा दम तोड़ रहा है। यदि तुम मुझे निकाल सको तो मैं सरकार की कलई जनता के सामने खोल कर उसको नंगा कर सकता हूं।' वह गिड़गिड़ाया। मैं अचकचा गया और बोला-'ऐसी स्थिति में मैं तुम्हें कैसे निकाल सकता हूं। जब सरकार के लोग ही तुम्हें इस कुएं में डाल गए हैं तो मैं तुम्हें निकाल कर राजद्रोह व देशद्रोह का आरोप अपने माथे क्यों कर लूं?' 'मैं सच कहता हूं, तुम्हारा नाम कदापि नहीं लूंगा। भाई मेरे, अब ज्यादा दिन इस कुएं में जिंदा नहीं रह सकूंगा। जनहित के लिए तुम्हें कोई तो एक नेक कार्य करना ही चाहिए।' 'वे लोग नेकी कर कुएं में डाल गए हैं। मैं तुम्हें निकाल कर जेल की हवा खाऊं, तब मेरा क्या होगा? तुम तो स्वतंत्र हुए और मैं जाऊं जेल में।' मैंने कहा। 'तुम समझते क्यों नहीं भारत के भोले नागरिक। जहां मेरा राज है, पता है लोगों ने वहां किस तरह बलिदान दिए हैं। हजारों लोग सामंती और तानाशाही शक्तियों के हाथों कलम हुए हैं। तुम्हें फकत मेरे निकालने पर एतराज है?' समाजवाद ने मुझे समझाया। मैंने कहा-'लेकिन मुझे लाभ क्या होगा?' 'लाभ तो तुम्हें ही होगा। मुझे कुछ नहीं मिलेगा, सिवाय मान-सम्मान के। मैं केवल अस्तित्व को बचाए रखने के लिए बाहर आना चाहता हूं।' 'अस्तित्व तो तुम्हारा है। सरकार ने अभी तुम्हें स्वीकार किया है और देश के हाईकमान आजकल तुम्हारा जिक्र फिर आम सभाओं में करने लगे हैं।' 'जब तुम वास्तविकता से परिचित हो तो तुम्हें मुझे बाहर निकाल कर जनता के लिए सेवा करनी चाहिए।' वह बोला।

देश दुनीया से

प्लास्टिक के खतरों से निपटने का कारगर विकल्प

चावल दुनियाभर में सबसे अधिक उगाया और खाया जाने वाला अनाज है। इसके प्रसंस्करण के दौरान बड़ी मात्रा में कृषि अवशेष, जैसे धान की भूसी और पराली, निकलते हैं। आमतौर पर इनका कोई विशेष उपयोग नहीं होता और कई बार किसान इन्हें जलाने के लिए मजबूर हो जाते हैं, जिससे वायु प्रदूषण बढ़ता है। दिसम्बर-जनवरी के महीनों में दिल्ली और इसके आसपास के इलाकों में वायु प्रदूषण खतरनाक स्तर तक पहुंच जाता है। वैज्ञानिकों ने इस कृषि कचरे का उपयोग बायोडिग्रेडेबल प्लास्टिक बनाने में करना सीख लिया है, जिससे न केवल कृषि कचरे का पुनर्चक्रण होता है, जो पर्यावरण के लिए फायदेमंद है, बल्कि इससे किसानों की आय भी बढ़ सकती है और उद्योगों के लिए एक नया लाभकारी अवसर उत्पन्न हो सकता है। पारंपरिक प्लास्टिक कचरे की समस्या यह है कि यह पर्यावरण में आसानी से नष्ट नहीं होता और धीरे-धीरे छोटे कणों में टूटकर माइक्रोप्लास्टिक में बदल जाता है। यही माइक्रोप्लास्टिक हमारे पानी, भोजन और यहां तक कि हवा में भी मिल चुके हैं, जो स्वास्थ्य के लिए गंभीर खतरा बन सकते हैं। शोध बताते हैं कि हर साल लाखों टन प्लास्टिक महासागरों में पहुंच जाता है, जिससे समुद्री जीव-जंतुओं को भारी नुकसान होता है। इसके अलावा, प्लास्टिक बनाने की प्रक्रिया में ग्रीनहाउस गैसों का उत्सर्जन होता है, जिससे जलवायु परिवर्तन की समस्या और गंभीर हो जाती है। पारंपरिक प्लास्टिक की रिसाइक्लिंग भी पूरी तरह से प्रभावी नहीं है, क्योंकि अधिकांश प्लास्टिक या तो लैंडफिल में चला जाता है या जलाए जाने पर हानिकारक गैसें उत्पन्न करता है। बायोप्लास्टिक प्राकृतिक रूप से विघटित हो सकते हैं और पर्यावरण को नुकसान नहीं पहुंचाते। इन्हें जैविक स्रोतों से बनाया जाता है, जैसे मक्का, गन्ना और अब चावल। चावल से बने बायोप्लास्टिक में मुख्य रूप से स्टार्च और सेल्यूलोज का इस्तेमाल होता है। चावल के स्टार्च को कुछ प्राकृतिक पदार्थों, जैसे ग्लिसरॉल, के साथ मिलाकर एक लचीला और टिकाऊ प्लास्टिक तैयार किया जाता है। इसके अलावा, चावल की भूसी से सेल्यूलोज निकाला जाता है, जिसे आगे की प्रक्रिया में तैयार करके मजबूत बायोप्लास्टिक बनाया जा सकता है। वैज्ञानिकों ने चावल के अवशेषों से पॉलीहाइड्रॉक्सीएल्केनोएट्स (पीएचए) नामक एक जैविक पॉलिमर बनाने की तकनीक विकसित की है, जो पूरी तरह से बायोडिग्रेडेबल है। यह पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत होता है लेकिन कुछ महीनों में ही प्राकृतिक रूप से विघटित हो जाता है। चावल-आधारित बायोप्लास्टिक का उपयोग कई उद्योगों में किया जा सकता है, जिससे यह पारंपरिक प्लास्टिक का व्यावहारिक विकल्प बन सकता है। खाद्य पैकेजिंग में, बायोप्लास्टिक से बने कंटेनर और रैपिंग मैटेरियल खाद्य उत्पादों की ताजगी बनाए रखते हैं और प्लास्टिक कचरे को कम करते हैं। कृषि क्षेत्र में, बायोडिग्रेडेबल मल्चिंग फिल्म मिट्टी की नमी बनाए रखने और खरपतवार नियंत्रण में सहायक होती है। चिकित्सा उपकरणों में, सर्जिकल सुई, खुद से पिघलने वाले टांके और दवा वितरण प्रणालियों में इसका उपयोग बढ़ रहा है। उपभोक्ता उत्पादों में, बायोडिग्रेडेबल कटलरी, डिस्पोजेबल कप और खिलौनों के निर्माण में भी बायोप्लास्टिक का उपयोग बढ़ रहा है। इसी तरह, टेक्सटाइल और फैशन उद्योग में, बायोपॉलिमर से बने जैविक कपड़े पर्यावरणीय प्रभाव को कम करने में मदद कर सकते हैं। थ्रीडी प्रिंटिंग में, बायोप्लास्टिक एडिटिव मैन्युफैक्चरिंग में एक टिकाऊ विकल्प बन रहा है। हालांकि, चावल-आधारित बायोप्लास्टिक के कई फायदे हैं, लेकिन इसे बड़े पैमाने पर अपनाने में कुछ बाधाएं भी हैं। फिलहाल इसकी उत्पादन लागत पारंपरिक प्लास्टिक की तुलना में महंगी है। कुछ बायोप्लास्टिक पारंपरिक प्लास्टिक की तरह मजबूत नहीं होते। इन्हें पूरी तरह विघटित होने के लिए सही परिस्थितियों की आवश्यकता होती है। यदि बायोप्लास्टिक उत्पादन के लिए खाद्यान्न आधारित कच्चे माल का उपयोग बढ़ता है, तो इससे खाद्य सुरक्षा पर भी असर पड़ सकता है। इसके बावजूद, बायोप्लास्टिक की प्रगति में अपार संभावनाएं हैं, जिसके चलते इसका वैश्विक बाजार तेजी से बढ़ रहा है। यूरोपीय देशों ने इस तकनीक को अपनाने में अग्रणी भूमिका निभाई है। भारत में भी सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने की दिशा में कदम उठाए जा रहे हैं, जिससे बायोप्लास्टिक के लिए एक बड़ा अवसर पैदा हो सकता है। अगर चावल-आधारित बायोप्लास्टिक के उत्पादन को बढ़ावा दिया जाए और अनुसंधान को प्रोत्साहित किया जाए, तो यह प्लास्टिक प्रदूषण से निपटने का एक महत्वपूर्ण समाधान बन सकता है। यदि, चावल-आधारित बायोप्लास्टिक को बड़े पैमाने पर अपनाया जाता है, तो यह पारंपरिक प्लास्टिक का एक बेहतर विकल्प बन सकता है। यदि इस तकनीक को प्रोत्साहित किया जाए और इसके विकास में निवेश बढ़ाया जाए, तो निश्चित ही यह हरित और स्वच्छ भविष्य के हमारे सपने को साकार करने में सहायक सिद्ध होगा।

आप का नजरीया

जबरन वापसी

यह विडंबना ही है कि पूरे विश्व को लोकतांत्रिक मूल्यों, मानव अधिकारों व आदर्श जीवन मूल्यों की नसीहत देने वाले अमेरिका ने विभिन्न देशों के कथित अवैध प्रवासियों को उनके देश भेजने की कार्रवाई को बलपूर्वक अंजाम दिया है। सुनहरे सपनों की आस में घर-खेत दांव पर लगाकर व एजेंटों को लाखों रुपये देकर अमेरिका पहुंचे युवाओं ने सपने में नहीं सोचा होगा कि उन्हें अपराधियों की तरह वापस उनके देश भेजा जाएगा। ये हमारे नीति-नियंताओं की विफलता ही है कि हमारी युवा शक्ति दुनिया के विभिन्न देशों में लुट-पिटकर अपमानजनक स्थितियों का सामना कर रही है। कभी उन्हें पूर्वी एशिया के देशों में साइबर अपराधी बंधक बनाकर ऑनलाइन धोखाधड़ी को अंजाम देते हैं, तो कभी उन्हें धोखे से बिचौलिए रूसी सेना में भर्ती करवा देते हैं। कभी उन्हें इस्राइल-हमास के भयावह युद्धग्रस्त इलाके में काम की तलाश में पहुंचा दिया जाता है। लाखों भारतवंशियों ने अपनी मेधा व पसीने से अमेरिका की प्रतिष्ठा पर चार-चांद लगाए हैं। अंतरिक्ष में इतिहास रचने वाली कल्पना चावला से लेकर भारतवंशी कमला हैरिस, जिन्होंने अपनी प्रतिभा से अमेरिका में उपराष्ट्रपति पद तक हासिल किया। यह विडंबना ही है कि मूलतः प्रवासियों द्वारा बसाये देश अमेरिका में आज सेना के बल पर बेहतर भविष्य की तलाश में आए प्रवासियों को खदेड़ा जा रहा है। मैक्सिको की सीमा पर दीवार खड़ी करके सेना तैनात की जा रही है। यह विडंबना ही कि प्रधानमंत्री मोदी की वाशिंगटन यात्रा से कुछ दिन पहले एक अमेरिकी सैन्य विमान से दो सौ से अधिक कथित अवैध भारतीय प्रवासियों को जबरन वापस भारत लाया गया है। निश्चित रूप से संकीर्णतावादी सोच का पक्षधर ट्रंप प्रशासन दुनिया की पांचवीं सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाले देश भारत के साथ वैसा व्यवहार नहीं कर सकता जैसा कि वह अल साल्वाडोर, ग्वाटेमाला, होंडुरास, पेरू के प्रवासियों के साथ कर रहा है। हालांकि, एक अध्ययन में दावा किया गया है कि भारत, अमेरिका में गए सर्वाधिक अवैध अप्रवासियों वाले देशों में शुमार है। निश्चित रूप से प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा से पूर्व जबरन की गई 'निर्वासन उड़ान' विसंगतियों व विडंबनाओं की ही घोतक है। हालांकि, भारत ने कूटनीतिक प्रयासों से अवैध अप्रवासन पर समयानुकूल निर्णय लेकर दोनों देशों में संबंध सामान्य बनाने का प्रयास किया। दरअसल, अमेरिका की हालिया यात्रा के दौरान विदेश मंत्री एस जयशंकर ने जमीनी स्तर पर बेहतर कूटनीतिक प्रयास किये। उन्होंने ट्रंप प्रशासन को इस बात को लेकर आश्वस्त किया कि भारत अपने भटके हुए नागरिकों की वैध वापसी के लिये तैयार है। निस्संदेह, भारत ने समझदारी से टकराव टालने का सार्थक प्रयास किया ताकि मोदी-ट्रंप की मुलाकात से पहले दोनों देशों के संबंधों में कड़वाहट न घुले। निश्चय ही तुनक मिजाज ट्रंप व उनके प्रशासन से इस मुद्दे पर अड़ने में कोई समझदारी भी नहीं थी। ऐसी ही स्थिति पर कोलम्बिया के राष्ट्रपति गुस्तावो पेट्रो द्वारा अपने प्रवासी नागरिकों से भरे अमेरिकी सेना के जहाज को न उतरने देने की घोषणा करके अपने लिए अपमानजनक स्थितियां पैदा कर दी थी। पहले उन्होंने निर्वासित लोगों को ले जाने वाली सैन्य उड़ानों को स्वीकार करने से मना कर दिया था।

सूरजकुंड मेला देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक : अरविंद कुमार शर्मा

हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री ने किया मेले का अवलोकन, शिल्पकारों से हुए रूबरू

फरीदाबाद (हिंस)। हरियाणा के विरासत एवं पर्यटन मंत्री अरविंद कुमार शर्मा ने शुक्रवार को मेला के शुभारंभ उपरांत धर्मपत्नी डॉ. रीटा शर्मा के साथ मेला परिसर का दौरा किया और यहां पर लगाई गई देश भर के विभिन्न राज्यों से आए शिल्पकारों द्वारा लगाई गई स्टालों का अवलोकन किया। उन्होंने कहा कि मेले के माध्यम से देश विदेश की सांस्कृतिक विरासत का भी आदान-प्रदान होगा। निरीक्षण के दौरान पर्यटन मंत्री शिल्प कारों से रूबरू हुए। पर्यटन मंत्री डॉक्टर शर्मा ने इस दौरान मेला परिसर में गोवा राज्य द्वारा लगाई गई अपनी प्रदर्शनी का अवलोकन किया । यहां पर कलाकारों ने लैंप डांस की प्रस्तुति से पर्यटन मंत्री का स्वागत किया। उन्होंने बीमस्टेक में शामिल देशों की प्रदर्शनी का भी अवलोकन किया। उन्होंने स्टालों पर शिल्पकारो से बातचीत की और कहा कि मेला में किसी भी शिल्पकार को किसी प्रकार की कोई परेशानी नहीं होने दी जाएगी। सरकार कला और संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए प्रतिबद्ध है। मेला में बंचारी का नगाड़ा बजा कर किया खुशी का इजहारअवलोकन के दौरान सांस्कृतिक पार्टी ने जोरदार स्वागत किया इस दौरान पर्यटन मंत्री ने श्याम नगाड़ा बजाकर कलाकारों का हौसला बढ़ाया और खुशी का इजहार किया उन्होंने कहा कि यह हमारे देश की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत का प्रतीक है। उन्होंने कहा कि ऐसे आयोजन सांस्कृतिक विरासत को संजोए रखने का काम करते हैं। उन्होंने कहा कि इससे युवा पीढ़ी को देश में प्रदेशों की विविध सांस्कृतिक धरोहर से रूबरू होने का मौका मिलेगा। उन्होंने कहा कि वर्ष 1987 से लगातार आयोजित हो रहा सूरजकुंड मेला अलग-अलग पंडालों, हस्तशिल्प कृतियां, पारंपरिक व्यंजनों और सांस्कृतिक कलाओं के साथ ही एक अनूठा मंच प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग द्वारा प्रदेश में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए निरंतर प्रयास किए जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि 38 वां सूरजकुंड शिल्प मेला पर्यटन के क्षेत्र में नए आयाम स्थापित करेगा।

फोन टेपिंग के आरोप गंभीर मुख्यमंत्री दें स्पष्टीकरण : डोटासरा

जयपुर (हिंस)। प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष गोविन्द सिंह डोटासरा ने भाजपा सरकार में कैबिनेट मंत्री किरोड़ीलाल मीणा द्वारा अपनी सरकार पर फोन टेप कर जासूसी करने के गंभीर आरोप लगाने पर मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा से स्पष्टीकरण मांगा है। उन्होंने मांग की है कि मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा प्रदेश के गृहमंत्री भी हैं, अपने कैबिनेट मंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों पर प्रदेश की जनता को जवाब देकर वस्तुस्थिति से अवगत कराएं और यदि आरोप झूठे हैं तो कैबिनेट मंत्री पर कार्रवाई करें अथवा स्वयं अपना पद छोड़ें। डोटासरा ने कहा कि गृह मंत्रालय मुख्यमंत्री सम्भाल रहे हैं और उन्हीं की सरकार के कैबिनेट मंत्री ने फोन टेप कराने व जासूसी करने के आरोप मुख्यमंत्री पर लगाए हैं। ऐसी परिस्थिति में प्रदेश की जनता को सच जानने का पूरा अधिकार है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री पारदर्शिता के साथ जनता के समक्ष कैबिनेट मंत्री द्वारा लगाए गए आरोपों का जवाब दें। उन्होंने कहा कि बिना उचित प्रक्रिया अपनाए कैबिनेट मंत्री ही नहीं प्रदेश के किसी भी व्यक्ति का फोन टेप कर जासूसी करना अपराध है तथा उक्त व्यक्ति के संवैधानिक अधिकारों का हनन है। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री को इन आरोपों को नकारते हुए कैबिनेट मंत्री को अपने पद से तुरंत मुक्त करना चाहिए अथवा नैतिक जिम्मेदारी लेते हुए स्वयं इस्तीफा देना चाहिए।

प्रदीप सिन्हा बने अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी के प्रदेश प्रमुख

झज्जर (हिंस)। अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी के राष्ट्रीय प्रमुख अरविंद श्रीवास्तव ने बहादुरगढ़ निवासी प्रदीप सिन्हा को प्रदेश प्रमुख मनोनीत किया है। सिन्हा की नियुक्ति पर संगठन के सदस्यों ने हर्ष व्यक्त किया और उनका मुंह मीठा कराकर बधाई दी। अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी के नवनियुक्त प्रदेश प्रमुख प्रदीप सिन्हा ने अपने मनोनयन के लिए संगठन के सभी प्रमुख पदाधिकारियों का आभार जताया है। उन्होंने शुक्रवार को बताया कि इस वाहिनी का मुख्य लक्ष्य जनकल्याण, गोरक्षा, नारी रक्षा, सनातन धर्म की रक्षा और भारत माता के मान सम्मान और राष्ट्रवाद को स्थापित करने का है। उन्होंने कहा कि हमारी सनातनी हिंदू संस्कृति को पुनर्स्थापित करने के लिए, हमारे अस्तित्व की रक्षा के लिए यह कार्य जरूरी है। इस कार्य मे प्रत्येक हिंदू को अखिल भारतीय बजरंग वाहिनी के साथ खड़ा होकर संघर्ष करने की आवश्यकता है। बजरंग वाहिनी का हर एक सदस्य, देश का हर एक सनातनी हिंदू हमारे लिए पूजनीय है। देश के प्रत्येक जनमानस के प्रति हमारे हृदय में गहरी श्रद्धा का भाव है।

किसानों-लघु उद्यमियों को सहकारी भूमि विकास बैंकों के माध्यम से मिलेगा दीर्घकालीन ऋण

जयपुर (हिंस)। राज्य भूमि विकास बैंक प्रदेश के 36 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों को 130 करोड़ रुपए के दीर्घकालीन ऋण वितरण करेगा। सहकारिता राज्य मंत्री गौतम कुमार दक ने यह जानकारी शुक्रवार को विधानसभा में दी। उन्होंने बताया कि राज्य के सभी जिलों के किसानों और लघु उद्यमियों को अब सहकारी भूमि विकास बैंकों के माध्यम से दीर्घकालीन कृषि एवं अकृषि ऋण उपलब्ध हो पाएंगे। कृषकों और लघु उद्यमियों को यह ऋण राज्य सरकार की बजट घोषणा के अनुरूप क्रमश: सात प्रतिशत एवं पांच प्रतिशत ब्याज अनुदान योजना के तहत उपलब्ध करवाए जाएंगे। नाबार्ड से पुनर्वित्त के अभाव में काफी समय से अधिकांश भूमि विकास बैंकों द्वारा उक्त योजनाओं के अंतर्गत ऋण वितरण नहीं हो पा रहा था। पिछले दिनों नाबार्ड द्वारा पुनर्वित्त जारी करने एवं एनसीडीसी द्वारा ब्याज दरों में कमी करने के परिणामस्वरूप अब ऋण वितरण संभव हो सकेगा। दक ने बताया कि राज्य सरकार द्वारा ब्याज अनुदान उपलब्ध करवाने के फलस्वरूप भूमि विकास बैंकों द्वारा वितरित दीर्घकालीन कृषि ऋण मात्र 5.05 प्रतिशत एवं दीर्घकालीन अकृषि उत्पादक ऋण मात्र 7.05 प्रतिशत की ब्याज दर पर उपलब्ध होगा। प्रदेश के ऐसे लगभग 15 प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंकों, जहां पिछले 5-6 वर्षों से दीर्घकालीन ऋण वितरण नहीं किया जा रहा था, को भी ऋण वितरण के लक्ष्य दिये गए हैं। इनमें अजमेर, केकड़ी, टोंक, हिण्डौन, सवाई माधोपुर, जालौर, पाली, सिरोही, बारां, बूंदी, झालावाड़, कोटा, बांसवाड़ा, डूंगरपुर और उदयपुर प्राथमिक सहकारी भूमि विकास बैंक शामिल हैं। प्रदेश की दीर्घकालीन सहकारी साख संरचना के पुनरुद्धार की दिशा में यह एक महत्वपूर्ण कदम साबित होगा।

मनरेगा के तहत करीब 85 लाख जॉब कार्ड सक्रिय

जयपुर (हिंस)। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ओटा राम देवासी ने शुक्रवार को विधानसभा में कहा कि मनरेगा योजना के तहत प्रदेश में सराहनीय कार्य किए गए हैं। वर्तमान में प्रदेश में मनरेगा के तहत 84.89 लाख सक्रिय जॉब कार्ड हैं। ग्रामीण विकास राज्य मंत्री प्रश्नकाल के दौरान इस संबंध में पूछे गए पूरक प्रश्नों का जवाब दे रहे थे। उन्होंने कहा कि डग और भवानी मंडी पंचायत समिति में मनरेगा योजना के तहत विकास कार्य किए गए हैं, जो ग्रामीण विकास में महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। वर्तमान में डग पंचायत समिति में 49 हजार 576 तथा पंचायत समिति भवानी मंडी में 24 हजार 541 सक्रिय जॉब कार्ड हैं। इससे पहले विधायक कालूराम के मूल प्रश्न के लिखित जवाब में ग्रामीण विकास राज्य मंत्री ने बताया कि विधानसभा क्षेत्र डग में एक जनवरी 2024 से 31 दिसंबर 2024 तक महात्मा गांधी नरेगा योजनान्तर्गत सार्वजनिक श्रेणी के 524 एवं व्यक्तिगत श्रेणी के 490 कार्य स्वीकृत किए गए हैं। उन्होंने स्वीकृत कार्यों का विवरण प्रस्तुत किया।

समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता ने चुनाव आयोग पर लगाई आपत्तिजनक होर्डिंग

लखनऊ (हिंस)। समाजवादी पार्टी के कार्यालय के बाहर पार्टी कार्यकर्ता अब्दुल अजीम ने चुनाव आयोग को घेरते हुए एक आपत्तिजनक होर्डिंग लगाई है। इस होर्डिंग में समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव को संसद के बाहर सफेद चादर दिखाते हुए प्रदर्शित किया गया है। अब्दुल अजीम मंसूरी की होर्डिंग में एक संदेश *जिलेवार कार्यक्रम चले, चुनाव आयोग को कफन भेंट करें* लिखा हुआ है। विक्रमादित्य मार्ग से आते-जाते हुए लोगों को यह होर्डिंग अपनी ओर आकर्षित कर रहा है।

मासूम बच्चियों को देह व्यापार के लिए बेचने वाले गिरोह का पर्दाफाश

धौलपुर (हिंस)। जिला पुलिस ने मासूम बच्चियों को देह व्यापार के लिए बेचने वाले गिरोह का पर्दाफास किया है। पुलिस ने इस मामले में धौलपुर निवासी एक महिला को गिरफ्तार किया है। इस गिरोह के तार दिल्ली, मुंबई, कोलकाता सिक्किम एवं उत्तराखंड से जुड़े हैं। पुलिस द्वारा गिरफ्तार महिला से पूछताछ की जा रही है, जिसके बाद में गिरोह से जुड़े अन्य सदस्यों की भी गिरफ्तारी हो सकती है। पुलिस द्वारा की गई प्रारंभिक पड़ताल में फर्जी दस्तावेज तैयार कर गिरोह द्वारा देह व्यापार की मंडियों में लड़कियों की सप्लाई करने की बात सामने आई है। जिला पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा ने बताया कि पुलिस को सूचना मिली कि शहर के राव साहब का बाडा इलाके में एक महिला दो दिन पूर्व एक दुधमुंही बच्ची को लेकर आई है तथा उसे बेचने की फिराक में है। इस सूचना पर महिला थाना पुलिस ने धौलपुर के निहालगंज थाना इलाके के राव साहब का बाडा में छापा मारा। पुलिस ने इस कार्रवाई में नीतू छारी निवासी राव साहब का बाडा गडरपुरा धौलपुर को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि नीतू छारी 04 फरवरी को उस दुधमुंही बच्ची को लेकर आई है तथा उसको अन्यत्र बेचने के प्रयोजन से कहीं जाने की फिराक में थी। पुलिस टीम द्वारा बच्ची के संबंध में पूछताछ की गयी तो नीतू छारी द्वारा बच्ची का नाम लाडो (बदला हुआ नाम) बताया गया। जिस पर नीतू छारी से बच्ची के जन्म संबंधी दस्तावेज तथा अन्य कागजात मांगे तो कोई कागज अपने पास नहीं होना बताया। पुलिस द्वारा की गई पूछताछ में महिला नीतू छारी द्वारा बताया कि उक्त बच्ची को मैं ने एक लाख पचास हजार रुपए में दिल्ली से खरीदा है। इस संबंध में महिला थाने पर धारा 98, 99, 143 (4), 61 (2)ए बीएनएस में कार्रवाई करते हुए दुधमुंही बच्ची को बरामद किया गया है। पुलिस द्वारा गिरफ्तार की गई आरोपी महिला नीतू छारी से की गई पूछताछ में उक्त प्रकरण में कई लोगों के संलिप्त होने की जानकारी मिली है। पुलिस की पड़ताल में दुधमुंही बच्ची लाडो (बदला हुआ नाम) के मूल माता-पिता के सिक्किम के निवासी होने की जानकारी सामने आई है। इस बच्ची का दो माह पहले दिल्ली के सफदरजंग अस्पताल में जन्म हुआ था। यह गिरोह फर्जी दस्तावेज तैयार कर देह व्यापार की मंडियों में लड़कियों की सप्लाई करने का काम करता है। आरोपी नीतू छारी को पुलिस रिमांड पर लेकर पूछताछ की जा रही है।

लोकतंत्र की हत्या कर रही है भाजपा : शिवपाल यादव

फिरोजाबाद (हिंस)। सपा महासचिव शिवपाल यादव शुक्रवार को फिरोजाबाद में दो स्थानों पर निजी कार्यक्रमों में भाग लेने आए थे। इस दौरान वह मीडिया से भी रूबरू हुए। उन्होंने दिल्ली चुनाव पर कहा कि दिल्ली में बीजेपी हारेगी और आम आदमी पार्टी जीतेगी। उन्होंने आरोप लगाया कि बीजेपी लोकतंत्र की हत्या कर रही है। हर तरह से बेईमानी पर उतारु है। मिल्कीपुर उपचुनाव को लेकर उन्होंने कहा कि सपा वहां से जीतती आ रही है। इस बार शासन प्रशासन ने वहां बड़ी वेईमानी की है। हमने कड़ा मुकाबला किया है। अब रिजल्ट बताएगा। जनता ने बीजेपी से कड़ा मुकाबला किया है। महाकुंभ में आग लगने की घटना को लेकर सपा महासचिव ने कहा कि वहां अव्यवस्थाएं रहीं और सरकार छिपाती रहीं। वहां व्यवस्थाएं ठीक से नहीं हो सकीं। वहां सब लोग परेशान हैं। जो लोग वहां जा रहे हैं सब परेशान हैं। हमने भी दो बार कुंभ लगाया था कहीं दिक्कतें नहीं आईं। अबकी बार केवल बजट खर्च किया गया है व्यवस्थाएं नहीं की गईं। इस दौरान बड़ी संख्या में सपा नेता मौजूद रहे।

महाकुंभ: अनवरत लाखों श्रद्धालुओं का रेला काशी में उमड़ रहा, फिर बढ़ा सड़कों पर भीड़ का दबाव

श्रद्धालुओं से कतारबद्ध होकर चलने की अपील, भीड़ प्रबंधन के लिए अफसर सड़क पर उतरे

वाराणसी (हिंस)। प्रयागराज महाकुंभ से लाखों श्रद्धालुओं का अनवरत आगमन शहर में हो रहा है। शुक्रवार को एक बार फिर पूरे शहर में श्रद्धालुओं का रेला दिखा। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर परिक्षेत्र के साथ कैंट रेलवे स्टेशन, रोडवेज से लहुराबीर मैदागिन मार्ग, लहुराबीर से गोदौलिया मार्ग, मंडुवाडीह, महमूरगंज, रथयात्रा, लक्सा गोदौलिया मार्ग पर श्रद्धालुओं की भीड़ देख जिला प्रशासन के अफसरों के साथ पुलिस अफसर भी उनकी सुरक्षा के साथ सुगम यातायात के लिए मुस्तैद दिखे। गोदौलिया, दशाश्वमेध, चौक, बुलानाला के साथ गंगा किनारे भी पुलिस अफसर भीड़ को नियंत्रित करने के साथ पुलिस के जवानों को आवश्यक दिशा निर्देश देते रहे। जिलाधिकारी एस राजलिंगम और अपर पुलिस आयुक्त डॉ. एस चिनप्पा गिरजाघर और गोदौलिया चौराहे पर पैदल चलकर ड्यूटी पर तैनात अफसरों को निर्देश देते रहे। पूरे इलाके का निरीक्षण करने के साथ अफसर श्रद्धालुओं को भी आवश्यक सहयोग करने और कतारबद्ध होकर चलने की अपील करते रहे। उधर, श्री काशी विश्वनाथ मंदिर में तीन दिशाओं से दर्शन पूजन के लिए लंबी कतार लगी हुई है। एक कतार गंगा किनारे गंगा द्वयार से, दूसरी दशाश्वमेध और तीसरी बुलानाला से बाबा विश्वनाथ के दरबार तक है। मंदिर परिसर में भक्तों की लंबी जिगजैग धीरे-धीरे आगे बढ़ रही है। श्रद्धालुओं की सुरक्षा के लिए प्रमुख मार्गों से लेकर काशी विश्वनाथ मंदिर व गंगा घाटों पर हर जगह सर्तकता बरती जा रही है। भीड़ की निगरानी जगह-जगह सीसीटीवी एवं ड्रोन से हो रही है। गोदौलिया बासफाटक इलाके में डीसीपी काशी जोन गौरव कुमार बंसवाल अफसरों के साथ श्रद्धालुओं को कतारबद्ध कराने में जुटे रहे। पुलिस की सहायता में क्षेत्रीय नागरिक भी सहयोग देते रहे। उधर, भीड़ के सुगम आवागमन के लिए शहर में यातायात प्रतिबंध भी लागू किया गया है। इसके चलते गलियों और शहर के अन्य हिस्सों में शहरी भीषण जाम से जूझते रहे। शहर के मंडुवाडीह महमूरगंज और लहरतारा मार्ग पर वाहनों की लंबी कतारे लगी रही। सुगम यातायात के लिए अफसरों को कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही थी।

श्रीराम मंदिर के लिए पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल का निधन

पटना (हिंस)। अयोध्या में श्रीराम मंदिर के लिए पहली ईंट रखने वाले कामेश्वर चौपाल का निधन हो गया। वनवासी कल्याण केंद्र, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ, विश्व हिंदू परिषद, अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद जैसे राष्ट्रवादी संगठनों के साथ मिलकर सामाजिक कार्यों में अग्रणी भूमिका निभाने वाले चौपाल ने सर गंगा राम अस्पताल नई दिल्ली में आखिरी सांस ली। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने राम मंदिर ट्रस्ट के ट्रस्टी कामेश्वर चौपाल का निधन पर शोक जताया है। उन्होंने कहा कि आज हमने एक कुशल राजनेता और समाजसेवी खो दिया। कामेश्वर चौपाल कुछ दिनों से बीमार थे। कामेश्वर चौपाल के निधन से शोक की लहर है। बिहार विधान परिषद के पूर्व सदस्य कामेश्वर चौपाल के निधन पर बिहार प्रदेश भाजपा ने भी गहरा शोक व्यक्त किया है। भाजपा ने अपने आधिकारिक एक्स हैंडल पर पोस्ट कर श्रद्धांजलि दी। इसमें कहा गया कि राम मंदिर की पहली ईंट रखने वाले, पूर्व विधान पार्षद, दलित नेता, श्रीराम जन्मभूमि ट्रस्ट के स्थायी सदस्य और विश्व हिंदू परिषद के प्रांतीय अध्यक्ष रहे कामेश्वर चौपाल जी के निधन की खबर समाज के लिए एक बड़ी क्षति है। उन्होंने अपने पूरे जीवन को धार्मिक और सामाजिक कार्यों में समर्पित किया और वे मां भारती के सच्चे लाल थे।

जनजाति उत्थान से जुड़ी स्वयंसेवी संस्थाएं पा सकती हैं केंद्रीय अनुदान सहायता

जोधपुर (हिंस)। जनजाति समुदाय के बहुआयामी उत्थान के क्षेत्र में कार्यरत एवं अनुदान सहायता प्राप्त करने की इच्छुक स्वयंसेवी संस्थाओं से ऑनलाईन आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान के निदेशक ओपी जैन ने बताया कि जनजातीय समुदाय के हितार्थ शिक्षा, स्वास्थ्य एवं आजीविका के क्षेत्र में कार्य कर रही स्वयंसेवी संस्थानों को भारत सरकार के जनजातीय कार्य मंत्रालय द्वारा एनजीओ ग्रांट योजना के तहत सहायता अनुदान मुहैया कराया जाता है। इस अनुदान को प्राप्त करने के लिए ऐसी इच्छुक स्वयंसेवी संस्थाएं आवेदन की पात्र हैं जो एनजीओ दर्पण पोर्टल पर पंजीकृत हों तथा अपने लेखों का नियमित अंकेक्षण करवाती हों। ये संस्थाएं भारत सरकार के एनजीओ डिवीजन द्वारा जारी गाइड लाइन अनुसार एनजीओ पोर्टल पर न्यू प्रोजेक्ट एफवी 2024-25 श्रेणी में ऑनलाईन आवेदन कर सकती हैं। इसके लिए यह पोर्टल खुला हुआ है तथा आगामी 15 फरवरी 2025 तक खुला रहेगा। उन्होंने बताया कि इस योजना के संबंध में पूर्ण दिशानिर्देश एवं आवेदन संबंधी जानकारी एनजीओ पोर्टल पर ऑनलाईन देखी जा सकती है। अधिक जानकारी के लिए माणिक्यलाल वर्मा आदिम जाति शोध एवं प्रशिक्षण संस्थान (टीआरआई), अशोक नगर, उदयपुर से संपर्क किया जा सकता है।

मुख्यमंत्री ने जमुई जिला को दी 890 करोड़ रुपए से अधिक की सौगात

पटना (हिंस)। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज प्रगति यात्रा के चौथे चरण में जमुई जिले के आदर्श महिला थाना परिसर में 89088.02776 लाख रुपए की कुल 74 विकासात्मक योजनाओं का रिमोट के माध्यम से उद्घाटन एवं शिलान्यास किया। इसमें 7640.52698 लाख रुपए की 58 योजनाओं का उद्घाटन और 81447.50076 लाख रुपए की 16 योजनाओं का शिलान्यास शामिल है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने आज जमुई जिला में विभिन्न जगहों पर विकासात्मक योजनाओं का जायजा लिया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने खैरा प्रखंड के लघुआर मंदिर का हवाई सर्वेक्षण किया। हवाई सर्वेक्षण के पश्चात वे ढावांटांड़ ग्राम में बने हेलीपैड पर उतरे। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने गरही डैम में जलाश्य मात्सियिकी विकास योजना के अंतर्गत केज-कल्चर का निरीक्षण किया। मुख्यमंत्री ने प्रस्तावित अपर किउल जलाशय योजना के विस्तारीकरण एवं पक्कीकरण तथा प्रस्तावित गरही लघुआर सड़क एवं पुल योजना का स्थलीय निरीक्षण किया। इस दौरान मुख्यमंत्री ने अधिकारियों से विस्तृत जानकारी भी ली। मुख्यमंत्री ने आदर्श महिला थाना परिसर में नवनिर्मित अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति एवं महिला थाना का फीता काटकर एवं शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया और नवनिर्मित थाना भवन के विभिन्न भागों का निरीक्षण कर वहां की व्यवस्थाओं की जानकारी ली। इसके पश्चात मुख्यमंत्री ने 554.54 लाख रुपए की लागत से राजकीय महिला डिग्री कॉलेज, जमुई का शिलापट्ट अनावरण कर एवं फीता काटकर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने राजकीय महिला डिग्री कॉलेज के विभिन्न भागों का जायजा लिया और इसके संबंध में जानकारी ली। मुख्यमंत्री ने ग्राम सोनपै में 9.90 लाख रुपए लागत से बने खेल मैदान का उदघाट्न किया। उद्घाटन के पश्चात खेल मैदान के निरीक्षण करने के दौरान वहां उपस्थित खिलाड़ियों से बातचीत करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि यह मैदान बहुत अच्छा बना है। आप लोग पढ़ाई के साथ-साथ खेल-कूद में भी भाग लें। मुख्यमंत्री ने खेल मैदान के बगल में 35.50 लाख रुपए की लागत से जल-जीवन-हरियाली अभियान अंतर्गत निर्मित तालाब का शिलापट्ट अनावरण कर उद्घाटन किया। मुख्यमंत्री ने तालाब का निरीक्षण करते हुए कहा कि तालाब की गहराई को और बढ़ाएं, इसके सौंदर्कोयीकरण मेंटेन रखें।

शिक्षा के साथ-साथ संस्कार प्रदान करती है भारती शिक्षा समिति : प्रदीप कुशवाहा

भागलपुर (हिंस)। आनंदराम ढांढनियां सरस्वती विद्या मंदिर भागलपुर में भारती शिक्षा समिति एवं शिशु शिक्षा प्रबंध समिति के प्रदेश सचिव प्रदीप कुमार कुशवाहा की अध्यक्षता में प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन के पूर्व संध्या पर शुक्रवार को एक प्रेस कांफ्रेंस आयोजित की गई। मौके पर प्रदीप कुमार कुशवाहा ने कहा कि विद्या भारती की इकाई भारती शिक्षा समिति है। यहां शिक्षा के साथ-साथ संस्कार प्रदान किया जाता है। बच्चों का संस्कृति से प्रत्यक्ष नाता है। दक्षिण बिहार की प्रांतीय समिति के अंतर्गत 17 जिला से 225 प्रधानाचार्य इस सम्मेलन में भाग लेने आ रहे हैं। वर्तमान सत्र 2024-25 में किए गए कार्यों की समीक्षा और आगामी सत्र 2025-26 में किए जाने वाले कार्यों की योजना हेतु यह प्रधानाचार्य सम्मेलन है। क्रियान्वयन आधारित, व्यावसायिक शिक्षा, क्रियाआधारित शिक्षा देने की योजना इस सम्मेलन में बनने वाली है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति आधारित शिक्षा प्रदान करने की योजना बनने वाली है। प्रधानाचार्य विद्या भारती के केंद्र बिंदु होते हैं। प्रधानाचार्यों को सम्मेलन के माध्यम से नयी नयी जानकारी प्रदान की जाती है। अटल टिंकरिंग लैब बच्चों के समेकित विकास की दृष्टि से बनाई गई है। प्रांतीय प्रधानाचार्य सम्मेलन 8 फरवरी 2025 से 11फरवरी 2025 तक आयोजित है। इस अवसर पर प्रांतीय प्रचार संयोजक सतीश कुमार सिंह, प्रधानाचार्य सुमंत कुमार, उमाशंकर पोद्दार, ब्रह्मदेव प्रसाद, राकेश नारायण अम्बष्ट, राजेश कुमार, विनोद कुमार, वीरेन्द्र कुमार, परमेश्वर कुमार, गंगा प्रसाद चौधरी, भीष्म मोहन झा, सुमन चौधरी, शशि भूषण मिश्र, राजीव वर्मा एवं विद्यालय के समस्त आचार्य उपस्थित थे।

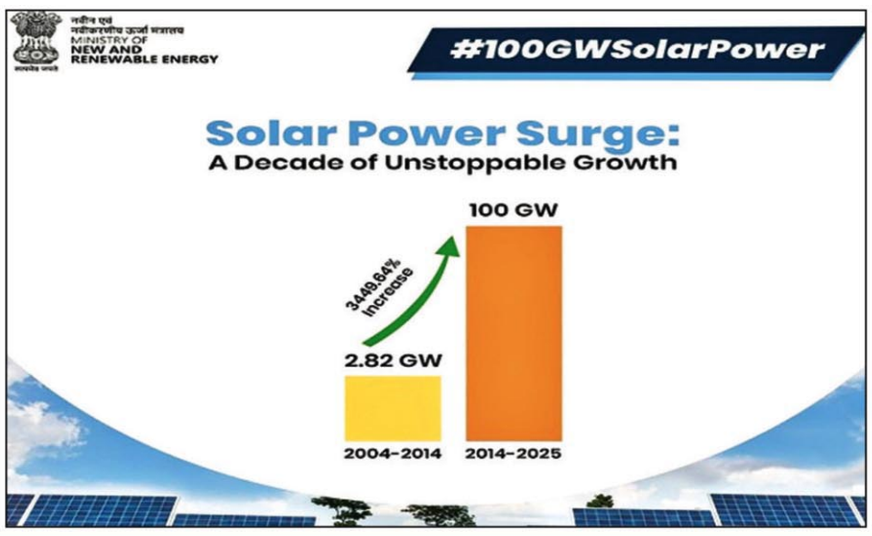

भारत ने हासिल की 100 गीगावाट की सौर ऊर्जा क्षमता : प्रह्लाद जोशी

नई दिल्ली

केंद्रीय नवीन एवं नवीकरणीय ऊर्जा मंत्री प्रह्लाद जोशी ने शुक्रवार को कहा कि भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा क्षमता हासिल किया है, जो एक मील का पत्थर है। जोश ने 2030 तक 500 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने के देश के लक्ष्य को भी रेखांकित किया।

जोशी ने एक्स पोस्ट में कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में भारत ने 100 गीगावाट सौर क्षमता हासिल किया है। ये उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के प्रति हमारी निरंतर प्रतिबद्धता से प्रेरित है। इससे अक्षय ऊर्जा में वैश्विक नेता के रूप में इसकी स्थिति मजबूत हुई है। उन्होंने कहा कि यह उल्लेखनीय उपलब्धि स्वच्छ, हरित भविष्य के लिए देश की प्रतिबद्धता का प्रमाण है।

केंद्रीय मंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 2030 तक 500 गीगावाट गैर-जीवाश्म ईंधन आधारित ऊर्जा क्षमता के अपने महत्वाकांक्षी लक्ष्य को साकार करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। प्रह्लाद जोशी ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में भारत की ऊर्जा यात्रा ऐतिहासिक और प्रेरणादायक रही है। इससे पहले भारत ने 2022 तक 100 गीगावाट सौर ऊर्जा सहित 175 गीगावाट नवीकरणीय ऊर्जा क्षमता हासिल करने की योजना बनाई थी। हालांकि, कोरोना महामारी के दौरान लॉकडाउन लगने की वजह से इसे हासिल नहीं किया जा सका।

उन्होंने कहा कि भारत ने संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार के शासन के दौरान 2004-14 के दौरान 2.82 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ी थी, जबकि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार के 2014 से 2025 के कार्यकाल में 100 गीगावाट सौर क्षमता जोड़ी गई है। सौर पैनल, सौर पार्क और रूफटॉप सौर परियोजनाओं जैसी पहलों ने क्रांतिकारी बदलाव लाए हैं। इसके परिणामस्वरूप भारत ने 100 गीगावाट सौर ऊर्जा उत्पादन का लक्ष्य सफलतापूर्वक प्राप्त कर लिया है। हरित ऊर्जा के क्षेत्र में भारत न केवल आत्मनिर्भर बन रहा है, बल्कि दुनिया को नई राह भी दिखा रहा है।

न्यूज ब्रीफ

सोने की कीमत में तेजी जारी, चांदी में मामूली गिरावट

नई दिल्ली। घरेलू सर्राफा बाजार में लगातार तीसरे दिन सोने की कीमत मे तेजी का रुख बना हुआ है। हालांकि चांदी की कीमत में मामूली गिरावट नजर आ रही है। की तेजी के कारण देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये से लेकर 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना भी 79,310 रुपये से लेकर 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। सोना के विपरीत चांदी की कीमत में 200 रुपये प्रति किलोग्राम की कमजोरी दर्ज की गई है। इस गिरावट के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में 99,400 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर पहुंच गई है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 86,570 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 86,570 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 79,360 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 86,670 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 79,460 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी सोना महंगा हुआ है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना 86,520 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 79,310 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

नए आयकर विधेयक को मिल सकती है कैबिनेट की मंजूरी

नई दिल्ली। देश में आयकर से जुड़े नियमों में करीब छह दशक के बाद बदलाव होने जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में होने वाली केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में बहु प्रतीक्षित नए आयकर विधेयक 2025 को मंजूरी दी जा सकती है। कैबिनेट की मंजूरी के बाद इसे सोमवार को संसद में पेश किया जा सकता है। विधेयक में कुछ ऐसे प्रावधान हो सकते हैं, जो आयकर में किसी तरह की राहत के लिए बजट का इंतजार करने या आयकर अधिनियम में संशोधन करने की जरूरत को खत्म कर सकते हैं।

रतन टाटा की वसीयत में शामिल है मोहिनी मोहन दत्ता

नई दिल्ली। टाटा समूह के दिग्गज दिवंगत रतन टाटा की वसीयत एक बार फिर सुर्खियों में है। टाटा की

वसीयत में एक नाम ने सभी को चौंका दिया है। इस नाम के पीछे है एक महान कहानी, जिसे जानकर सभी हैरान हो रहे हैं। मोहिनी मोहन दत्ता जो कि जमशेदपुर के एक करोबारी हैं, रतन टाटा की वसीयत में शामिल हैं। इनकी उम्र अब 80 साल से अधिक हो गई है, लेकिन इनका नाम एक अहम भूमिका निभा चुका है रतन टाटा की जिंदगी में। दत्ता की पहली मुलाकात रतन टाटा से 1960 के दशक में हुई थी, जब वे केवल 24 साल के थे। उनका संबंध पहले टाटा स्टील में काम करने से शुरू हुआ था। दत्ता ने अपना करियर ताज ग्रुप के साथ शुरू किया और फिर अपनी खुद की उद्यमिता से स्टैलियन ट्रैवल एजेंसी खोली। जब ताज ग्रुप ऑफ होटल्स के साथ इसका विलय हुआ, तो उनके पास व्यवसाय में एक महत्वपूर्ण हिस्सेदारी थी।

रेपो रेट में कटौती के बाद लाला निशान पर बंद हुआ बाजार, सेंसेक्स 198 अंक टूटा

नई दिल्ली

हफ्ते के आखिरी कारोबारी दिन शुक्रवार को रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के नीतिगत ब्याज दर रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती के बावजूद शेयर बाजार लाल निशान पर बंद हुआ। यह शेयर बाजार में लगातार तीसरा दिन गिरावट रहा। इस तरह कारोबारी सप्ताह का समापन नकारात्मक दायरे में हुआ। कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्चेंज का सेंसेक्स 197.97 अंक यानी 0.25 फीसदी टूटकर 77,860.19 पर बंद हुआ है। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 43.40 अंक यानी 0.18 फीसदी फिसलकर 23,559.95 पर बंद हुआ है। सेंसेक्स के 30 शेयरों में से 13 शेयर में तेजी दिखी, जबकि 17 शेयरों में गिरावट रही है। वहीं, निफ्टी के 28 शेयरों में तेजी और 23 शेयरों में गिरावट रही।

सेंसेक्स के समूह में शामिल कंपनियों में से आईटीसी के शेयर में दो फीसदी से अधिक की गिरावट आई है। इसके अलावा भारतीय स्टेट बैंक, अदाणी पोर्ट्स, टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज, आईसीआईसीआई बैंक, रिलायंस इंडस्ट्रीज और पावरग्रिड के शेयर भी गिरावट के साथ बंद हुए। हालांकि, टाटा स्टील के शेयर में चार फीसदी से अधिक की तेजी दर्ज की गई। भारती एयरटेल का शेयर भी 4 फीसदी की उछाल दर्ज करने में सफल रहा। इसके अलावा जोमैटो, महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट और टेक महिंद्रा के शेयर भी बढ़त के साथ बंद हुए। उल्लेखनीय है कि बीएसई का सेंसेक्स एक दिन पहले गुरुवार को 213.12 अंक टूटकर 78,058.16 अंक पर बंद हुआ था, जबकि एनएसई का निफ्टी भी 92.95 अंक फिसलकर 23,603.35 अंक पर बंद हुआ था।

रेपो रेट में कटौती से ईएमआई होगी सस्ती, मध्यम वर्ग को एक और राहत

मुंबई/नई दिल्ली।

वित्त वर्ष 2024-25 की आखिरी द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की बैठक में रेपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती किए जाने का मध्यम वर्ग को लाभ मिलेगा। इससे मासिक किस्तों (ईएमआई) पर पड़ेगा। रेपो रेट में कटौती की घोषणा के बाद आम आदमी को होम लोन, वाहन लोन, पसर्नल लोन की ईएमआई में राहत मिल सकती है। रेपो रेट में यह कटौती पांच साल के अंतराल के बाद की गई है। पिछली कटौती मई, 2020 में हुई थी। आर्थिक क्षेत्र के अनुसार आयकर की सीमा 12 लाख रुपए तक करने के बाद इससे मध्यम वर्ग को और लाभ मिलेगा। रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने शुक्रवार को रेपो रेट में कटौती के फैसले का ऐलान किया।

मौद्रिक नीति की घोषणा की जिसकी मुख्य बातें निम्नलिखित हैं:-

- -रेपो रेट (अल्पकालिक उधार दर) 0.25 फीसदी घटाकर 6.50 से 6.25 फीसदी की गई।
- -'तटस्थ' मौद्रिक नीति रुख जारी रहेगा।
- -अगामी वित्त वर्ष 2025-26 के लिए सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 6.7 फीसदी रहने का अनुमान जताया गया है।
- -वित्त वर्ष 2025-26 में मुद्रास्फीति (महंगाई दर) घटकर 4.2 फीसदी पर आने का अनुमान जताया गया है, जबकि चालू वित्त वर्ष 2024-25 में जीडीपी 4.8 फीसदी रहने की संभावना है।
- -खाद्य मुद्रास्फीति के दबाव में उल्लेखनीय कमी आने की उम्मीद है।
- -मुख्य मुद्रास्फीति में वृद्धि की उम्मीद, लेकिन यह मध्यम रहेगी।

केंद्रीय बैंक ने की होम लोन ईएमआई में कटौती

आम बजट के पेश होने के बाद भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने मौद्रिक नीति समिति की बैठक पर रीपो रेट में 0.25 फीसदी की कटौती की घोषणा की। इससे होम लोन, कार लोन, और पर्सनल लोन की ईएमआई में कमी की संभावना है। प्रत्येक कटौती आपकी जेब में छुपी छोटी-छोटी बचतें ला सकती हैं। अगर आपने 20 साल के लिए 30 लाख रुपये का होम लोन लिया है, तो पुरानी ईएमआई 26,035 रुपये हो सकती थी, और अब नई ईएमआई शायद 25,562 रुपये हो सकती है। यह कमी आपके ब्याज दरों में केवल 0.25 फीसदी कटौती के कारण आ सकती है। आरबीआई ने बैंकों को सभी प्रकार के रिटेल और पर्सनल लोन को भी किसी एक्सटर्नल बेंचमार्क से लिंक करने का निर्देश दिया है। पुराने लोन लेने वालों को भी दो प्रतिक्षेप किया जा रहा है - अपना लोन बेंचमार्क लिंक्ड रेट पर ट्रांसफर करने या पुरानी व्यवस्था में बने रहना।

मध्य प्रदेश के प्रियॉरिटी सेक्टर में 3.13 लाख करोड़ की ऋण की उम्मीद : नाबार्ड

राष्ट्रीय कृषि और ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) NATIONAL BANK FOR AGRICULTURE & RURAL DEVELOPMENT NABARD

नई दिल्ली

राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक (नाबार्ड) ने वर्ष 2025-26 में मध्य प्रदेश में प्राथमिक सेक्टर में 3.13 लाख करोड़ रुपये की ऋण क्षमता का आकलन प्रस्तुत किया है। यह राशि पिछले वर्ष की 2.85 लाख करोड़ रुपये से लगभग 10 फीसदी अधिक है। नाबार्ड द्वारा राजधानी भोपाल में आयोजित स्टेट क्रेडिट सेमिनार में प्रस्तुत किए गए स्टेट फोकस पेपर के अनुसार 3.13 लाख करोड़ रुपये की अनुमानित ऋण क्षमता में सबसे अधिक 1.79 लाख करोड़ रुपये का ऋण कृषि क्षेत्र को, 1.15 लाख करोड़ रुपये का ऋण पेश किया गया है।

सूक्ष्म, लघु और मझोले उपक्रम (एमएसएमई) तथा 0.18 लाख करोड़ रुपये का ऋण अन्य प्राथमिकता वाले क्षेत्रों को देने का अनुमान पेश किया गया है। सेमिनार को संबोधित करते हुए मध्य प्रदेश के सहकारिता मंत्री विश्वास सारंग ने प्रदेश के कृषि एवं ग्रामीण विकास कार्यों में नाबार्ड के योगदान की सराहना करते हुए हर संभव मदद का आश्वासन दिया। सारंग ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने के लक्ष्य को पूरा करने के लिए हर प्रदेश को अपना योगदान देना होगा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का 2047 तक देश को विकसित भारत बनाने का लक्ष्य मध्य प्रदेश इसमें अग्रणी भूमिका निभा रहा है और इसमें नाबार्ड जैसी संस्थाओं की अहम भूमिका है। उन्होंने बैंकों तथा वित्तीय संस्थानों का आह्वान करते हुए आग्रह किया कि उन्हें अपनी ऋण नीतियों को ऋण प्राथमिकताओं के साथ सुसंगत बनाना चाहिए ताकि किसानों, उद्यमियों और ग्रामीण उपक्रमों को अबाध ऋण मिल सके।

डिजीटल भुगतान को सुरक्षित बनाने के लिए 'बैंक डॉट इन' और 'फिन डॉट इन' करेंगे काम

मुंबई/नई दिल्ली

रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया (आरबीआई) ने डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के बढ़ते मामलों से निपटने के लिए बड़ा कदम उठाया है। रिजर्व बैंक के गवर्नर संजय मल्होत्रा ने बैंकों और गैर-बैंकिंग इकाइयों के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन...बैंक डॉट इन और फिन डॉट इन...शुरू किए जाने का ऐलान किया है।

आरबीआई के गवर्नर संजय मनल्होत्रा ने शुक्रवार को द्विमासिक मौद्रिक नीति समिति (एमपीसी) की तीन दिवसीय समीक्षा बैठक की जानकारी देते हुए कहा कि डिजिटल भुगतान में धोखाधड़ी के बढ़ते मामले चिंता का विषय है। इससे निपटने के लिए आरबीआई इस

साल अप्रैल से बैंकों के लिए विशेष इंटरनेट डोमेन 'बैंक डॉट इन' शुरू कर रहा है। इसके साथ ही आने वाले समय में गैर-बैंकिंग वित्तीय इकाइयों के लिए 'फिन डॉट इन' शुरू किया जाएगा।

संजय मल्होत्रा ने बताया कि इस पहल का उद्देश्य साइबर सुरक्षा खतरों और 'फिशिंग' जैसी दुर्भावनापूर्ण गतिविधियों को करने के साथ सुरक्षित वित्तीय सेवाओं को सुव्यवस्थित बनाना है, ताकि डिजिटल बैंकिंग और भुगतान सेवाओं में विश्वास बढ़े। आरबीआई गवर्नर ने कहा कि इंस्टीट्यूट फॉर डेवलपमेंट एंड रिसर्च इन बैंकिंग टेक्नोलॉजी (आईडीआरबीटी) विशेष रजिस्ट्रार के रूप में कार्य करेगा। वास्तविक पंजीकरण अप्रैल 2025 से शुरू होंगे। उन्होंने कहा कि बैंकों के लिए विस्तृत दिशा-निर्देश अलग से जारी किए जाएंगे। रिजर्व बैंक गवर्नर ने कहा कि गैर-बैंकिंग इकाइयों के लिए अलग से 'फिन डॉट इन' की शुरुआत की जाएगी। उन्होंने कहा कि केंद्रीय बैंक ने इसके साथ सीमा पार बिना कार्ड प्रस्तुत किए (कार्ड नॉट प्रेजेंट) लेन-देन में सुरक्षा की एक अतिरिक्त परत शुरू करने का भी निर्णय किया है।

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत, एशिया में मिला-जुला कारोबार

नई दिल्ली

ग्लोबल मार्केट से मजबूती के संकेत मिल रहे हैं। पिछले सत्र के दौरान अमेरिकी बाजार में लगातार खरीदारी होती रही। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स में भी मामूली बढ़त के साथ कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है। यूरोपीय बाजार में पिछले सत्र के दौरान उत्साह का माहौल बना रहा। वहीं एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है।

अमेरिकी बाजार में पिछले सत्र के दौरान लिवाली का जोर बना रहा, जिसके कारण वॉल स्ट्रीट के सूचकांक मजबूती के साथ बंद होने में सफल रहे। एसएंडपी 500 इंडेक्स 0.36 प्रतिशत की मजबूती के साथ 6,083.57 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नैस्डेक ने 0.48 प्रतिशत की बढ़त के साथ 19,786.70 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। डाउ जॉन्स फ्यूचर्स फिलहाल 4.18 अंक की सांकेतिक मजबूती के साथ 44,751.81 अंक के स्तर पर कारोबार करता हुआ नजर आ रहा है।

यूरोपीय बाजारों में पिछले सत्र के दौरान लगातार खरीदारी होती रही। एफटीएसई इंडेक्स 103.99 अंक यानी 1.19 प्रतिशत उछल कर

8,727.28 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह सीएसी इंडेक्स ने 115.94 अंक यानी 1.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 8,007.62 अंक के स्तर पर पिछले सत्र के कारोबार का अंत किया। इसके अलावा डीएएक्स इंडेक्स 316.49 अंक यानी 1.47 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,902.42 अंक के स्तर पर बंद हुआ।

एशियाई बाजारों में मिला-जुला कारोबार होता हुआ नजर आ रहा है। एशिया के 9 बाजारों में से 5 के सूचकांक मजबूती के साथ हरे निशान में कारोबार कर रहे हैं, जबकि 4 सूचकांक गिरावट के साथ लाल निशान में बने हुए हैं। गिफ्ट निफ्टी 0.18 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 23,651.59 के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह निक्केई इंडेक्स 227.92 अंक यानी 0.58 प्रतिशत टूट कर 33,838.61 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। जकार्ता कंपोजिट इंडेक्स में बड़ी गिरावट आई है। फिलहाल ये सूचकांक 145.87 अंक यानी 2.12 प्रतिशत फिसल कर 6,729.68 अंक के स्तर तक गिर गया है। इसके अलावा कोस्पी इंडेक्स 0.44 प्रतिशत की गिरावट के साथ 2,525.58 अंक के स्तर पर कारोबार करता नजर आ रहा है।

दूसरी ओर, स्ट्रेट्स टाइम्स इंडेक्स 0.45 प्रतिशत की बढ़त के साथ 3,847.52 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह ताइवान वेटेड इंडेक्स 103.96 अंक यानी 0.45 प्रतिशत उछल कर 23,420.56 अंक के स्तर पर पहुंच गया है। हैंग सेंग इंडेक्स ने मजबूत छलांग लगाई है। फिलहाल ये सूचकांक 311.42 अंक यानी 1.49 प्रतिशत की तेजी के साथ 21,203.04 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह शंघाई कंपोजिट इंडेक्स 1.32 प्रतिशत की मजबूती के साथ 3,314.29 अंक के स्तर पर पहुंचा हुआ है। इसके अलावा सेट कंपोजिट इंडेक्स 0.32 प्रतिशत की बढ़त के साथ 1,266.16 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा है।

मैथियस बो ने किया विश्व पैडल लीग का दौरा भारत में इस खेल के विकास पर की चर्चा

मुंबई

मुंबई के नेस्को सेंटर में विश्व पैडल लीग के भारत में पदार्पण के साथ ही खेल प्रेमियों का उत्साह चरम पर पहुंच गया। इस प्रतिष्ठित खेल बन गया। खुद एक नियमित पैडल खिलाड़ी, बो ने कहा, मैं भले ही शीर्ष पैडल खिलाड़ियों में शामिल नहीं हूं।

लेकिन मैंने रैकेट के साथ जन्म लिया है। यह खेल शुरुआती लोगों के लिए अपेक्षाकृत आसान है और यही कारण है कि यह इतनी तेजी से लोकप्रिय हो रहा है।

उन्होंने आगे कहा, यह खेल विभिन्न खेलों का बेहतरीन संयोजन है। इसमें स्क्वैश की तरह ग्लास वॉल्स हैं, टेनिस के ग्राउंड स्ट्रोक्स हैं और बैडमिंटन की तरह ओवरहेड शॉट्स भी शामिल हैं। बैडमिंटन खिलाड़ियों को उनके स्मैशिंग और फुटवर्क कौशल से फायदा होता है, जबकि युगल मुकाबलों में टीमवर्क और संचार की महत्वपूर्ण भूमिका होती है।

सात्विक-चिराग की सफलता में कोचिंग का योगदान – बो की कोचिंग में भारत की शीर्ष युगल जोड़ी सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी ने विश्व स्तर पर कई यादगार जीत दर्ज कीं। इनमें 2022 विश्व चैंपियनशिप में कांस्य पदक, 2022 बर्मिंघम राष्ट्रमंडल खेलों में स्वर्ण, 2023 एशियाई खेलों में स्वर्ण और एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक शामिल हैं।

अपने कोचिंग अनुभव को साझा करते हुए बो ने कहा, एक खिलाड़ी के रूप में मेरी रणनीति मजबूत थी, इसलिए मैंने सात्विक और चिराग की गेम प्लानिंग को बेहतर बनाने में योगदान दिया। जब आप अपना पूरा जीवन किसी खेल को समर्पित कर देते हैं, तो कमजोरियों को पहचानना आसान हो जाता है। साथ ही, अलग-अलग व्यक्तित्व के खिलाड़ियों से संवाद स्थापित करना भी अहम होता है। चिराग मुंबई से है और सात्विक आंध्र प्रदेश से, जिससे उनकी सोच और व्यक्तित्व अलग-अलग हैं।

लीग चरण का समापन , फाइनल 8 फरवरी को – विश्व पैडल लीग के लीग चरण का समापन होगा। पहले मुकाबले में गेम चेंजर्स लायंस का सामना सोहेल खान एंटरटेनमेंट पैंथर्स से होगा, जबकि दूसरे मुकाबले में एसजी पाइपर्स चीता और वर्नोस्ट जगुआर आमने-सामने होंगे। ओवरऑल पॉइंट टेबल में शीर्ष दो टीमें 8 फरवरी को फाइनल में एक-दूसरे से भिड़ेंगी। विश्व पैडल लीग के इस रोमांचक आगाज ने भारत में इस खेल के उवल भविष्य की संभावनाओं को और मजबूत कर दिया है।

न्यूज ब्रीफ

संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए बीसीसीआई ने 1 मार्च को बुलाई विशेष आम बैठक

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने नए संयुक्त सचिव के चुनाव के लिए एक विशेष आम बैठक (एसजीएम) बुलाई है। एसजीएम एक मार्च को मुंबई में होगी। पिछले महीने जय शाह की जगह देवजीत सैकिया के बीसीसीआई सचिव चुने जाने के बाद से संयुक्त सचिव का पद खाली है। बीसीसीआई संविधान के अनुसार, पद को 45 दिनों के भीतर भरना होगा। सचिव सैकिया की ओर से, बीसीसीआई स्टाफ सदस्य ने गुरुवार (6 फरवरी) शाम को एकल-आइटम एजेंडे के साथ राज्य संघों को एसजीएम नोटिस भेजा। नोटिस में कहा गया है कि चुनाव दोपहर 12 बजे मुंबई स्थित बीसीसीआई मुख्यालय में होगा। आम तौर पर एसजीएम बुलाने के लिए 21 दिन के नोटिस की आवश्यकता होती है और बीसीसीआई ने वैधानिक आवश्यकता का पालन किया है। दो महीने से भी कम समय में यह दूसरी एसजीएम है। पिछला चुनाव 12 जनवरी को हुआ था जब आम सभा ने नए सचिव (सैकिया) और नए कोषाध्यक्ष (प्रभातेज सिंह भाटिया) को चुना था। दोनों को निर्विरोध चुना गया।

उत्तराखंड ने 38वें राष्ट्रीय खेल के पहले दिन ताइक्वांडो में जीते पांच पदक

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेल के ताइक्वांडो मुकाबलों का आगाज मिलम हॉल, मानसखंड खेल परिसर, हल्द्वानी में हुआ, जहां देशभर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया। पहले दिन के रोमांचक क्योर्गी मुकाबलों में एथलीटों ने अपनी फुर्ती, ताकत और तकनीक का बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए पदकों के लिए कड़ा संघर्ष किया। महिला क्योर्गी स्पर्धाओं में गुजरात की तविशा ककड़िया ने अंडर-46 किग्रा वर्ग में स्वर्ण पदक जीता, जबकि उत्तराखंड की विशाखा साह ने रजत पदक हासिल किया। अंडर-57 किग्रा वर्ग में उत्तराखंड की पूजा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया, वहीं महाराष्ट्र की शिवानी लाला भिलारे ने रजत पदक जीता। अंडर-73 किग्रा वर्ग में चंडीगढ़ की इतिशा दास ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि तेलंगाना की पयम हर्षप्रधा ने रजत पदक प्राप्त किया। पुरुष क्योर्गी स्पर्धाओं में भी जबरदस्त मुकाबले देखने को मिले। अंडर-54 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के अंकित मेर ने स्वर्ण पदक जीता, जबकि अंडर-68 किग्रा वर्ग में सर्विसेज के ही नवीन ने स्वर्ण पदक पर कब्जा किया। अंडर-87 किग्रा वर्ग का फाइनल मुकाबला बेहद रोमांचक रहा, जिसमें सर्विसेज के शशांक सिंह पटेल ने स्वर्ण पदक जीता। उत्तराखंड के खिलाड़ियों ने कई श्रेणियों में प्रभावी प्रदर्शन कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। राज्य के खिलाड़ियों ने पदक जीतकर अपनी प्रतिभा का शानदार परिचय दिया और यह साबित किया कि उत्तराखंड में ताइक्वांडो खेल तेजी से आगे बढ़ रहा है।

राष्ट्रीय खेल कर्नाटक की बादशाहत बरकरार, 56 पदकों के साथ पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार

देहरादून। 38वें राष्ट्रीय खेलों में कर्नाटक की बादशाहत कायम है। राज्य ने कई स्पर्धाओं में उल्लेखनीय प्रदर्शन करते हुए 30 स्वर्ण, 11 रजत और 15 कांस्य सहित कुल 56 पदक हासिल किए हैं और पदक तालिका में शीर्ष पर बरकरार है। इसके बाद सर्विसेज स्पोर्ट्स कंट्रोल बोर्ड 28 स्वर्ण, 12 रजत और 12 कांस्य सहित कुल 52 पदकों के साथ दूसरे स्थान पर है। विभिन्न खेल श्रेणियों में उनके प्रभुत्व ने उन्हें शीर्ष स्थान के लिए करीबी मुकाबले में बनाए रखा है। महाराष्ट्र वर्तमान में 19 स्वर्ण, 36 रजत और 33 कांस्य सहित 88 पदकों की प्रभावशाली कुल संख्या के साथ तीसरे स्थान पर है, जो उन्हें अपने लगातार प्रदर्शन से एक मजबूत दावेदार बनाता है। मध्य प्रदेश ने भी सराहनीय प्रदर्शन करते हुए 18 स्वर्ण, 8 रजत और 10 कांस्य के साथ कुल 36 पदक हासिल किए हैं। इस बीच, हरियाणा ने 13 स्वर्ण, 20 रजत और 22 कांस्य सहित 55 पदकों के साथ पांचवें स्थान पर रहते हुए एक मजबूत चुनौती पेश की है, जिससे कई खेल विषयों में एक पावरहाउस के रूप में उनकी प्रतिष्ठा मजबूत हुई है। प्रभावशाली प्रदर्शन करने वाले अन्य राज्यों में तमिलनाडु (47 पदक), मणिपुर और दिल्ली (प्रत्येक में 29 पदक), और केरल (24 पदक) शामिल हैं।

आईसीसी ने चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आधिकारिक गीत किया लॉन्च, आतिफ असलम ने दी आवाज

दुबई

अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने शुक्रवार को आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आधिकारिक गीत जीतो बाजी खेल के के रिलीज़ की घोषणा की। इस गीत को प्रसिद्ध गायक आतिफ असलम ने गाया है और यह आगामी टूर्नामेंट को लेकर रोमांच को और बढ़ा देगा। आईसीसी पुरुष चैंपियंस ट्रॉफी 2025 का आयोजन 19 फरवरी से 9 मार्च तक पाकिस्तान और यूएई में होगा, जिसमें कुल 15 मैच खेले जाएंगे। इस बहुप्रतीक्षित टूर्नामेंट से ठीक 12 दिन पहले इस आधिकारिक गीत को लॉन्च किया गया है, जो प्रशंसकों के उत्साह को नई ऊंचाइयों पर ले जाने का काम करेगा।

पाकिस्तान की संस्कृति को दर्शाएगा गीत

इस आधिकारिक गीत को अब्दुल्ला सिद्दीकी ने निर्मित किया है, जबकि इसके बोल अदनान धूल और असफंदयार असद ने लिखे हैं। संगीत वीडियो में पाकिस्तान की गलियों, बाज़ारों और स्टेडियम की झलक देखने को मिलेगी, जो क्रिकेट के प्रति प्रेम और जोश को प्रदर्शित करता है।

आतिफ असलम ने क्रिकेट प्रेम को लेकर जताई खुशी

गीत का हिस्सा बनने पर आतिफ असलम ने कहा, मुझे क्रिकेट का बहुत शौक है और मैं हमेशा एक तेज़ गेंदबाज़ बनना चाहता था। खेल के प्रति मेरे जुनून और समझ के कारण, मैं प्रशंसकों के उत्साह को अच्छी तरह महसूस कर सकता हूं। खासतौर पर भारत-पाकिस्तान मुकाबलों का रोमांच हमेशा अलग होता है। इसीलिए चैंपियंस ट्रॉफी 2025 के आधिकारिक गीत का हिस्सा बनकर मैं बहुत उत्साहित हूं।

आईसीसी और पीसीबी ने जताई उम्मीदें

आईसीसी के मुख्य वाणिज्यिक अधिकारी अनुराग दहिया ने गीत लॉन्च के मौके पर कहा, टूर्नामेंट शुरू होने में अब केवल 12 दिन बचे हैं और ऐसे में यह गीत चैंपियंस ट्रॉफी के जोश और पाकिस्तान की पहचान को बखूबी दर्शाएगा। हम प्रशंसकों से आग्रह करते हैं कि वे अभी टिकट खरीद लें ।

एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला के शानदार रंगारंग प्रस्तुति के साथ आगाज हुआ लीजेंड 90 क्रिकेट लीग

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी नवा रायपुर के परसदा स्थित शहीद वीर नारायण सिंह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में गुरुवार की देर रात को लेजेंड 90 क्रिकेट लीग का आगाज हो चुका है। मैच से पहले बॉलीवुड एक्ट्रेस उर्वशी रौतेला ने डांस व म्यूजिकल ग्रुप के साथ शानदार रंगारंग प्रस्तुति दी। स्टेडियम को दूधिया रोशनी से जगमगाते देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे। उद्घाटन मैच में छत्तीसगढ़ वॉरियर्स टीम ने दिल्ली रॉयल्स टीम को 5 विकेट से हराया। उद्घाटन मैच में सिने तारिका उर्वशी रौतेला शामिल हुई और शानदार परफॉर्मेंस दी जिसे देख दर्शक काफी उत्साहित दिखे । स्टेडियम में मौजूद हजारों दर्शकों ने अभिनेत्री के जलवा देखकर खुशी और आनंद से भरपूर दिखाई पड़े। वहीं स्टेडियम में सुरक्षा के काफी उम्दा इंतजाम किए गए थे। टूर्नामेंट की शुरुआत में उद्घाटन मैच दिल्ली रॉयल्स और छत्तीसगढ़ वॉरियर्स के बीच खेला गया, 15 ओवर के मैच में छत्तीसगढ़ ने 5 विकेट से जीत हासिल की। इस मैच में पवन नेगी और गुरुकिरत सिंग मान ने अर्द्धशतकीय पारी खेली। शिखर धवन की कप्तानी में दिल्ली रॉयल्स ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 15 ओवर में 7 विकेट पर 172 रन बनाए। इसमें दनिस्का गुणाथिलिका ने 33 गेंद में सर्वाधिक 73 रन और रोस टेलर ने नाबाद 39 रनों की पारी खेली। छत्तीसगढ़ वॉरियर्स की ओर से कलीम खान ने 3 ओवर में 22 रन देकर 2 विकेट और सिद्धार्थ कौल ने 4 ओवर में 40 रन देकर 2 विकेट हासिल किए।

एफआईएस अल्पाइन विश्व स्की चैक्पियनशिप

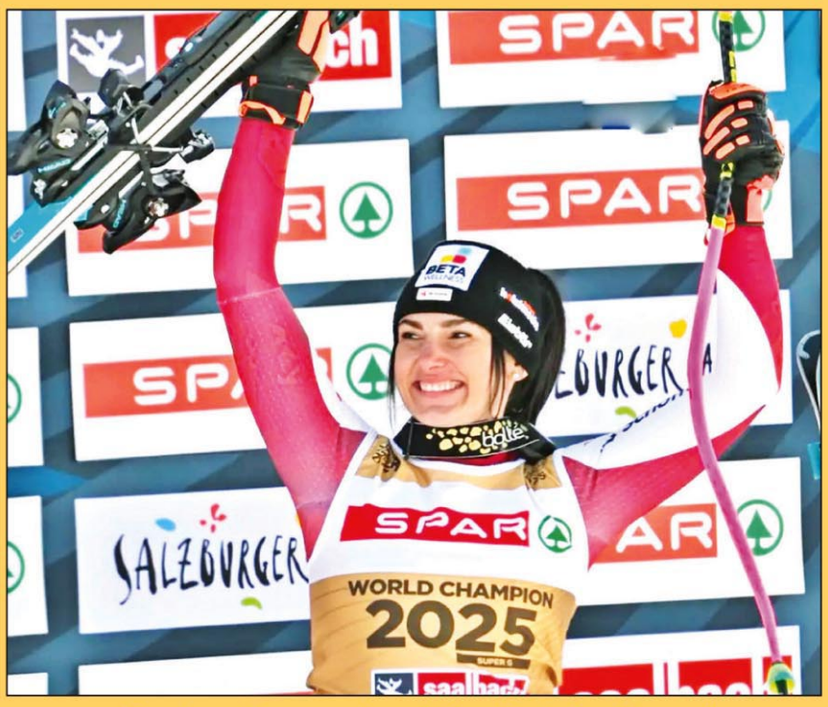

ऑस्ट्रिया में एफआईएस अल्पाइन विश्व स्की चैक्पियनशिप में महिलाओं के सुपर जी वर्क में स्टीफेनी वेनियर ने स्वर्ण जीता।

पाकिस्तान, न्यूजीलैंड के खिलाफ त्रिकोणीय एकदिवसीय श्रृंखला से पहले लाहौर पहुंची दक्षिण अफ्रीकी टीम

लाहौर

तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीकी टीम न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के खिलाफ आगामी एकदिवसीय त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए शुक्रवार को लाहौर पहुंची।

पाकिस्तान क्रिकेट ने एक्स पर प्रोटियाज के आगमन का एक वीडियो साझा किया और लिखा, तेम्बा बावुमा की अगुवाई वाली दक्षिण अफ्रीका की टीम वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के लिए लाहौर पहुंची।

बुधवार को, दक्षिण अफ्रीका के व्हाइट-बॉल कोच रॉब वाल्टर ने श्रृंखला के पहले मैच के लिए 12 सदस्यीय टीम की घोषणा की, जिसमें गेराल्ड कोएट्जी भी शामिल हैं, जो चोट से उबर चुके हैं। कोएट्जी ने 27 नवंबर, 2024 को दो मैचों की टेस्ट श्रृंखला के पहले मैच में श्रीलंका के खिलाफ चोट से पहले दक्षिण अफ्रीका के लिए अपना आखिरी मैच खेला था।

वनडे त्रिकोणीय श्रृंखला के शुरुआती मैच के लिए, दक्षिण अफ्रीका के पास देखने के लिए कई नए विकल्प हैं, जिसमें बावुमा की अगुवाई वाली टीम में छह अनकैप्ड खिलाड़ी शामिल हैं। मीका-ईल प्रिंस, गिदोन पीटर्स, ईथन बॉश और मिहाली मपोंगवाना सभी ने अब तक अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोई मैच नहीं खेला है, जबकि मैथ्यू ब्रीट्ज़के पहले ही टेस्ट और टी20आई में शामिल हो चुके हैं और सेनुरन मुथुसामी ने प्रोटियाज के लिए चार टेस्ट खेले हैं।

दक्षिण अफ्रीका में चल रही एसए20 लीग के समापन के बाद श्रृंखला के शेष भाग के लिए टीम को अपडेट किया जाएगा, जिसमें केशव महाराज और हेनरिक क्लासेन जैसे खिलाड़ी श्रृंखला के दूसरे गेम से उपलब्ध होंगे।

त्रिकोणीय श्रृंखला की शुरुआत 8 फरवरी को गद्दाफी स्टेडियम में न्यूजीलैंड और पाकिस्तान के बीच होने वाले मैच से होगी। इसके बाद कीवी टीम 10 फरवरी को एक दिवसीय मैच में दक्षिण अफ्रीका से भिड़ेगी। पहले दो मैचों के समापन के बाद, वनडे मैच रावलपिंडी से कराची में खेले जाएंगे, जहां मेन इन ग्रीन 12 फरवरी को एक दिन/रात के मैच में प्रोटियाज से भिड़ेगी।

अबू धाबी टी10 लीग का सातवां संस्करण 18 नवंबर से

अबू धाबी

अबू धाबी टी10 लीग के सातवें संस्करण का आयोजन 18 नवंबर से 30 नवंबर 2025 तक अबू धाबी के प्रतिष्ठित शेख जायद क्रिकेट स्टेडियम में किया जाएगा। अबू धाबी क्रिकेट एंड स्पोर्ट्स हब के सीईओ मैट बाउचर ने टूर्नामेंट की तारीखों की पुष्टि करते हुए कहा, हम अबू धाबी टी10 के 2025 संस्करण की घोषणा करके उत्साहित हैं। अबू धाबी स्पोर्ट्स काउंसिल और संस्कृति एवं पर्यटन विभाग के साथ हमारी रणनीतिक साझेदारी के तहत, हमने 2019 में इस टूर्नामेंट को विकसित करने और अबू धाबी को वैश्विक खेल मानचित्र पर और मजबूत करने की प्रतिबद्धता जताई थी।

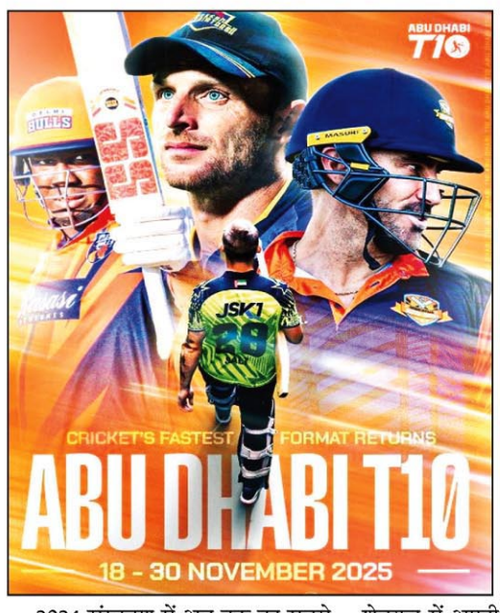

2024 संस्करण में अब तक का सबसे प्रभावशाली खिलाड़ी समूह और दर्शकों की शानदार भागीदारी देखने को मिली। उन्होंने आगे कहा कि टूर्नामेंट में लगातार नवाचार लाने और अबू धाबी को एक विश्व स्तरीय खेल गंतव्य के रूप में स्थापित करने पर जोर दिया जाएगा। टी10 ग्लोबल के चेयरमैन शाजी उल मुल्क ने भी 2025 संस्करण को लेकर उत्साह जताते हुए कहा, अबू धाबी टी10 क्रिकेट और मनोरंजन का अनूठा मिश्रण है। यह टूर्नामेंट 10 टीमों तक विस्तारित हो चुका है और अबू धाबी में अपनी शुरुआत के बाद से यूएई क्रिकेट कैलेंडर की एक महत्वपूर्ण स्थिरता बन गया है। यह स्थानीय खिलाड़ियों को अपने कौशल को निखारने का बेहतरीन अवसर प्रदान करता है।

टी10 लीग ने पिछले कुछ वर्षों में वैश्विक क्रिकेट शेड्यूल में अपनी अलग पहचान बनाई है और 2025 का संस्करण फिर से इस तेज़तर्रार प्रारूप की रोमांचक प्रकृति को प्रदर्शित करेगा। टूर्नामेंट न केवल प्रशंसकों के लिए मनोरंजक रहेगा, बल्कि यूएई के क्रिकेटरों को अंतरराष्ट्रीय मंच पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर भी देगा।

भारतीय एथलीटों ने मोटापे के खिलाफ प्रधानमंत्री मोदी की मुहिम को दिया समर्थन

नई दिल्ली

भारतीय एथलीट और फिटनेस इन्फ्लुएंसर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा मोटापे के खिलाफ छेड़ी गई मुहिम का समर्थन करने के लिए आगे आ रहे हैं। प्रधानमंत्री ने यह आह्वान देहरादून में 38वें राष्ट्रीय खेलों 2025 के उद्घाटन समारोह में किया था, जिसमें उन्होंने फिटनेस और स्वास्थ्य को प्राथमिकता देने की बात कही थी।

हॉकी स्टार पीआर श्रीजेश ने दिया आहार जागरूकता पर जोर

भारतीय हॉकी टीम के दिग्गज गोलकीपर पीआर श्रीजेश ने फिटनेस को लेकर जागरूकता फैलाते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर लिखा, अच्छा खाना स्वस्थ और खुशहाल जीवन की ओर पहला कदम है। आइए, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी की फिटनेस के प्रति प्रतिबद्धता से प्रेरित होकर फिट फूड इंडिया को अपनी जीवनशैली बनाएं।

मनिका बत्रा ने फिट फूड इंडिया को अपनाने की अपील की

टेबल टेनिस स्टार मनिका बत्रा ने भी संतुलित आहार के महत्व को रेखांकित करते हुए लिखा, हम जो खाना खाते हैं, वह हमारे स्वास्थ्य को आकार देता है। आइए, पौष्टिक विकल्पों के लिए प्रतिबद्ध हों और फिट फूड इंडिया को अपनी जीवनशैली में शामिल करें, जिससे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी के फिटर इंडिया मिशन में योगदान दिया जा सके।

एमएमए चैंपियन संग्राम सिंह ने फिटनेस अपनाने की कही बात

फिट इंडिया आइकन और एमएमए चैंपियन संग्राम सिंह ने भी इस अभियान का समर्थन करते हुए एक वीडियो संदेश जारी किया। उन्होंने कहा, मानव शरीर के लिए सबसे जरूरी चीज है अच्छा खाना और फिट रहना। हमारे प्रधानमंत्री ने सभी से यही आग्रह किया है और हमें मोटापे से लड़ना चाहिए। जीवन के अंत में, धन और विलासिता मायने नहीं रखते - केवल हमारा शरीर ही हमें आगे ले जाएगा। आइए, हम खुद को स्वस्थ बनाएं और देश को आगे ले जाएं।

फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल को मिला समर्थन

प्रधानमंत्री मोदी के इस आह्वान को समर्थन देते हुए पिछले रविवार को नई दिल्ली के मेजर ध्यानचंद स्टेडियम में फिट इंडिया संडे ऑन साइकिल पहल आयोजित की गई। इस अभियान में केंद्रीय युवा मामले और खेल मंत्री डॉ. मनसुख मंडाविया ने 250 से अधिक डॉक्टरों और पोषण विशेषज्ञों के एक समूह का नेतृत्व किया, जिन्होंने भारत में मोटापे के खिलाफ इस लड़ाई को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने देहरादून में राष्ट्रीय खेलों के उद्घाटन समारोह के दौरान मोटापे के बढ़ते प्रभाव पर चिंता व्यक्त की और लोगों से स्वस्थ जीवनशैली अपनाने का आग्रह किया। उनके इस संदेश के बाद फिटनेस जगत के दिग्गजों का समर्थन मिलने से यह अभियान और अधिक प्रभावी होता जा रहा है।

सुंदरता ही नहीं चैतन्यता भी बढ़ाता है सिंदूर

महिलाएं मांग में जिस स्थान पर सिंदूर लगाती है वह स्थान समाधि योग का प्रथम स्थान ब्रह्मरन्ध्र के ठीक ऊपर का भाग होता है। स्त्री के शरीर में यह भाग पुरुष की अपेक्षा विशेष कोमल होता है, अतः उसकी संरक्षा के लिए शास्त्रकारों ने सिंदूर का विधान किया है। सिंदूर में पारा जैसी अलभ्य धातु बहुत मात्रा में होती है। जिससे यह स्त्री के मस्तिष्क को हमेशा चैतन्य अवस्था में रखता है और बाहरी दुष्प्रभाव से बचाता है। सिंदूर महिलाओं के श्रृंगार के साथ ही उनकी सौंदर्य में भी वृद्धि करता है।

फायदेमंद है केले का सेवन

केला स्वास्थ्य के लिए बहुत लाभदायक है। रोज एक केला खाना तन-मन को तंदुरुस्त रखता है। केला शुगर और फाइबर का बेहतरीन स्रोत होता है। केले में थाइमिन, नियासिन और फॉलिक एसिड के रूप में विटामिन ए और बी पर्याप्त मात्रा में मौजूद होता है। साथ ही इसमें पानी की मात्रा 64.3 प्रतिशत, प्रोटीन 1.3 प्रतिशत, कार्बोहाईड्रेट 24.7 प्रतिशत तथा चिकनाई 8.3 प्रतिशत होती है।

नींद नहीं आती तो दूध का सेवन करें

जिन लोगों को नींद नहीं आती, उन्हें सोने से पूर्व एक गिलास दूध पीना चाहिए। यह बात वैज्ञानिक रूप से सिद्ध हो चुकी है कि नींद लाने में दूध मुख्य भूमिका निभाता है। दूध जब पेट में जाता है तो अतिरिक्त एसिड को शरीर में से खत्म कर नींद लाने में सक्षम होता है। दूध में एमीनो-एसिड लेबपटोफान होता है जो नींद लाने में सहायक है। नींद के लिए गोलियों का प्रयोग हानिकारक है।

कोलस्ट्रोल दूर भगाए ये देसी नुस्खा

इस दौड़ भरी जिंदगी लोगों के पास अपने लिए समय नहीं है। व्यस्त जीवनशैली में न ही लोग सही समय पर खा रहे हैं न सोते हैं जो आखिकार बिमारियों को बुलावा देता है और आजकल जिस बीमारी ने लोगों को घेरा है वो है कोलस्ट्रोल। कोलस्ट्रोल बढ़ने के कारण हार्टअटैक भी होता है।

आपके घर मैं ऐसे बहुत से लोगो होंगे जिनका वजन व कोलस्ट्रोल बढ़ा हुआ हे। इस बीमारी से निजात पाने के लिए लोग महंगे से महंगा इलाज करवाने से परहेज नहीं करते,हालांकि दवाईयों से कुछ समय तक फर्क तो प?ता ही है लेकिन अगर इसी की जगह पर नानी के नुस्खे अपनाया जाए तो ये फयदेमन्द साबित हो सकता है।

जानिए कोलस्ट्रोल का आयुर्वेदिक इलाज

अदरक - यह खून को पतला करता है। यह दर्द को प्राकृतिक तरीके से 90न्न तक कम करता हैं।

लहसुन - इसमें मौजूद एलिसन तत्व कोलस्ट्रोल व बी पी को कम करता है। वह हार्ट ब्लॉकेज को खोलता है।

नींबू - इसमें मौजूद एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन सी व पोटैशियम खून को साफ़ करते हैं। ये रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाते हैं।

एप्पल साइडर सिरका - इसमें 90 प्रकार के तत्व हैं जो शरीर की सारी नसों को खोलते है, पेट साफ़ करते हैं व थकान को मिटाते हैं।

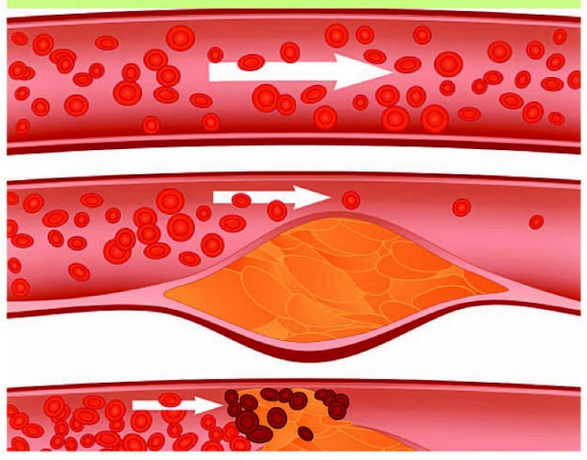

इन देशी दवाओं को इस तरह उपयोग में लें

एक कप नींबू का रस लें,एक कप अदरक का रस लें,एक कप लहसुन का रस लें,एक कप एप्पल का सिरका लें,चारों को मिला कर धीमीं आंच पर गरम करें जब 3 कप रह जाए तो उसे ठण्डा कर लें। अब इस मिश्रण में 3 कप शहद मिला लें। इस दवा के रोज 3 चम्मच सुबह खाली पेट लें जिससे सारी ब्लॉकेज खत्म हो जाएंगी क्यूंकि अगर पेट साफ होगा तो अब सभी बीमारियों से मुक्त।

कहीं आपको तो नहीं

20 की उम्र में 40 की बीमारियां

आज की युवा पीढ़ी हाइपर टेंशन, मानसिक तनाव, एसिडिटी आदि कई समस्याओं से परेशान है। पहले ये समस्याएं 40 साल की उम्र के बाद होती थीं लेकिन अब खराब जीवनशैली के कारण ये समस्याएं 20 वर्ष के युवाओं में भी नजर आने लगी है।

गलत खानपान का असर

आज के युवा स्वाद के चक्कर में पोषक तत्वों से भरपूर खानपान की बजाय कुछ भी उल्टा-सीधा जैसे चिप्स, नूडल्स, मोमोज आदि खाना पसंद करते हैं जो फैट बढ़ाने के साथ-साथ आंतों पर भी भारी पड़ते हैं। इससे पाचनक्रिया गड़बड़ाती है और एसिडिटी, अपच व कब्ज जैसी दिक्कतें होती हैं। अधिक वसायुक्त भोजन से हृदय रोगों का खतरा बढ़ता है। अब भारत में 30 साल से कम उम्र के युवाओं में दिल के दौरों का खतरा तेजी से बढने लगा है। डाइट में संतुलित आहार लें। मौसमी फल जरूर खाएं।

एक्टिविटी की कमी

युवा पीढ़ी शारीरिक एक्टिविटी कम करती है और उनका दिमाग हर समय कुछ न कुछ सोचता रहता है। ऐसे में मनोवैज्ञानिक तनाव होता है। इसका असर पढ़ाई और कॅरियर पर भी पड़ता है। व्यायाम न करने से मोटापा, ब्लड प्रेशर, तनाव और डायबिटीज जैसी लाइफस्टाइल से जुड़ी

समस्याएं भी युवाओं में आम हैं। रोजाना आधे से एक घंटे तक व्यायाम करें। 10 से 15 मिनट का ध्यान तनाव दूर करेगा।

अपर्याप्त नींद से घटती एनर्जी

अनुसंधान बताते हैं कि नींद में गड़बड़ी के कई कारण हैं, पर युवाओं में नींद से जुड़ी समस्याओं का सबसे बड़ा कारण रात में सोशल मीडिया का जरूरत से ज्यादा इस्तेमाल करना है। कई युवा रात को सोते समय घंटों अपने फोन में लगे रहते हैं। वाट्सएप या फेसबुक से नींद बाधित होती है। इससे दिमाग स्थिर नहीं रहता और गहरी नींद नहीं आ पाती। नींद पूरी न होने से धीरे-धीरे एनर्जी लेवल गिरता जाता है और चिड़चिड़ापन आता है। आगे चलकर स्थिति तनाव में बदल जाती है। रात को जल्दी सोने व सुबह जल्दी उठने की आदत डालें।

संतुलन बनाएं

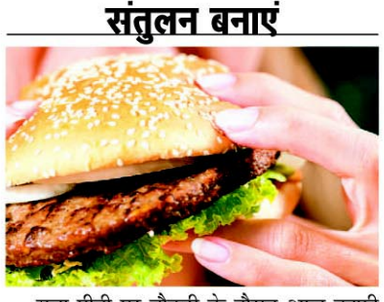

युवा पीढ़ी पर नौकरी के दौरान आज काफी दबाव है जिससे उनके व्यक्तित्व में चिड़चिड़ापन व आक्रामकता आ जाती है। जीवन में असंतुलन की वजह से वे जल्द ही हाई ब्लड प्रेशर और डायबिटीज से ग्रसित हो जाते हैं।

उन्हें चाहिए कि परिस्थितियों के लिए खुद को पहले से तैयार रखें और किसी भी बात को दिल पर न लें। निजी बातों को दोस्त, साथी या परिवार के किसी सदस्य के साथ जरूर बांटें और बेवजह का तनाव न पालें। इसके अलावा धूम्रपान, शराब व तंबाकू से बचें।

जल्दी हो रहे बूढ़े

नेशनल एकेडमी ऑफ साइंस में छपे शोध के अनुसार आजकल कुछ युवा अपनी उम्र से तिगुनी गति से बूढ़े हो रहे हैं जिसकी वजह खराब जीवनशैली के कारण उनमें तेजी से बढ़ रहे किडनी, लिवर व हृदय संबंधी रोग हैं। इन रोगों में कोलेस्ट्रॉल की अधिक मात्रा, दांतों से जुड़ी समस्या, रक्तवाहिनियों का सिकुडना और रोग प्रतिरोधक क्षमता में कमी भी शामिल है।

सही प्लानिंग

उम्र के 20वें पड़ाव पर पहुंचते ही युवाओं को जीवन की सही तरह से प्लानिंग शुरू कर देनी चाहिए। जीवन की प्लानिंग करते समय सेहत के पहलू पर भी पूरी तरह ध्यान दें।

इस दौर में युवा माता-पिता का दामन छोड़कर दुनिया का सामना करने के लिए तैयार होते हैं। ऐसे दौर में शरीर में पूरी ऊर्जा होना आवश्यक है।युवाओं को शुरुआत में सब कुछ अच्छा और आकर्षक लगता है लेकिन कई बार बाद में पता लगता है कि वे गलत राह पर हैं।

इसलिए कोई भी बड़ा फैसला लेने के पहले दस बार सोच लेना चाहिए। जीवन की असलियत को समझकर अपने लक्ष्य बनाने चाहिए। तनाव की बजाय सकारात्मक और खुश रहना चाहिए। जरूर से ज्यादा आराम, और जरूरत से ज्यादा काम से भी बचें। लेकिन यदि इन सबके बावजूद आपको रोग सताएं तो डॉक्टरी सलाह भी लें।

एसिडिटी दूर करने के घरेलू और पक्के उपचार

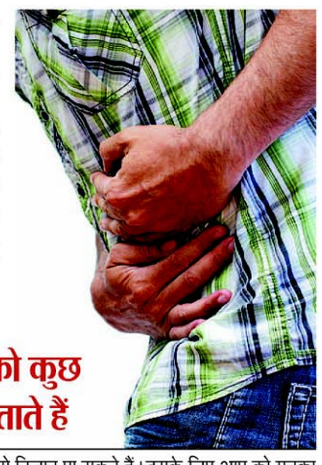

एसिडिटी की परेशानी से बहुत सारे लोग परेशान रहते हैं। यह इस हद तक व्यक्ति को परेशान करती है कि कही जाना, उठना- बैठना उनके लिए मुश्किल हो जाता है। इसके लिए लोग खाली पेट तरह-तरह की दवाइयां खाते हैं लेकिन आप को बता दें कि ऐसी बहुत सारी घरेलू चीजें हैं जिसकी मदद से एसिडिटीसे राहत मिल सकती है।

चलिए आज हम आपको कुछ ऐसे ही घरेलू नुस्खे बताते हैं

1. आप मुनक्का के सेवन से भी एसिडिटी से निजात पा सकते हैं। इसके लिए आप को मुनक्का को दूध में उबालकर दूध फिर ठंडा कर इसे ले सकते हैं।

2.एसिडिटी की समस्या तब भी होती है, जब आप भोजन के बीच में अधिक समय का गैप हो जाता है। इसलिए थोड़ी-थोड़ी देर पर कुछ ना कुछ खाते रहें।

3. सलाद में मूली का प्रयोग करें और मूली पर काला नमक तथा कालीमिर्च छिड़ककर खाएं। इससे एसिडिटी में काफी आराम होगा।

4. एसिडिटी की समस्या होने पर एक गिलास ठंडा दूध पी लें, इससे तुरंत ही आराम होगा।

5. गाजर का जूस भी एसिडिटी में काफी फायदेमंद होता है। इसके लगातार इस्तेमाल से एसिडिटी को जड़ से भी ख़त्म किया जा सकता है।

6. 3-4 किशमिश और एक टुकड़ा गुड को एक साथ खाने से एसिडिटी में बहुत जल्दी आराम हो जाता है।

7. रोज सुबह खाली पेट 2-3 तुलसी की पत्ती खाने से भी एसिडिटी में लाभ होता है।

8. केला ,खीरा और नारियल पानी भी एसिडिटी में बहुत ही फायदेमंद साबित होते है।

9. एसिडिटी होने पर कच्ची सौफ को चबाकर खाने से भी एसिडिटी में आराम मिलता है।

10. एसिडिटी की समस्या होने पर 1-2 लौंग को मुंह में रखकर चूसने से भी एसिडिटी में तुरंत ही रहत मिलती है।

आवंले में हैं कई गुण

आंवला प्राकृति का दिया हुआ ऐसा तोहफा है जिससे हमारे शरीर में पनप रही कई सारी बीमारियों का नाश हो सकता है।यदि आपको अच्छी सेहत चाहिए तो आंवला बड़ी काम की चीज है।आंवला में आयरन और विटामिन सी भरा पड़ा होता है।

आइए जानतें है इसके गुण।

- यदि आंवला के रस को रोज शहद के साथ लिया जाए तो अस्थमा और ब्रोंकाइटिस की बीमारी में लाभ मिल सकता है।
- आवंले के रस को शहद के साथ पीने से खून साफ होता है।
- यदि पीरियड्स के समय ज्यादा ब्लीडिंग होती है तो आमला रस को रोजाना तीन बार केले के साथ लेने से फायदेमंद साबित होता है।
- रोज सुबह आंवला का रस शहद के साथ पीने से चेहरा चमकदार बनता है और झाइंया दूर होती हैं।
- आंवला दिल की मासपेशियों को मजबूत बनाता है और हृदय रोग से दूर रखता है।
- पाइल?स के समय होने वाले कब्ज से आमला का रस राहत दिलाता है।
- रोजाना एक आंवला खाने से आंखों की रौशनी बढाती है।
- आंवला आपके चेहरे पर पैदा होने वाले एक्ने और मुंहासो से निजात दिलाता है।
- मधुमेह रोगियों के लिए आंवला वर्दान है। आमला का जूस शहद और हल्दी पाउडर के साथ पीने से मधुमेह कंट्रोल होता है।

सौंफ के सेहत के लिए ये हैं आश्चर्यजनक फायदे!

खाने के बाद अक्सर सौंफ खाई जाती है। ये सौंफ के दाने अपने में कितने गुण समेटे हुए हैं इसे कम ही लोग जानते होंगे...सौंफ आपकी याददाश्त बढ़ाती है, निगाह तेज करती है, खांसी भगाती है और कोलेस्ट्रॉल स्तर को नियंत्रण में रखती है। सौंफ में कैल्शियम, सोडियम, आयरन, पोटैशियम जैसे तत्व पाए जाते हैं...

गर्म तासीर वाली सौंफ पेट के अनेक रोगों में फायदेमंद मानी जाती है। आंखों की बीमारियों को दूर करने में सौंफ एक अच्छी औषधि है। जिन्हें रतौंधी की शिकायत है उन्हें सौंफ रोजाना खानी चाहिए। सौंफ(150 ग्राम), मिश्री (300 ग्राम) और बादाम (150ग्राम) को मिक्स करके पाउडर बना लें। इससे आंखों की रोशनी तेज होकर शारीरिक कमजोरी दूर होती है। खांसी, उल्टी, पेटदर्द, कफ आदि के लिए सौंफ खाएं। दो कप पानी में उबली हुई एक चम्मच सौंफ को दो या तीन बार लेने से अपच और कफ की समस्या समाप्त होती है। पेट में दर्द हो तो भुनी हुई सौंफ चबाकर खाएं, दर्द ठीक हो जाएगा। जो लोग कब्ज से परेशान हैं, उनको आधा ग्राम गुलकन्द और सौंफ मिलाकर दूध के साथ रात में सोते समय लेना चाहिए। कब्ज दूर हो जाएगा।

आधा गिलास पानी में सौंफ का चूर्ण मिलाकर दिन में दो-तीन दिन बार पीने से पेशाब की जलन दूर होती है। सौंफ को अंजीर के साथ खाएं और खांसी व ब्रोन्काइटिस को दूर भगाएं। मासिक चक्र को नियमित बनाने के लिए सौंफ को गुड़ के साथ खाएं।

इसे खाने से लीवर ठीक रहता है। यदि आपको खट्टी डकारें आ रही हों तो थोड़ी सी सौंफ पानी में उबालकर मिश्री डालकर पी लें। आराम मिल जाएगा। रोजाना सुबह-शाम खाली सौंफ खाने से खून साफ होता है जो कि त्वचा के लिए बहुत फायदेमंद होता है, इससे त्वचा में चमक आती है।

दवाओं के दुष्प्रभाव से निपटने के आसान तरीके

दवाएं कई प्रकार की स्वास्थ्य समस्याओं के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह हानिकारक बैक्टीरिया के खिलाफ मुकाबला करने, दर्द से राहत देने और जान बचाने में मदद करती है। दवाएं ऐसे रोगों का भी इलाज करती है जिनका अन्य किसी तरीके से इलाज नहीं हो पाता।

लेकिन अफसोस, दवाओं के उपयोग में एक खामी भी है। दवाएं मानव शरीर के साथ एक नाजुक संतुलन में काम करती हैं, लेकिन इस संतुलन के बिगड़ने पर यह कई प्रकार के साइड इफेक्ट का कारण बन सकती है।

किसे होते हैं साइड इफेक्ट

किसी को भी दवा से साइड इफेक्ट हो सकते हैं, लेकिन कोई भी एक विशेष दवा आपके लिए साइड इफेक्ट का कारण नहीं हो सकता। यह दवा की खुराक, उम्र, लिंग, वजन और आपके द्वारा ली जाने वाली अन्य दवाओं पर निर्भर करता है। बुजुर्गों में में जवां लोगों की तुलना में साइड इफेक्ट अधिक होने की संभावना होती है। मामूली साइड इफेक्ट होने पर आप यहां दिये उपायों को अपना सकते हैं।

कब्ज

कई निर्धारित और काउंटर दवा से कब्ज की समस्या हो सकती है। नियमित रूप से पेनकिलर दवाओं को लेने पर होने वाला यह सबसे आम दुष्प्रभावों में से एक है।

हालांकि, आप ब्रान और होल वीट ग्रेन और हाई फाइबर सब्जियां और फल जैसे बींस, सेब और ब्रोकली के सेवन से इसका इलाज कर सकते हैं। इसके साथ ही तरल पदार्थों को खूब सेवन करें और नियमित रूप से एक्सरसाइज करें।

दिन के समय उनींदापन

कुछ दवाओं के कारण दिन में उनींदापन की समस्या भी हो सकती है, लेकिन शरीर द्वारा दवा के आदि होने पर समस्या आमतौर पर अपने आप ही दूर हो जाती है। अगर समस्या काफी दिनों तक ऐसी ही बनी रहती है तो डॉक्टर से पूछ कर दवा रात के समय लें। साथ ही यह भी सलाह दी जाती है कि उनींदापन महसूस होने पर भारी उपकरण न उठाये और ड्राइविंग करने से भी बचें।

साइड इफेक्ट: लगभग सभी प्रकार की दवाओं के साइड इफेक्ट होते है, लेकिन कुछ लोगों को साइड इफेक्ट का पता नहीं लगता वह इन साइड इफेक्ट के साथ आसानी से डील कर लेते हैं। यहां ऐसी कुछ महत्वपूर्ण बातों की जानकारी दी गई है जो आपको पता होनी चाहिए।

डायरिया

लगभग सभी दवाओं के साइड इफेक्ट के रूप में डायरिया की समस्या देखने को मिलती है। हालांकि कीमोथेरेपी के लिए इस्तेमाल होने वाली कुछ दवाएं जैसे एंटीबॉयोटिक, एंटी-डिप्रेसेंट और एंटासिड डायरिया का कारण बनती है। अगर आपको दवा से डायरिया की समस्या होती है तो अपने आहार में हल्के, फाइबर युक्त जैसे की चावल और दही को शमिल करें। और बेहतर महसूस होने तक मसालेदार और फैट से भरपूर खाद्य पदार्थों से बचें।

सिरदर्द

कई निर्धारित और गैर निर्धारित दवाएं भी सिरदर्द का कारण हो सकती है। हालांकि शरीर को दवा की आदत हो जाने पर सिरदर्द अपने आप दूर हो जाता है। लेकिन अगर समस्या लंबे समय तक बनी रहती हैं तो बिना देर किये अपने डॉक्टर से संपर्क करें। आमतौर पर दवा के लाभ मामूली साइड इफेक्ट से अधिक महत्वपूर्ण होते हैं। क्योंकि अधिकांश दवाओं के साइड इफेक्ट अक्सर एक समय के बाद अपने आप दूर हो जाते हैं। लेकिन अगर साइड इफेक्ट लंबे समय तक रहते हैं तो आपको खुद से दवाओं को बंद नहीं करना चाहिए, बल्कि अपने डॉक्टर से इस विषय पर राय लेनी चाहिए। और अगर दवा लेने के बाद पित्ती, चेहरे, होठों और जीभ पर सूजन या सांस लेने में परेशानी महसूस हो तो तुरंत अपने डॉक्टर से संपर्क करना चाहिए।

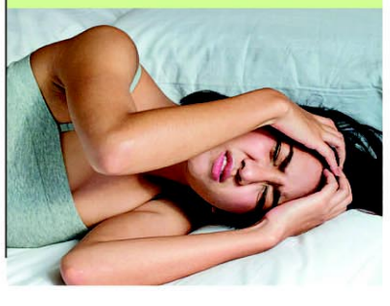

जानलेवा बीमारी है ब्लड पॉयजनिंग

ब्लड पायजनिंग के बारे में सुनने पर आपके जहन में ब्लड में जहर आने की कल्पना घूमने लगती होगी। लेकिन वास्तवकिता में इसका जहर के साथ कुछ लेना देना नहीं होता है। यह एक खतरनाक अवस्था है और तत्काल उपचार इससे बचने की कुंजी, इसलिए इसे पूरी तरह से समझना बहुत महत्वपूर्ण है। ब्लड पायजनिंग बैक्टीरिया के कारण होने वाला संक्रमण है जो एक घातक स्थिति है। बहुत सारे मरीज इस अवस्था के निदान में विफल रहते हैं और बहुत लंबे समय तक इसे नजरअंदाज करने के कारण यह समस्या जानलेवा भी हो सकती है। इसलिए इस समस्या के बारे में पता होना जरूरी है ताकी आप बीमारी के बारे में अपने डॉक्टर को सही समय पर सचेत कर सकें।

जानलेवा संक्रमण है ब्लड पॉयजनिंग: ब्लड पॉयजनिंग को सामान्यतः सेप्टिसीमिया या सेप्सिस के रूप में भी जाना जाता है, और यह जानलेवा सक्रमण खून में बैक्टीरिया की उपस्थिति के कारण होता है। बैक्टीरिया के खून में प्रवेश करने पर यह शरीर के किसी भी भाग में संक्रमण पैदा कर ब्लड पॉयजनिंग का कारण बन सकता हैं। इस संक्रमण में व्यक्ति के रक्त में श्वेत रक्त कणिकाओं की संख्या बहुत अधिक हो जाती है।

ब्लड पायजनिंग का निदान: ब्लड पायजनिंग का आत्म निदान मुश्किल होता है। अगर आपको सेप्सिस है तो इसको निर्धारित करने का सबसे अच्छा तरीका तुरंत चिकित्सक से परामर्श लेना होता है।

रेसिपी

मसाला पुरी

सामग्री

1 कप गेहूं का आटा
1/4 टी-स्पून हल्दी पाउडर
1/4 टी-स्पून हींग
1/2 टी-स्पून लाल मिर्च पाउडर
1 टेबल-स्पून तेल
नमक स्वादअनुसार
तेल , तलने के लिए

परोसने के लिए, ताज़ा दही

विधि

सभी सामग्री को एक बाउल में मिलाकर, ज़रुरत हो उतनी मात्रा में पानी का प्रयोग कर सख्त आटा गूथ लें। 15 से 20 के लिए एक तरफ रख दें। आटे को 10 भाग में बांटकर, प्रत्येक भाग को 75 मिमी व्यास के गोल आकार में बेल लें। एक कढ़ाई में तेल गरम करें और एक या दो पुरी डालकर, उच्च तापमान पर उनके दोनो तरफ सुनहरा होने तक तल लें। ताज़े दही के साथ गरमा गरम परोसें।

मूँगफली कढ़ी

सामग्री

1 कप ताज़ा दही, 1 टेबल-स्पून राजगीरा आटा, 1 टी-स्पून घी, 1 टेबल-स्पून अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट, 2 टेबल-स्पून भूना मूंगफली पाउडर, सेंधा नमक , स्वादअनुसार, 1/2 टी-स्पून टी-स्पून शक्कर, सजाने के लिये, 1 टी-स्पून बारीक कटा धनिया

परोसने के लिये

मिन्टी सान्वा , कुट्टु की खिचड़ी

विधि

दहीं, राजगीरा आटा और 2 कप पानी को 1 बाउल में डालकर अच्छि तरह से फेंटे। एक तरफ रख दें। एक गहरे नॉन-स्टिक पॅन में घी गरम करें और जीरा डालें। जब वे चटकने लगे, अदरक-हरी मिर्च का पेस्ट डालकर 30 सेकन्ड तक मध्यम आंच पर भूनें। मूँगफली पाउडर डालकर 30 सेकन्ड तक मध्यम आँच पर भूनें। दही-राजगीरा आटा का मिश्रण, सेंधा नमक और शक्कर डालकर अच्छि तरह से मिलायें और धिमी आँच पर लगातार हिलाते हुए, 4 से 5 मिनट तक पकायें। धनिया से सजाकर मिन्टी सान्वा/कुट्टु की खिचड़ी के साथ गरमा गरम परोसें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**